प्रकाशन का सफलतम 18 वां वर्ष

पूर्वांचल सूर्य

आवाज आज की, नज़र कल पर

रांची > दिल्ली > देवघर से प्रकाशित

www.purvanchalsurya.com

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

वर्ष - 18 | अंक 275 | दैनिक | रांची | सोमवार 19 मई 2025 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 3.00

सुविचार

अपने कर्तव्यों का पालन करो, बिना किसी भय या संदेह के।

श्रीनगर में आतंकियों के सहयोगियों पर ऐक्शन

23 लोगों के खिलाफ पीएसए के तहत केस दर्ज

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर में आतंकवादियों के 23 सहयोगियों और उपद्रवियों पर बड़ा ऐक्शन लिया है। इनके खिलाफ कड़े सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपियों को हिरासत में लेकर पुंछ, उधमपुर के जिला कारागार और जम्मू की कोट भलवाल जेल में रखा गया है। उन्होंने कहा, राष्ट्र की सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था के लिए नुकसानदेह व आपराधिक तत्वों के विरुद्ध

निर्णायक कार्रवाई की गई। इसके तहत, श्रीनगर पुलिस ने विध्वंसक गतिविधियों में शामिल प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के 23 सहयोगियों और सार्वजनिक अशांति में शामिल बदमाशों के खिलाफ पीएसए के तहत मामला दर्ज किया। श्रीनगर पुलिस की ओर से तैयार किए गए दस्तावेज के आधार पर जिला मजिस्ट्रेट के कार्यालय से हिरासत का आदेश मिलने के बाद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि इन व्यक्तियों के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज किए गए है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा, उन्होंने अदालतों से जमानत मिलने के बाद भी अपने तरीके नहीं सुधारे। वे सार्वजनिक व्यवस्था को भंग करने, आपराधिक और राष्ट्र के खिलाफ विध्वंसक गतिविधियों में बेशर्मी से शामिल थे।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने अपनी पत्नी के साथ भारत के उपराष्ट्रपति एवं राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ से उनके निवास पर मुलाकात कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव में अजय नाथ शाहदेव ने हासिल की जीत, जेएससीए को मिला नया बॉस कार्यकर्ताओं द्वारा मनाया गया जश्न

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव में अध्यक्ष पद के उम्मीदवार अजय नाथ शाहदेव की द टीम ने जीत हासिल कर ली है। चुनाव में जीत के बाद कार्यकर्ताओं द्वारा जश्न मनाया गया। अजय नाथ शाहदेव की पूरी टीम जीती, सभी सीट पर अजय की द टीम को जीत मिली।

अजय नाथ शाहदेव - अध्यक्ष,
संजय पांडे - उपाध्यक्ष,
सौरव तिवारी - सचिव,
शाहबाज नदीम - सह सचिव चुने गए।

दुश्मन को सबक ऐसा सिखाया है जिसे आगे पीढ़ियां याद रखेंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने जिस तरह से पराक्रम दिखाते हुए पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया, उससे पाकिस्तान के भी हौंसले पस्त हो गए। वहीं जब पाकिस्तान ने बौखलाकर भारत पर हमला शुरू किया तो भारतीय सेना ने ऐसा मुंहतोड़ जवाब दिया कि वह सीजफायर के लिए गिड़गिड़ाने लगा। भारतीय सेना ने रविवार को

ऑपरेशन सिंदूर का एक और वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में सेना का जवाब आतंकियों को चुनौती देते हुए कहता है कि सबक ऐसा सिखाया गया है जिसे पीढ़ियां याद रखेंगी। भारतीय सेना के वेस्टर्न कमांड के इस वीडियो में कहा गया, यह बदले की भावना नहीं न्याय था। सबक ऐसा सिखाएंगे कि इनकी पीढ़ियां याद रखेंगी। रात के करीब 9 बजे दुश्मन ने जिस पोस्ट से हमला किया सेना ने उसे मिट्टी में मिला दिया। सिंदूर पाकिस्तान के लिए वह सबक था जो उसने दशकों से नहीं सीखा। वीडियो में देखा जा सकता है कि सेना कैसे आतंकियों के लॉन्चिंग पैड्स और पाकिस्तानी सेना की पोस्ट को तबाह कर रही है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने राजनीतिक और कूटनीतिक, दोनों तरह से भारत की सोच बदल दी है और पूरी दुनिया इसकी गवाह है। जम्मू कश्मीर के उधमपुर से लोकसभा सदस्य एवं केंद्रीय मंत्री सिंह ने यह भी कहा कि सिंधु जल संधि जल्दबाजी में की गई थी, क्योंकि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पाकिस्तान

● भारतीय सेना ने शेयर किया ऑपरेशन सिंदूर का नया वीडियो

को खुश करना चाहते थे। कार्मिक राज्य मंत्री सिंह ने विजय के. सजावल द्वारा लिखी पुस्तक 'कश्मीर क्रॉनिकल्स' का यहां कॉन्स्टीट्यूशनल क्लब में विमोचन करने के बाद कहा कि यह संधि दोनों देशों के लिए न्याय करने में असफल रही। उन्होंने कहा कि 2019 के पुलवामा हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक के पश्चात, भारत ने अपनी रक्षा रणनीतियों में बदलाव की शुरुआत की थी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बलों को परिस्थितियों के अनुसार तथा पेशेवर ज्ञान एवं विवेक के आधार पर कार्य करने की पूरी स्वतंत्रता दी थी। उन्होंने कहा कि यह 2014 से पहले की प्रथा के बिल्कुल विपरीत है, जब सेनाओं को केवल सीमित स्वतंत्रता थी और बड़े हमले के लिए उन्हें नयी दिल्ली से मंजूरी का इंतजार करना पड़ता था।

भारत के साथ कायदे में रहो, नहीं तो बंद होगा कर्ज!

● आईएमएफ ने पाकिस्तान को दी चेतावनी, लगाई शर्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान को बार-बार कर्ज देने वाली संस्था अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अब कड़ी चेतावनी दी है। आईएमएफ ने पाकिस्तान ने कहा है कि अगर उसने भारत के साथ

संबंध खराब किए तो आगे से कर्ज मिलने में परेशानी आ सकती है। साथ ही आईएमएफ ने ने पाकिस्तान को बेलआउट कार्यक्रम की अगली किश्त जारी करने के लिए 11 नई शर्तें रखी हैं। आईएमएफ ने पाकिस्तान को चेतावनी दी है कि भारत के साथ तनाव बढ़ने से इस योजना के वित्तीय, बाहरी और सुधार लक्ष्यों को खतरा हो सकता है।

हैदराबाद में बिल्डिंग में भीषण आग, 17 की मौत

इनमें 8 बच्चे, 10 जख्मी, 15 लोगों को बचाया

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना की राजधानी से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां ऐतिहासिक चारमीनार के पास स्थित गुलजार हाउस में रविवार सुबह आग लग गई। इमारत में लगी इस भीषण आग की चपेट में आने से 17 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। घटना पर पीएम मोदी और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने घटना पर शोक जताया है। वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया कि इमारत में फंसे लोगों को बचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। जिस बिल्डिंग में आग लगी है, वह शहर की फेमस इमारत है।

● चारमीनार के पास गुलजार हाउस में घटी दुर्घटना

यह आग शहर के सबसे बड़े आग हादसों में से एक बन गई है। दस घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें एसएच हॉस्पिटल, उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल और एक प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया है। दमकल विभाग के अनुसार, आग सुबह 5.30 बजे लगी। उस समय ज्यादातर लोग सो रहे थे। आग इमारत के ग्राउंड फ्लोर से शुरू हुई। फिर धुआं तेजी से पूरी इमारत में फैल गया। इससे लोगों का दम घुट गया और उनकी मौत हो गई। केंद्रीय मंत्री और राज्य बीजेपी प्रमुख जी किशन रेड्डी ने बताया कि आग एक मोती की दुकान में लगी। दुकान एक परिवार की थी और उनका घर दुकान के ऊपर ही था। उन्होंने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी।

यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला

रूस ने एक साथ दागे 273 ड्रोन, हर ओर तबाही

कीव (एजेंसी)। रूस ने यूक्रेन पर अपनी अब तक की सबसे बड़ी ड्रोन बमबारी की है। यूक्रेन के अधिकारियों ने बताया कि यह हमला युद्ध की शुरुआत से अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला है। हमले के बाद यूक्रेनी शहरों में तबाही के मंजर सामने आए हैं। हमले में कीव क्षेत्र में कम से कम एक महिला की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए हैं। यूक्रेनी अधिकारियों ने रविवार को इसकी जानकारी दी। इस हमले में रूस ने 273 ड्रोन दागे। यूक्रेन

की वायु सेना के अनुसार, रूस ने अधिकतर हमले कीव के केंद्रीय क्षेत्र और देश के पूर्वी हिस्सों ड्निप्रोपेत्रोव्स्क व डोनेस्क क्षेत्रों को निशाना बनाया। इससे पहले फरवरी 2025 में रूस ने 267 ड्रोन हमले किए थे, जो तब का रिकॉर्ड था। हाल ही में इस्तांबुल में रूस-यूक्रेन के बीच तीन साल बाद हुई शांति वार्ता विफल रही। दोनों पक्षों ने केवल कैदियों के आदान-प्रदान का समझौता किया, लेकिन युद्ध विराम पर कोई सहमति नहीं बन पाई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को रूस के राष्ट्रपति पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से बातचीत करने का ऐलान किया है।

अहमदाबाद सहकारिता महासम्मेलन में बोले अमित शाह | सरकार डेयरी के लिए सभी उपकरण उपलब्ध कराएगी

कहा-सहकारी यूनिवर्सिटी के बारे में भी सोच रही सरकार

अहमदाबाद (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शनिवार से दो दिन के गुजरात दौरे पर हैं। अपने दौरे के दूसरे दिन रविवार को वे अहमदाबाद की साइंस सिटी में हो रहे गुजरात स्टेट सहकारी संघ कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होने सहकारी समितियों को अध्यक्षों और किसानों से बातचीत की। कहा- सहकारी यूनिवर्सिटी के बारे में भी सोच रही सरकार केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। इसकी शुरुआत भारत से हुई है। दिल्ली में भी एक

कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जहां प्रधानमंत्री ने सहयोग से समृद्धि का नारा दिया। आज गुजरात में एक सहकारी सम्मेलन आयोजित किया गया है। हमें सहयोग में परिवर्तन को नीचे तक ले जाना होगा। सहकारी समितियों के विकास के लिए केंद्र सरकार सहकारी यूनिवर्सिटी खोलने पर भी विचार कर रही है। गृहमंत्री ने आगे कहा कि यदि सहकारी समितियों को बढ़ावा देना है तो जागरुकता पैदा करनी होगी। इसमें सहकारी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग पर जोर देना होगा। मैं सभी सहकारी नेताओं से कहना चाहूंगा कि वे आखिरी स्तर तक के साथियों का सहयोग करें। प्रत्येक सदस्य, समिति एवं संगठन का जिला सहकारी बैंक में बैंक खाता होना चाहिए। गुजरात को सहकारी विश्वविद्यालयों के लिए अग्रणी बनने की आवश्यकता है।

100 किमी अंदर घुसकर 100 से ज्यादा आतंकी मारे

हमारी सेना ने पाकिस्तान के अंदर 100 किमी तक घुसकर आतंकियों के 9 ठिकानों को तबाह किए। इसके अलावा 100 से ज्यादा आतंकियों को मारा। पाकिस्तान ने कच्छ से कश्मीर तक हमले का दुस्साहस किया, लेकिन हमारी सेना ने हर हमले को विफल किया। एक भी मिसाइल भारत में नहीं गिरी। हमारी आर्मी ने पाक एयरबेस को भी तबाह कर दिया। हमारी सेना ने पहलगाम हमले के जवाब में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के मुख्यालयों को उड़ाकर बदला लिया। शाह गृहमंत्री ने आगे कहा- पीएम मोदी ने भारत को विकसित बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। साथ ही नरेन्द्रभाई ने देश को सुरक्षित करने का भी काम किया है। 2014 में उनके प्रधानमंत्री बनने से पहले भी कई वर्षों से आतंकवादी हमले होते रहे हैं। आतंकवादी पाकिस्तान से आते थे और हमारे सैनिकों और लोगों को मारकर भाग जाते थे। वे बम विस्फोट करते थे, षड्यंत्र रचते थे, लेकिन भारत की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी जाती थी। नरेन्द्र मोदी के शपथ ग्रहण करने के बाद से देश में तीन बड़े हमले हो चुके हैं। पहला हमला उरी में हुआ, दूसरा हमला पुलवामा में हुआ और तीसरा हमला हाल ही में पहलगाम में पाकिस्तान प्रेरित आतंकवादियों द्वारा किया गया। लेकिन मोदीजी ने हर हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया है।

पाक अफसर दानिश से संबंध अपने वीडियो से फंसी ज्योति

● इफ्तार पार्टी में पाकिस्तानी दूतावास में दिखी थी नजदीकियां

हिसार (एजेंसी)। जासूसी के आरोप में पकड़ी गई यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को लेकर हरियाणा पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। हिसार के एसपी शशांक कुमार सावन ने बताया कि पहलगाम हमले से पहले ज्योति पाकिस्तान गई थी। पाकिस्तानी उसे एसेट के तौर पर डेवलप कर रहे थे। वह अन्य यूट्यूबर्स के संपर्क में थी। वह स्पॉन्सर्ड ट्रिप पर पाकिस्तान जाती थी। भारत से निकाले गए पाकिस्तानी अफसर दानिश से ज्योति की नजदीकी थी। उसके यूट्यूब

चैनल 'ट्रैवल विद जो' पर अपलोड किए गए वीडियो से ही इस बात का पता चला। इसके बाद पूछताछ में ज्योति ने इस बात की पुष्टि की। पुलिस इसके टेरर लिंक की भी जांच कर रही है। उसे संवेदनशील जानकारी साझा करने और पाकिस्तानी नागरिक के साथ लगातार संपर्क में रहने की वजह से गिरफ्तार किया गया है। ज्योति पिछले साल 23 मार्च को पाकिस्तान के नेशनल डे पर वहां की एंबेसी में इफ्तार पार्टी में शामिल हुई थी। उसने अपने चैनल पर इसका वीडियो डाला था। एंबेसी में पाकिस्तानी दूतावास के एक अफसर दानिश ने बहुत फ्रेंडली तरीके से उसका वेलकम किया। वीडियो में दोनों आपस में इस तरह से बात करते दिखे जैसे एक-दूसरे को बहुत करीब से जानते हों।

किसी नेता को विदेश जाने से नहीं रोकेगी कांग्रेस

मोदी सरकार पर लगाया घटिया राजनीति खेलने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ने रविवार को केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। मामला उन सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों से जुड़ा है जिन्हें पाकिस्तान के आतंकवाद से संबंध और 'ऑपरेशन सिंदूर' से जुड़े तथ्यों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उजागर करने के लिए विदेश भेजा जा रहा है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार ने उसके द्वारा सुझाए गए चार नेताओं में से

● कहा-हमारे 4 में से केवल 1 ही नाम को चुना, भड़की पार्टी

केवल एक को ही प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया। कांग्रेस ने बताया कि केंद्र सरकार ने पार्टी से चार सांसदों के नाम मांगे थे, जिसके जवाब में पार्टी ने आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, सैयद नासिर हुसैन और अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के नाम भेजे थे। लेकिन, अंतिम सूची में सिर्फ आनंद शर्मा को ही शामिल किया गया, जबकि बाकी तीन नामों को नजरअंदाज कर दिया गया। इसके विपरीत, सरकार ने कांग्रेस के शशि थरूर, मनीष तिवारी, अमर सिंह और सलमान खुर्शीद को प्रतिनिधिमंडलों में शामिल किया है। ये उन नामों में

शामिल नहीं थे जिन्हें कांग्रेस ने सुझाया था। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार देर रात जारी एक बयान में कहा,16 मई की सुबह, मोदी सरकार ने कांग्रेस पार्टी से चार सांसदों/नेताओं के नाम मांगे, जिन्हें पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर भारत की स्थिति को दुनिया के सामने रखने के लिए विदेश भेजे जा रहे प्रतिनिधिमंडलों में शामिल किया जाना था। कांग्रेस संसदीय दल की ओर से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने 16 मई को दोपहर 12 बजे तक चार नाम संसदीय कार्य मंत्री को लिखित रूप में भेज दिया था। उन्होंने कहा कि आज देर रात (17 मई) इन सभी प्रतिनिधिमंडलों की आधिकारिक सूची जारी कर दी गई है। अत्यंत खेदजनक है कि कांग्रेस नेतृत्व द्वारा सुझाए गए चार नामों में से केवल एक को ही शामिल किया गया है। रमेश ने आरोप लगाया कि यह मोदी सरकार की पूरी तरह से असंवेदनशील और असत्यनिष्ठ राजनीतिक सोच को उजागर करता है, और यह दर्शाता है कि किस तरह वह गंभीर राष्ट्रीय मुद्दों पर भी घटिया राजनीतिक खेल खेलती है। इससे पहले खबरें आईं थीं कि कांग्रेस उन नेताओं पर ऐक्शन ले सकती है जो बिना उसकी इजाजत के सरकारी प्रतिनिधिमंडलों के साथ विदेश जाएंगे। इनमें शशि थरूर का नाम भी शामिल है। क्योंकि कांग्रेस ने जो लिस्ट सरकार को दी उसमें थरूर का नाम शामिल नहीं था, फिर भी सरकार ने उन्हें लिस्ट में शामिल किया है।

दुनिया प्रेम की भाषा तभी सुनती है जब आपके पास अपनी शक्ति हो

● पाकिस्तान पर सैन्य कार्रवाई को लेकर आरएसएस चीफ का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने पाकिस्तान पर की गई हालिया सैन्य कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि भारत किसी से द्वेष नहीं रखता है, लेकिन दुनिया प्रेम और मंगल की भाषा तभी सुनती है जब आपके पास शक्ति हो। यह इस दुनिया का स्वभाव है, जिसे बदला नहीं जा सकता। इसलिए विश्व कल्याण के लिए भारत को शक्ति संपन्न होना जरूरी है। हमारी ताकत को अब विश्व देख चुका है।

संघ चीफ ने यह बातें जयपुर के हरमाडा स्थित रविनाथ आश्रम में आयोजित रविनाथ महाराज की पुण्यतिथि के कार्यक्रम में यह बात कही। संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि उसकी भूमिका बड़े भाई की है। भारत विश्व में शांति और सौहार्द्र के लिए कार्य कर रहा है। सरसंघचालक ने कहा कि भारत में त्याग की परंपरा रही है। भगवान श्री राम से लेकर भामाशाह को हम पूजते और मानते हैं। विश्व को धर्म सिखाना भारत का कर्तव्य है, लेकिन इसके लिए भी शक्ति की आवश्यकता होती है।

आईसेक्ट विश्वविद्यालय का 10वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित

साझा की गई विश्वविद्यालय की उपलब्धियां

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

हजारीबाग।आईसेक्ट विश्वविद्यालय का 10वां स्थापना दिवस झील रोड स्थित ओपन थिएटर परिसर में धूमधाम से मनाया गया। बता दें कि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.पीके नायक, कुलसचिव डॉ. मुनीष गोविंद, प्रतिकुलपति डॉ. गौरव शुक्ला, डीन एडमिन डॉ. एसआर रथ, वोकेशनल निदेशक डॉ. बिनोद कुमार व आईसेक्ट इंटर कॉलेज की प्राचार्या ममता शर्मा के हाथों दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। स्वाति एंड ग्रूप की ओर से पेश की गई गणेश वंदना की मधुर आवाज़ ने मौजूद लोगों का मन मोह लिया। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। पम्मी एंड ग्रूप के नागपुरी गीत की प्रस्तुति ने जहां एक ओर झारखंड की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाया। सुमित की स्टैंडअप कॉमेडी ने भी खूब तालियां बटोरी।इससे पूर्व स्वागत भाषण देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और कहा कि विश्वविद्यालय अपने शुरुआती दिनों से ही विद्यार्थियों के समावेशी विकास को लेकर प्रतिबद्ध है और इसी उद्देश्य को हकीकत में तब्दीली की उम्मीद लिए विश्वविद्यालय अपने कर्त्तव्य पथ पर अग्रसर है। उन्होंने बताया कि 16 मई 2016 को सीमित संसाधनों के साथ आरंभ हुआ यह विश्वविद्यालय आज झारखंड की शिक्षा प्रणाली में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। विश्वविद्यालय की ओर से गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान किये जाने के साथ साथ समय समय पर कैरियर काउंसलिंग, विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट सेल जैसी सुविधाओं ने विद्यार्थियों के भविष्य की राह को भी आसान किया है।वहीं कुलपति प्रो पीके नायक ने कहा कि आईसेक्ट विश्वविद्यालय ना केवल सूदूरवर्ती क्षेत्रों में शिक्षा का अलख जगा रहा है बल्कि विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य की राह भी तय कर रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपने इन 10 वर्षों के दौरान कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल किया है।

प्रतिकुलपति डॉ गौरव शुक्ला ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में विश्वविद्यालय ने जिन उपलब्धियों को हासिल किया है, वह तो महत्वपूर्ण है पर अभी बहुत आगे तक जाना है।आईसेक्ट विश्वविद्यालय को भारत का नंबर वन विश्वविद्यालय बनाना है और इसमें विश्वविद्यालय से जुड़े सभी लोगों का योगदान महत्वपूर्ण होगा। डीन एडमिन डॉ एसआर रथ ने इस दरमियान आईसेक्ट विश्वविद्यालय के वर्ष 2024 का प्रोग्रेस रिपोर्ट पेश करते हुए बताया कि इस एक वर्ष में 50 से अधिक संस्थानों के साथ विश्वविद्यालय का एमओयू हुआ है। साथ ही विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिए गए पांच गांवों में से हुटपा गांव में विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग की ओर से स्वास्थ्य कैंप लगाए गए और लोगों को उचित परामर्श और निः शुल्क दवाइयां भी वितरित की गई। उन्होंने बताया कि व्यवसायिक कोर्सों में अध्ययनरत 80 फीसदी विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय प्लेसमेंट विभाग की ओर से अलग अलग कंपनियों में नौकरियां मिली, जो किसी भी विश्वविद्यालय के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में कस्तूरी 2025 के कोर कमिटी हेड सीमा गुप्ता, डॉ प्रीति कुमारी, डॉ अरविंद कुमार, डॉ रितेश लाल, डॉ विनय पंजियार, सबीता कुमारी, रविकांत कुमार, कोमल पल्लवी भेंगरा, सबा परवीन, आमंत्रण कमिटी हेड डॉ आलोक राय, राहुल रजवार, हिमांशु चौधरी, अनुशासन कमिटी हेड उदय रंजन, विजय कुमार, एसएनके उपाध्याय, आदित्य कुमार, दशरथ सिंह नाग, डॉ आरसी राणा, डॉ राजेश रंजन, डॉ आलोक कुमार, राज तिवारी, राहुल रजवार, संजय दांगी, विजय लाल, आसित प्रधान, विशाखा बाला, आशा गुप्ता, मुन्ना कुमार, वीरेंद्र कुमार, अभिमन्यु पांडे, राजीव रंजन, धीरज कुमार, रिचा, रोहित लाल, बबलू कुमार चौधरी, नागेश्वरी कुमारी, गीता कुमारी, ओम प्रकाश दास, संतोष कुमार रविदास, डॉ बचनदेव राय, बिरेंद्र कुमार रोशन कुमार सिंह, पूजा भारती, मुकेश कुमार, लक्ष्मी देवी, प्रियंका कुमारी, अर्जुन राणा, हर्ष राज, राजेश रंजन, सत्यार्थी ज्ञान प्रसाद, गौरी प्रिया, संजना कुमारी, कुंवरजीत कुमार, रेखा कुमारी, डॉ जयदीप सान्याल, प्रभात किरण, डॉ सच्चिदानंद बेहरा, डॉ सुमन चंद्र, कार्यक्रम प्रबंधन कमेटी हेड अमित कुमार, तबरेज खान, नीतीश कुमार, राज शर्मा, सुशांत कुमार, राजेश कुमार, राजीव रंजन, सौरभ सरकार, ललित मालवीय, रिफ्रेशमेंट समिति हेड डॉ एसपी विश्वकर्मा, सौरभ सरकार, अनिल राणा, चांदनी कुमारी, मीना राणा, सर्टिफिकेट वितरण एवं स्टेज कमेटी हेड रविकांत कुमार, सबीता कुमारी, फरहीन सिद्दीकी, पवन कुमार, मानसी प्रधान, दीपशिखा, सृष्टि सिन्हा, ट्रांसपोर्ट समिति हेड डॉ अजय बर्नवाल, यशवंत कुमार, राहुल कुमार, प्रभात कुमार, स्वागत कमेटी हेड नेहा सिन्हा, गौरी प्रिया, सरिता टुडू, प्रीति वर्मा, सोशल मीडिया समिति हेड मो शमीम अहमद, सुशांत कुमार, राजेश कुमार संजय कुमार सहित अन्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सीसीएल के ग्रीष्मकालीन क्रिकेट एवं वॉलीबॉल प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। सीसीएल के कल्याण विभाग द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन क्रिकेट एवं वॉलीबॉल प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ रविवार को गांधीनगर क्रीड़ांगन में हुआ। शिविर का उद्घाटन रेखा पांडेय, महाप्रबंधक (कल्याण), सीसीएल, द्वारा किया गया। अपने संबोधन में महाप्रबंधक (कल्याण) ने बच्चों को खेल के महत्व के बारे में बताया तथा उन्हें अनुशासन, मेहनत और आत्मविश्वास के साथ अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रशिक्षण में सहयोग दे रहे क्रिकेट व वॉलीबॉल कोचों का स्वागत किया। वॉलीबॉल शिविर का संचालन झारखंड वॉलीबॉल संघ के लेवल-2 कोच निशिकांत पाठक, उत्तम राज, तथा सीसीएल के अनुभवी वॉलीबॉल खिलाड़ी सतीश उरांव एवं रवि शंकर मंडल द्वारा किया जा रहा है। वहीं, क्रिकेट प्रशिक्षण की जिम्मेदारी सीसीएल के खिलाड़ी आनंद कुमार, धनंजय सेंद्रिया एवं मोहित राज मिंज को सौंपी गई है। शिविर में भाग ले रहे बच्चों को खेल की बारीक तकनीकें, शारीरिक व्यायाम, अनुशासन एवं टीम भावना के गुण विशेष रूप से सिखाए जा रहे हैं। बच्चों में शिविर को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। यह 14 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर प्रतिदिन प्रातः 6 बजे से 8ः30 बजे तक आयोजित किया जाएगा तथा 31 मई 2025 तक चलेगा। शिविर में लगभग 200 बच्चे भाग ले रहे हैं, जो इस सुनहरे अवसर का भरपूर लाभ उठा रहे हैं। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान सीसीएल वेलफेयर बोर्ड के सदस्य दिलीप कुमार सहित अनेक अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

मेहता भवन में रक्तदान शिविर का आज होगा आयोजन

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड एकता मंच, झारखंड स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच और आरोग्यम अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में हजारीबाग के जुलु पार्क स्थित मेहता भवन में आज रक्तदान शिविर आयोजित किया गया है।आयोजित रक्तदान शिविर की जानकारी साझा करते हुए झारखंड स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच के अध्यक्ष बटेश्वर प्रसाद मेहता ने बताया कि रक्तदान शिविर पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक आयोजित किया गया है।रक्तदान शिविर में स्वतंत्रता सेनानी शहीद शेख़ भिखारी की परपोती सह झारखंड एकता मंच की अध्यक्षा इम्तेशाम अली बतौर मुख्य अतिथि शरीक होकर रक्तदाताओं को सम्मानित करेंगी।आयोजित रक्तदान शिविर को लेकर रक्तदाताओं से आह्वान करते हुए श्री मेहता ने कहा कि रक्तदान महादान है। आपके द्वारा किए गए रक्तदान से किसी की जान बचाई जा सकती है। युवाओं से खास तौर पर अपील करते हुए कहा कि रक्तदान कर मानवता का परिचय दें।

अवैध कोयला लदा ट्रक पलटा, धंधे का खुला पोल ,ग्रामीणों का हंगामा, पुलिस करवाई में जुटी

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

चिरकुंडा (धनबाद)। चिरकुंडा थानां क्षेत्र के डुमरीजोर से अवैध कोयला लोड ट्रक नंबर एनएल01एल 6284 कालुबाथन ओपी क्षेत्र के पाथर कुंआ पंचायत भवन के निकट पलट गई। ट्रक में लोड कोयला सड़क पर बिखर गया। ट्रक पलटने के साथ ही चालक वंहा से फरार हो गया। कोयले से आवागमन बाधित हो गया। घटना पर स्थानीय लोंगों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। घटनां कि सूचना पर ओपी पुलिस पहुंची, ट्रक और कोयला को जप्त कर कानूनी प्रक्रिया में जुट गई। डुमरीजोड से लोड अवैध कोयले को ट्रक चालक द्रुतगति से भगा रहा था कि असावधानी के कारण पाथर कुंआ पंचायत भवन के समीप बाउंड्रीवाल को तोड़ते हुये ट्रक पलट गई। हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नही है। उक्त घटना अवैध कोयले के कारोबार का जिता जागता उदाहरण है जो पुलिस को कठघरे में खड़ा करता है। कोयले के शातिर धंधेबाज रात को कौन कहे दिन के उजाले में धंधे को अंजाम दे रहा है। पुलिस की निष्क्रियता यों कहें कि दोनों के गठजोड़ से निरसा विधानसभा के सभी थानां व ओपी क्षेत्र में अवैध कोयले का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है है। दो दिन पूर्व निरसा उत्तर पंचायत के मुखिया दिनेश सिंह ने निरसा ओसीपी में अवैध कोयला सहित एक भेन को पकड़ा, पुलिस और ईसीएल सुरक्षा कर्मी को सूचना दी, पुलिस तो नही आई काफी बिलम्ब से सुरक्षा कर्मी ड्रोन लेकर आये तबतक कोयला सहित चालक भेन को लेकर फरार हो गया। यह है पुलिस की कर्तब्यनिष्ठा। इसे आप क्या कहेंगे ? कोयला चोरी के सम्बंध में सरकार व वरीय पुलिस के सारे दावे खोखला साबित हो रहे है।

शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई पॉलिटेक्निक प्रवेश प्रतियोगिता व जेईई एडवांस परीक्षा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

धनबाद। रविवार को जिले में आयोजित पॉलिटेक्निक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा 2025 तथा जेईई एडवांस परीक्षा कदाचार मुक्त व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। इसकी जानकारी देते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने बताया कि पॉलिटेक्निक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा 2025 एसएसएलएनटी महिला महाविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल डिगवाडीह, पीके रॉय मेमोरियल कॉलेज, झरिया गुजराती हिंदी हाई स्कूल, एसएसएनएमएस इंटर कॉलेज सिजुआ, सरस्वती विद्या मंदिर भूली सहित 26 सेंटरों पर शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। उन्होंने बताया कि सभी सेंटरों में दंडाधिकारी, गश्ती दल दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति रही। कंट्रोल रूम भी कार्यरत रहा। परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, डिजिटल डायरी, स्मार्ट वॉच सहित सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने पर पाबंदी रही। हर परीक्षार्थी की सघन जांच कर बायोमेट्रिक उपस्थिति ली गई। परीक्षा सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में संपन्न हुई। वहीं जेईई एडवांस 2025 की परीक्षा बरवाअड्डा स्थित इयोन डिजिटल और कुसुम विहार स्थित पर्थ डिजिटल में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

श्री राधा-कृष्ण मंदिर में 207 वां अन्नपूर्णा भंडारा में श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण

छोटी नन्ही बच्ची द्वारा गाये मनमोहन भजनों में भक्तगण हुए भाव विभोर

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग में श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में 207 वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारा महाप्रसाद निर्मला गाड़ोदिया, डॉ रमण कुमार, डॉ अनुज,अद्वय उनके परिवार के सौजन्य से किया गया। अन्नपूर्णा महाप्रसाद का विधिवत भोग मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे द्वारा लगाई गई, तत्पश्चात मंदिर परिसर में उपस्थित 1500 से भी अधिक श्रद्धालुओं के बीच महा प्रसाद का वितरण किया गया।

तत्पश्चात भजन संध्या के कार्यक्रम में ट्रस्ट के भजन गायक मनीष सोनी एवं सज्जन पाड़िया ने मनमोहक सुमधुर भजनों की अमृत गंगा का रसपान कराते हुए श्रोताओं को खूब झुमाया। एक छोटी नन्ही बच्ची द्वारा गाये मधुर भजनों ने सभी भक्तों को भाव विभोर कर दी। तथा श्री राधा कृष्ण के जयकारा से पूरा वातावरण कृष्णमय बन गया। तत्पश्चात सामूहिक रूप से महाआरती की गई?। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि संस्था द्वारा श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम श्री राधा कृष्ण मंदिर परिसर मे आज अन्नपूर्णा महाप्रसाद एवं भजन कीर्तन में आज सुबह से ही श्रद्धालुओं का भीड़ लगा रहा। तथा भगवान श्री राधा कृष्ण मंदिर मे तीन हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

इस अवसर पर-ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल छावनिका, सज्जन पाड़िया, पूरणमल सर्राफ, संजय सर्राफ, सुनील पोद्दार, अंजनी अग्रवाल, विष्णु सोनी, सुरेश अग्रवाल, विशाल जालान, पवन पोद्दार, मनीष सोनी, मधु जाजोदिया, प्रभास गोयल, आशा मुंजाल,संतोष देवी अग्रवाल, चंद्रदीप साहू, हरीश कुमार, महेश वर्मा, धीरज गुप्ता, अशोक ठाकुर,सहित बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरुष उपस्थित थे।

रामनवमी के सफल आयोजन पर हुआ सम्मान समारोह

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग की रामनवमी पूरे देश में अपनी भव्यता और शांति के लिए प्रसिद्ध है।इस ऐतिहासिक पर्व को देखने हर वर्ष न केवल झारखंड, बल्कि देशभर से बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचते हैं।रामनवमी 2025 के सफल और शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर शनिवार को पुलिस अधीक्षक आवास में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में हजारीबाग एसपी अरविंद कुमार सिंह ने सभी पत्रकारों,वर्तमान रामनवमी महासमिति अध्यक्ष,पूर्व महासमिति अध्यक्ष,समाजसेवियों और विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों को सम्मानित किया।जिन्होंने रामनवमी के आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाई।कार्यक्रम के दौरान प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किए गए पत्रकारों को एसपी ने व्यक्तिगत रूप से बधाई दी और उनके कार्य की सराहना की। एसपी अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि हजारीबाग की रामनवमी राज्य ही नहीं, देशभर में खास पहचान रखती है। इस बार की रामनवमी में सभी पक्षों प्रशासन, मीडिया,समाजसेवी और आम नागरिकों ने मिलकर सराहनीय कार्य किया है।उन्होंने कहा कि मीडिया ने इस बार की रामनवमी की सकारात्मक तस्वीर टीवी और अखबारों के माध्यम से देशभर तक पहुंचाई, जिससे जिले की एक बेहतर छवि बनी है। एसपी ने कहा कि यह सम्मान समारोह सिर्फ एक औपचारिकता नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के योगदान को मान्यता देने का एक प्रयास है, जिन्होंने अपने-अपने स्तर से इस आयोजन को सफल और शांतिपूर्ण बनाया।

समारोह में बड़ी संख्या में प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार बंधुओ, समाजसेवी, पुलिस पदाधिकारी और आम नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में एसपी ने सभी को धन्यवाद देते हुए भविष्य में भी इसी तरह के सहयोग की अपेक्षा जताई। मौके पर श्री अमित आनंद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर, अमित कुमार अपर पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय,बैजनाथ प्रसाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विष्णुगढ़,पवन कुमार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बड़कागांव मनोज कुमार सिंह, पुलिस उपाध्यक्ष सीसीआर तथा अन्य पुलिस पदाधिकारी लोग उपस्थित थे।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की पहल

- रातु रोड में एलिवेटेड कॉरिडोर से गुजरेंगे एंबुलेंस
- सर्विस रोड के निर्माण से ही रहे जाम से मिलेगी राहत

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की पहल पर रांची रातू रोड से गुजरने वाले एंबुलेंस को बड़ी राहत मिलने वाली है। ऐसे सभी एंबुलेंस अब नवनिर्मित एलिवेटेड कॉरिडोर के ऊपर से गुजरेंगे, जिससे एंबुलेंस का समय बच सकेगा और अनावश्यक जाम में फंसने से राहत मिलेगी। विदित हो कि रातू रोड में एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। वर्तमान समय में नीचे सर्विस रोड का काम चल रहा है। इस वजह से कई बार जाम लगता है और इस जाम में एंबुलेंस भी फंस जाते हैं। जाम में एंबुलेंस के फंसे होने के कारण पूरी ट्रैफिक व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो जाती है। मरीजों के लिए भी गंभीर समस्या खड़ी हो जाती है। इस मुद्दे को लेकर रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद श्री संजय सेठ ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों से बात की और यह निर्देश दिया की एलिवेटेड कॉरिडोर के ऊपर से गुजरने के लिए एंबुलेंस को छूट दी जाए। उनके निर्देश पर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों ने सहमति दे दी है। इस सहमति के साथ ही पलामू, गढ़वा, लातेहार, चतरा, गुमला, लोहरदगा कैसे क्षेत्रों से आने वाले एंबुलेंस को राहत मिलेगी। यहां अनावश्यक जाम में फंसने से एंबुलेंस बच सकेंगे और समय पर अस्पताल पहुंच सकेंगे। इस बाबत श्री संजय सेठ ने बताया कि सर्विस रोड निर्माण कार्य के कारण जाम में एंबुलेंस भी फंस रहे थे, जिससे कई बार मरीजों की जान पर बन आती थी। इस मुद्दे को लेकर उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देशित किया और अधिकारियों ने इसकी त्वरित स्वीकृति प्रदान कर दी है।

एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड के पकरी बरवाडीह कोल माइनिंग ने टस्कर अवार्ड्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन प्रमुख पुरस्कार

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

बड़कागांव। एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड के पकरी बरवाडीह कोल माइनिंग प्रोजेक्ट ने टस्कर अवार्ड्स 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन प्रमुख श्रेणियों में पुरस्कार जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान को और सशक्त किया है। सर्वश्रेष्ठ सामाजिक प्रभाव फिल्म ङ्क इस श्रेणी में पीबी - सीएमपी को सामाजिक सरोकारों पर आधारित प्रभावशाली फिल्म के लिए स्वर्ण पुरस्कार प्रदान किया गया, जो स्थानीय समुदायों की भागीदारी और परिवर्तनशील पहल को रेखांकित करता है। ग्रामीण खेल आउटरीचङ्क ग्रामीण क्षेत्रों में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने एवं युवाओं को प्रेरित करने के लिए की गई पहलों के लिए परियोजना को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार समावेशी विकास और सामाजिक समरसता में पीबी सीएमपी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।शैक्षणिक उत्कृष्टता ङ्क खनन एवं औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर योगदान, विशेषकर वंचित वर्गों के बच्चों के लिए चलाए गए कार्यक्रमों को मान्यता देते हुए रजत पुरस्कार प्रदान किया गया। यह प्रतिष्ठित समारोह केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में बीते दिन आयोजित किया गया, जहाँ पुरस्कार सांसद डॉ. शशि थरूर और केरल सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रदान किए गए।एनएमएल पकरी बरवाडीह की ओर से जनसंपर्क अधिकारी दिलीप ठाकुर ने ये पुरस्कार ग्रहण किए।टस्कर अवार्ड्स देश के प्रतिष्ठित मंचों में से एक है, जहाँ सार्वजनिक क्षेत्र की अग्रणी इकाइयाँ, बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ और निजी संस्थान अपने-अपने उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। ऐसे चुनौतीपूर्ण मंच पर पीबी सीएमपी की तीन जीत न केवल इसकी संचालन उत्कृष्टता का प्रमाण है, बल्कि इसके स्थायी, समावेशी और जनहितकारी दृष्टिकोण की भी पुष्टि करती है।

यादव महासभा द्वारा रेजांग ला युद्ध की पवित्र मिट्टी कलश के साथ नगर भ्रमण

रेजांग ला युद्ध की वीरगाथा से जुड़ा पवित्र कलश के साथ हजारीबाग की सड़कों पर उमड़ा यादव समाज, अहीर रेजिमेंट बनाने की मांग की

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

हजारीबाग। अखिल भारतीय यादव महासभा द्वारा संगठन के सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे जनजागृति अभियान के अंतर्गत रविवार को हजारीबाग में रेजांगला युद्ध की पवित्र मिट्टी के साथ भव्य नगर भ्रमण आयोजित किया गया।

यादव महासभा की यह स्वर्ण जयंती यात्रा देशभर में भ्रमण कर रही है, जिसका प्रमुख उद्देश्य अहीर समाज को संगठित कर, समाज के युवाओं में जागरूकता फैलाना, उनके अधिकारों की रक्षा करना और देश के लिए बलिदान देने वाले अहीर वीरों की गाथा को जन-जन तक पहुँचाना है।रेजांगला युद्ध की ऐतिहासिक गाथा को स्मरण करते हुए महासभा ने बताया कि यह युद्ध 18 नवम्बर 1962 को भारत और चीन के बीच लद्दाख स्थित रेजांगला दर्रे पर लड़ा गया था। इसमें भारतीय सेना की 13 कुमाऊं रेजिमेंट की चार्ली कंपनी, जिसे ÷अहीर कंपनी÷ कहा जाता है, ने असाधारण वीरता का प्रदर्शन करते हुए मात्र 120 सैनिकों के साथ 1300 से अधिक चीनी सैनिकों का सामना किया था। भीषण ठंड, अत्यल्प हथियार और सीमित भोजन के बावजूद जवानों ने आखिरी साँस तक लड़ते हुए 114 वीर जवानों की शहादत दी। यह युद्ध भारतीय सैन्य इतिहास की सबसे वीरतापूर्ण लड़ाइयों में गिना जाता है और आज भी यह देशभक्ति और बलिदान का प्रतीक बना हुआ है।

इन्हीं वीरों की स्मृति में, रेजांगला की पावन धरती से लाई गई मिट्टी से भरे पवित्र कलश को अखिल भारतीय यादव महासभा द्वारा देशभर में यात्रा पर निकाला गया है। यह कलश शनिवार की शाम हजारीबाग पहुँचा, जहाँ भारत माता चौक पर भावपूर्ण स्वागत किया गया। इसके पश्चात कलश को बड़ा बाजार ग्वाल टोली चौक तक ले जाया गया, जहाँ एक सभा का आयोजन कर लोगों को राष्ट्रभक्ति तथा अहीर रेजिमेंट की माँग के प्रति जागरूक किया गया।रविवार को प्रातः 10ः00 बजे हजारीबाग स्टेडियम से हज़ारों की संख्या में यादव समाज के लोग एकत्रित होकर नगर भ्रमण के लिए रवाना हुए।इस रैली मे अहीर रेजिमेंट के समर्थन मे नारे लगाये गये। यह रैली हजारीबाग शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई नगवां टोल प्लाजा तक पहुँची, जहाँ श्रद्धांजलि अर्पित कर कलश को आगे की यात्रा के लिए रवाना किया गया। इस आयोजन के माध्यम से केन्द्र सरकार से अहीर रेजिमेंट के गठन की माँग को जोरदार ढंग से उठाया गया, साथ ही जाति आधारित जनगणना के निर्णय की सराहना करते हुए केन्द्र सरकार का आभार प्रकट किया गया।इस कलश यात्रा का नेतृत्व अखिल भारतीय यादव महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पिताम्बर दास तथा संयोजक सविता यादव द्वारा किया जा रहा है। यह अभियान देश के कोने-कोने में पहुँचकर समाज को संगठित करने का कार्य कर रहा है।इस अवसर पर सभी ने रेजांगला के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर अहीर समाज की एकता का परिचय दिया।

महुदा स्टेशन में खड़ी कोयला से लदा माल गाड़ी में लगी आग

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

महुदा (धनबाद)। धनबाद जिला के महुदा रेलवे स्टेशन में आरपीएफ की सूझ बुझ से एक बड़ा हादसा टल गया है। बताया जाता है कि साइडिंग से बीसीसीएल का कोयला रेलवे का माल गाड़ी में लोड कर महुदा स्टेशन में पहुंच कर खड़ा था तभी स्टेशन में तैनात आरपीएफ के जवान की नजर कोयला लोड माल गाड़ी की एक बोगी पर पड़ी देखा कि कोयला लदे बोगी से आग की धुआं निकल रही थी। तत्परता दिखाते हुए रेलवे को सूचित किया गया और पवार ब्लॉक किया। बताया जाता है कि धुआं उठ रहे बोगी को माल गाड़ी से अलग किया गया। और बीसीसीएल को सूचना दी। बीसीसीएल ने बिना देरी पानी की गाड़ी को महुदा स्टेशन भेजा। और धुआं व आग पर काबू मिलने के बाद रेलवे के पदाधिकारियों ने राहत की सांस ली। बताया जाता है कि कोयला के ब्लास्टिंग के बाद कोयला गर्म रहता है और ऊपर से गर्मी में कड़के की धूप के कारण आग लगी होगी। महुदा आरपीएफ के कारण एक बड़ी दुर्घटना होने से बच गया।

तालाब में डूब जाने से ग्रामीण की मौत

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

डुमरी। अतकी पंचायत के हरिजन टोला निवासी शंकर रविदास की 17 मई को तालाब में स्नान करने के दौरान डूब जाने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति दीपक श्रीवास्तव ने जिले के उपायुक्त से बात कर रेस्क्यू टीम मंगवाया।जिसमें मृतक व्यक्ति शंकर रविदास के शव को बीती देर रात बाहर निकाला गया। इस संबंध में मुखिया अतकी ने जानकारी देते हुए बताया कि गांव में किसी वृद्ध महिला की मृत्यु हो गई थी। जिसके दाह संस्कार से लौटने के बाद ग्रामीण उक्त तालाब में स्नान करने गए थे। वहीं मृतक शंकर रविदास भी स्नान कर रहा था इस क्रम में वह तालाब में डूब गया। जिससे उसकी मौत हुई। इस दौरान ग्रामीणों के साथ घटनास्थल पर अतकी मुखिया ईश्वर हेंब्रम, बासुदेव महतो वार्ड सदस्य सुरेश रविदास आदि मौजूद रहे। रविवार को पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद शव को वापस गांव में लाया गया।जिसके बाद ग्रामीणों ने अपराह्न मृतक के शव का विधिवत दाह संस्कार कर दिया।

चतरा इग्नू सेंटर , 3611 में अभिप्रेरणा बैठक हुई संपन्न

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

चतरा। रविवार को इग्नू अध्ययन केंद्र (3611) चतरा महाविद्यालय चतरा में जनवरी 2025 सत्र में नामांकित शिक्षार्थियों के लिए अभिप्रेरणा बैठक का आयोजन किया गया इस बैठक में चतरा

कॉलेज चतरा के पूर्व प्राचार्य डॉक्टर एस के पांडेय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने शिक्षार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। अभिप्रेरणा बैठक का संचालन करते हुए इग्नू 3611 के समन्वयक डॉ. मुकेश कुमार झा ने सभी अतिथियों का परिचय करवाया द्य एवं इग्नू के नामांकन, री रजिस्ट्रेशन, सत्रीय कार्य एवं परीक्षा संबंधित विस्तृत जानकारी को शिक्षार्थियों के बीच साझा किया। साथ ही चतरा महाविद्यालय में स्थित इग्नू केंद्र के क्रियाकलाप की भी जानकारी दी गई। इस बैठक में लगभग 40 शिक्षार्थी उपस्थित हुए। इग्नू 3611 के परामर्शदाता डॉक्टर ज्योति कुमार, डॉ. हेमंत कुमार मिश्रा, डॉ. अनिल कुमार, अमित प्रवीण तिग्गा , एल बसंत कुमार, सरयू यादव समेत अन्य उपस्थित थे।

झमाझम बारिश ने बदला मौसम का मिजाज, उमस भरी गर्मी से लोगो को मिली राहत

7 डिग्री गिरा तापमान

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

हंटरगंज(चतरा)। बढ़ती गर्मी व तपिश से लोगों को रविवार शाम को राहत मिली। पिछले एक सप्ताह से हंटरगंज प्रखण्ड के लोग उमस भरी गर्मी से बेहाल लग रहे थे। सुबह से लेकर दोपहर तक लोग भीषण गर्मी का अनुभव कर रहे थे। दोपहर 3 बजे बारिश के बाद लोगों को राहत मिली। रविवार को सुबह से आसमान हल्के बादलों ने डेरा डाल लिया, साथ ही दिन भर रुक रुककर धूप देखने को मिल रहा था

लेकिन, उमस भरी गर्मी आमजन के पसीने छुड़ाती रही। दोपहर 3 बजे होते ही तेज हवा के साथ झमाझम बारिश होना शुरू हो गई, जिसके बाद उमस भरी गर्मी से बेहाल हो रहे लोगों को राहत मिल गई। मौसम सुहाना हो गया और लोग घरों के बाहर गली ,सड़कों पर व घरों की बालकोनी पर मौसम का आनंद लेते दिखाई देने लगे। वहीं देर शाम तक आसमान पर बादल छाए रहे, इस वजह से रात को फिर एक बार बारिश होने की उम्मीद जताई जा रही है। तापमान में हो रहा उतार-चढ़ाव से रविवार को हंटरगंज प्रखण्ड का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस रहा। वही पिछले एक सप्ताह से अधिकतम तापमान 42 डिग्री रह रही थीं इससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया था।भीषण लू और उमस के कारण लोग दिन में घरों से बाहर निकलने से परहेज कर रहे थे।लेकिन रविवार को दोपहर तीन बजे अचानक मौसम का मिजाज बदला और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश ने तापमान में गिरावट ला दी फिलहाल तापमान 35 डिग्री है । आचनक बारिश से मौसम सुहावना हो गयाहै और गर्मी से लोगों ने सुकून की सांस ली है।

धनबाद जिला तैराकी संघ की बैठक संपन्न,

जूनियर व सब-जूनियर जिला प्रतियोगिता की तिथि घोषित

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

धनबाद। धनबाद जिला तैराकी संघ द्वारा आज यूनियन क्लब के प्रांगण में एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष, संतोष सिंह ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी जिला स्तरीय जूनियर एवं सब-जूनियर तैराकी प्रतियोगिता के आयोजन से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय लेना था। इस बैठक में जिले के तैराकी जगत के विकास और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि जिला स्तरीय जूनियर एवं सब-जूनियर तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 13 जून और 14 जून 2025 को जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल, जगन्नाथ पुरम बरवाअड्डा में किया जाएगा।

यह दो दिवसीय प्रतियोगिता धनबाद के प्रतिष्ठित तैराकी परिसर में आयोजित की जाएगी, जहाँ जिले भर से चयनित प्रतिभावान तैराक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग के तैराक भाग लेंगे और अपनी तैराकी कौशल का प्रदर्शन कर एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करेंगे। इस प्रतियोगिता के माध्यम से युवा तैराकों को अपनी क्षमता को निखारने और अनुभव प्राप्त करने का एक सुनहरा

अवसर मिलेगा। इस प्रतियोगिता का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता के लिए प्रतिभावान तैराकों का चयन करना भी है। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चयनित तैराकों को राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका मिलेगा, जहाँ वे राज्य के अन्य प्रतिभाशाली तैराकों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे और अपने जिले का नाम रोशन कर सकेंगे। इसके लिए विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा चयन प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न कराया जाएगा। इस महत्वपूर्ण बैठक में धनबाद तैराकी संघ के सचिव कंचन सिंह, कोषाध्यक्ष कुणाल किशोर, सदस्य हिमांशु डोकानिया, आलोक अग्रवाल, डॉ.नीलम बाला, प्रविता धामा और कोच पप्पू सिंह समेत अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। इन सभी सदस्यों ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव दिए और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। प्रतियोगिता के आयोजन, तैराकों के चयन और अन्य व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया।

रजरप्पा टाइम्स के संपादक सहदेव प्रसाद लोहानी की धर्मपत्नी के निधन पर संवेदना जताने उनके रांची आवास पहुंचे सांसद मनीष जायसवाल

चित्रावती लोहानी एक सफल अधिकारी के साथ सफ़ल गृहिणी भी रही : मनीष जायसवाल

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग से प्रकाशित बहुत पुराना साप्ताहिक अखबार ÷रजरप्पा टाइम्स÷ के संपादक सह प्रखर वरिष्ठ पत्रकार सहदेव प्रसाद लोहनी की धर्मपत्नी चित्रावती लोहानी अब इस दुनिया में नहीं रहीं। बीते 14 मई की अहले सुबह रांची में ह्रदयगति रुकने से इनका आकस्मिक निधन हो गया। पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत खराब थी और रांची के ऑर्किड हॉस्पिटल में बेहतर इलाज के लिए उन्हें भर्ती कराया गया था। 69 वर्ष की आयु में इन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। अंतिम यात्रा उनके रांची स्थित निवास स्थान-फ्लैट न0 501 चित्रकूट,अपार्टमेंट नॉर्थ ऑफिस पाड़ा (अपोजिट लोरोटो कान्वेंट) डोरंडा, रांची से हरमू मुक्ति धाम के लिए निकली। छोटे पुत्र वेदांत लोहानी ने अपनी मां के पार्थिव शरीर को मुखाग्नि दिया।चित्रावती लोहानी के आकस्मिक निधन से मर्माहत हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने गहरी शोक संवेदना पूर्व में ही अपने सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों से जताई थी और रविवार को उनके रांची निवास पहुंचकर शोकाकुल परिवारजनों से मुलाकात कर उनका ढांढस बंधाया। सांसद मनीष जायसवाल के साथ मणिपुर के डीजीपी राजीव सिंह और अनूप अग्रवाल भी साथ थे। सांसद मनीष जायसवाल ने बताया कि चित्रावती लोहानी मेकॉन, रांची में 1980 में पदभार ग्रहण की और साल 2016 में मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी के पद से अवकाश प्राप्त की। ये अपने पीछे दो पुत्र सीमांत लोहानी उर्फ़ चीतु (व्यवसाई सह भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के परम मित्र), वेदांत लोहानी (सीनियर मैनेजर, बजाज फाइनेंस, पुणे), भतीजा प्रतीक लोहानी सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गई। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि चित्रावती लोहानी एक सफल अधिकारी के साथ सफल गृहिणी भी थी जिन्होंने अपने पति के पत्रकारिता को जीवंत रखने में सहयोग करने के साथ बच्चों को सफल और लायक बनाया। उन्होंने उनके दिवंगत आत्मा के लिए ईश्वर से कामना भी किया।सांसद मनीष जायसवाल से पहले इनके शोकाकुल परिवार से मिलने राज्य के पूर्व मंत्री सह आजसू प्रमुख सुदेश कुमार महतो, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी, उनकी मां देवकी देवी, हटिया से कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी अजयनाथ शाहदेव, राजधानी रांची के वरिष्ठ पत्रकार शंभूनाथ चौधरी, आलोक सिंह, हजारीबाग के वरिष्ठ पत्रकार उमेश प्रताप, अमरनाथ पाठक, जन जागरण केंद्र के सचिव संजय कुमार समेत कई सामाजिक, राजनीतिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक संगठन के अलावे अधिकारी और पत्रकार उनके आवास पहुंचकर गहरी शोक संवेदना जाता चुके हैं।

नावाडीह में हेमलाल हत्याकांड का पुलिस ने किया उद्भेदन, 4 गिरफ्तार

झाड़फूंक में पति की मौत का पत्नी ने बदलास्वरूप कराई हत्या

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

डुमरी। डुमरी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बोकारो जिले के नावाडीह के जंगलों में गोली मारकर युवक हेमलाल पंडित की हत्या के मामले का पुलिस ने उद्भेदन कर लिया। बोकारो एसपी मनोज स्वर्गियारी ने रविवार को प्रेस वार्ता कर हत्याकांड के उद्भेदन की जानकारी दी। महिला चंपा देवी द्वारा झाड़ फूंक के दौरान अपने पति की मौत के प्रतिशोध में यह हत्या करवाया गया था। जिसमें धनबाद के शूटर अपराधी का सहारा लिया गया। गिरफ्तार अपराधियों में महिला चंपा देवी स्वर्गीय खगेश्वर पंडित ग्राम चिरैया थाना विष्णुगढ़ जिला हजारीबाग, प्रकाश सिंह पिता स्वर्गीय प्रसाद सिंह केशवारी थाना सरिया जिला गिरिडीह, डोमन राम पिता स्वर्गीय लक्ष्मण राम 4 नंबर कॉलोनी जामाडोभा थाना जोरापोखर जिला धनबाद,विकास कुमार पिता अनिल सिंह पत्थर बंगला थाना बोरागढ़ जिला धनबाद के अभियुक्त शामिल हैं। अपराध में प्रयुक्त बरामदगी समान इस तरह से देसी पिस्टल सिक्सर एक देसी कट्टा एक , 9 एम एम राउंड 5 , 315 गोली तीन मोबाइल सेट 4 , स्कूटी एक बरामद की गई। इस हत्याकांड के उद्भेदन में प्रमुख रूप से शामिल पुलिस पदाधिकारी व पुलिस कर्मी बीएन सिंह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बेरमो तेनुघाट, नवल किशोर सिंह पुलिस निरीक्षक बेरमो अंचल, अमित कुमार सोनी थाना प्रभारी नावाडीह, मनीष कुमार थाना प्रभारी दुग्धा ,श्रीनिवास सिंह ओपी प्रभारी बोकारो झरिया, अजय कुमार सिंह थाना प्रभारी चंद्रपुरा, राजीव रंजन नावाडीह थाना, अमित कुमार राय पुलिस केंद्र बोकारो, धनंजय कुमार सिंह ओपी प्रभारी गांधीनगर, सुमन कुमारी थाना प्रभारी बेरमो महिला थाना, चंदन कुमार तकनीकी शाखा पुलिस कार्यालय बोकारो ,कामेश्वर महतो तकनीकी शाखा पुलिस कार्यालय बोकारो एवं सशस्त्र बल मुख्य रूप से शामिल रहे।

आजिविका समूह के मदद से तकनीकी खेती कर आत्मनिर्भर बन रही है कोनिका दीदी

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। जिला के महेशपुर प्रखण्ड अंतर्गत सीतारामपुर गांव की कोनिका कोड़ाइन ने सागेन साकाम आजीविका सखी मंडल से जुड़कर अपने सपनों को साकार कर रही है। कोनिका दीदी 2021 में सखी मंडल से जुड़ी और 10- 10 रुपए करके प्रत्येक सप्ताह बचत कर समूह में आगे बढ़ी। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी अंतर्गत संचालित जापान इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन एजेंसी (JICA) परियोजना से जुड़कर सूक्ष्म टपक सिंचाई यंत्र, बर्मी कंपोस्ट यूनिट और पॉली नर्सरी हाउस प्राप्त की। इनके आगे बढ़ने की ललक देखकर इन्हें रांची में सूक्ष्म टपक सिंचाई के माध्यम से प्रगतिशील किसानों के द्वारा किए जा रहे तकनीकी खेती का एक्सपोजर विजिट सह फील्ड प्रशिक्षण

प्राप्त करने का मौका मिला और वहां से मार्गदर्शन प्राप्त कर अपने 25 डिसमिल जमीन में कलश स्न1 किस्म का तरबूज और ष्ठश्चक्क 1506 किस्म का खीरा की खेती की जिसकी लागत अबतक 12000 रु हुआ है जिसमें से दीदी ने 8 क्विंटल खीरा 40 रु प्रति द्मद्द के दर से और तरबूज़ 9.5 क्विंटल 20 रु प्रति द्मद्द के दर से बेच कर कुल 51,000 रु की आमदनी कर चुकी है। अभी फसल के अंत तक और कुल 30,000 रूपए आमदनी होने की अनुमान लगाई जा रही है। कोनिका कोड़ाइन कहती है खेती को विस्तार करते हुए अब सूक्ष्म टपक सिंचाई से 50 डेसिमल प्लॉट में मिर्च की खेती करने की योजना बनाई है। कोनिका दीदी समूह से जुड़ने के पूर्व गृहणी थी। समूह में जुड़ने के बाद तकनीकी खेती कर अच्छी आमदनी कर रही है। साथ ही अपने परिवार का भरण पोषण भी कर रही है और अपने बच्चों को अच्छे स्कूलों में पढ़ाने की योजना बना रही है। अपने संवरते जीवन से दीदी काफ़ी खुश है दूसरे दीदियों को इस नए तकनीकी से खेती करने के लिए प्रेरित कर रही है।

जलजमाव से जूझते बरहरवा वासी, अंडरपास बना खतरे की घंटी

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता,साहेबगंज। बरहरवा प्रखंड के बरहरवा मालदा रेल मंडल अंतर्गत बरहरवा रेलवे स्टेशन के पूर्वी फाटक को बंद किए जाने के बाद लोगों के लिए एकमात्र रास्ता बचा है रेलवे अंडरपास लेकिन यह अंडर पास अब राहत नहीं बल्कि आफत का रास्ता बन गया है। हल्की सी बारिश भी यह जिंदगी को दस्तक दे देती है। शनिवार की बारिश ने भी फिर वही मंजर दोहराया अंडरपास में पानी भर गया 3 फीट से अधिक ऊंचे जल जमाव से लोगों की आवाजाही को पूरी तरह से रोक दिया। यह

गंदा और गहरा पानी अंडर पास को एक जल कुंड में तब्दील कर चुका है। बच्चे बुजुर्ग और महिलाएं सबके लिए यह रास्ता अब जोखिम से भरा है स्थानीय लोगों का कहना है कि रेलवे ने वैकल्पिक व्यवस्था करने की बात कही थी लेकिन हर बारिश के बाद हालत वही रहते हैं। स्कूल जाने वाले बच्चे, और सरकारी कार्य में जाने वाले, दवा लेने जाने वाले सबको इस रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है। मालदा रेल मंडल द्वारा कई बार दावे किए गए हैं जल जमाव से निपटने के लिए इंतजाम किए जा रहे हैं मगर अब तक नहीं हुई है। अंडरपास की पानी की निकासी के लिए पुल ऊंचा करने कि मांग अब तक अधूरी है। बरहरवा के लोग पूछ रहे हैं कि कब मिलेगी उन्हें एक सुरक्षित रास्ता। क्या रेलवे प्रशासन जागेगी और जागेगी तो कब, जब कोई बड़ी दुर्घटना होगी तब।

15 वें वित्त से ग्रामीणों को टैंकर के माध्यम से पीने का पानी कराया जा रहा है उपलब्ध

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। तपती धूप और भीषण गर्मी में गले का सुखना और देह से पसीना निकलता लाजमी है। गांवों में पेयजलापूर्ति की समस्या को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार लगातार मॉनिटरिंग कर जिले के पाकुड़ प्रखंड के संग्रामपुर ग्राम एवं अमड़ापाड़ा प्रखंड अंतर्गत डुमरचीर पंचायत के पुसरभीटा सहित अन्य ग्रामों में ग्रामीणों को टैंकर के माध्यम से जरूरतमंद को पीने का पानी उपलब्ध कराया गया है जिससे ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखी जा रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया।जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू ने बताया कि उपायुक्त के आदेशानुसार 15 वें वित्त आयोग योजना से जिला प्रखंड के सभी ग्राम पंचायतों में टैंकर उपलब्ध है। किसी भी पंचायत या ग्राम के ग्रामीणों को पेयजलापूर्ति के लिए ग्राम पंचायत के पंचायत सचिव या मुखिया से सम्पर्क करें, पेयजल उपलब्ध कराई जायगी।

जिले में 19 मई से होगा पशुओं का नि :शुल्क टीकाकरण

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। पशुओं में होनेवाले खुरहा रोग, मुंहपका रोग (FMD) एवं लंपी स्कीम डिजीज (LSD) से बचाव हेतु केंद्रीय योजना LH&DCP के तहत जिले में दिनांक 19 मई से निःशुल्क टीकाकरण अभियान पशुपालन विभाग के द्वारा चलाया जाएगा। जिसमें विभाग के अधिकृत टीकाकर्मी पशुपालकों के घर घर जाकर उनके गाय एवं भैंस जाति के पशुओं का निःशुल्क टीकाकरण करेंगे एवं इसकी प्रविष्टि ऑनलाइन पोर्टल पर की जाएगी।

जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ0 अनिल कुमार सिन्हा ने जिले के पशुपालकों से अपील किया है कि अपने पशुओं का टीकाकरण अवश्य कराएं एवं टीकाकर्मियों को पशुओं से संबंधित सही जानकारी दें।

लावालौंग के कटिया गांव में दर्जनों लोग चूआं के दूषित पानी पीने को मजबूर

शुद्ध पेयजल को लेकर दर-दर भटक रहे हैं लोग

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

लावालौंग (चतरा)। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत कटिया गांव में पानी को लेकर हाहाकार मचा हुआ है।पानी के लिए दर-दर भटक रहे हैं लोग।एक तरफ भारत में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है वहीं दूसरी ओर प्रखंड क्षेत्र के कटिया गांव के नदी के चूआ से अपने प्यास बुझाने को बेवस है।यहां के ग्रामीण। इस भीषण गर्मी में बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। गांव के लोग चूआ का दूषित पानी पीने से लेकर खाना बनाने व बर्तन धोने का काम करते हैं।गांव का ही परमेश्वर भुइयां,अमित भुइयां,जगनी देवी, बसंती देवी ने बताया की पीने के अलावा नहाने धोने के लिए महिलाओं को काफी

परेशानी होती है। लगभग एक किलोमीटर की दूरी तय कर नदी जाना पड़ता है।इस गांव के लोग सालों से पानी की समस्या से जूझ रहे हैं।कटिया गांव के हरिजन टोला में दर्जनों लोगों का एक मात्र बुची चुवा का पानी ही सहारा बना हुआ है लोग इस भीषण गर्मी में इसी चुवा से एक किलो मीटर दूरी तय कर चुएं के पानी को छान कर लाते हैं और अपनी प्यास बुझा रहे हैं।वही ग्रामीणों ने बताया कि गांव में चापकल तो लगा हुआ था जिससे पानी उपलब्ध कुछ हद तक हो रहा था लेकिन उसमें ही नल जल योजना के तहत मोटर लगा दिया गया है जिससे अब न जलमीनार से पानी उपलब्ध हो पा रहा है और न चपाकल से।जल स्तर काफी नीचे चला गया है यहां।जिससे गांव में लगा जालमीनार और चापाकल सब बेकार पड़ा है।ग्रामीण कहते हैं कि हमलोगों की ज्यादा पहुंच नहीं होने के कारण कोई भी आधिकारी एवं जनप्रतिनिधि ध्यान नहीं देते हैं। गांव की ही मीना देवी,अनीता देवी, बोधा भुइयां ने नाराजगी जाहिर करते हुए बताया कि जल मीनार लगने के बाद आज तक हम लोगों को एक बूंद भी पानी नसीब नहीं हुआ है। हम लोग पीने के पानी के साथ घरेलू उपयोग में भी चूएं का दूषित पानी का ही उपयोग करते हैं। वहीं कुछ लोग अपने वैकल्पिक स्रोतों से भी पानी का व्यवस्था कर रहे हैं।

स्थिति यह है कि धूप में जलस्तर नीचे चला जा रहा है जिसके कारण नदी और कुएं भी सूखने के कगार पर है।विभागीय अधिकारी शिकायत के बाद भी लापरवाह बने हुए हैं, पूरे प्रखंड में सैकड़ो जल मीनार बदहाली के आंसू रो रहे हैं। वही ग्रामीणों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी से कटिया हरिजन टोला में चापाकल और जल मीनार बनवाकर पेयजल उपलब्ध करवाने की अपील की है। इस संबंध में कटिया पंचायत के मुखिया से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि ग्रामीणों के माध्यम से हमें कोई सूचना प्राप्त नहीं हुआ था। आप लोगों के माध्यम से हमें सूचना प्राप्त हुई है जिसके बाद हमने पीएचडी विभाग को सूचना कर दिया है और जल्द से जल्द पेयजल उपलब्ध कराने की अपील की है। वही पीएचडी विभाग के एसडीओ से बात करने पर उन्होंने बताया कि नल जल योजना का फंड अभी उपलब्ध नहीं है जैसे ही फंड उपलब्ध होता है तुरंत जल मीनार को दुरुस्त किया जाएगा। इधर ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से और जनप्रतिधियों से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का अपील किया है।

विश्व हिंदू परिषद रामगढ़ जिला की बैठक हुई संपन्न,आगामी कार्यक्रमों को लेकर हुई चर्चा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

रामगढ़। विश्व हिंदू परिषद रामगढ़ जिला की जिला बैठक आगामी कार्यक्रमों कि निमित्त रविवार को विश्व हिन्दू परिषद जिला कार्यालय में संपन्न हुई।जिला बैठक में मुख्य रूप से विश्व के प्रांत सह मंत्री मनोज पोद्दार जी और प्रांत प्रचार प्रसार प्रमुख सह रामगढ़ जिला पालक प्रकाश रंजन जी उपस्थित रहे। बैठक का शुभारंभ ऊं के उच्चारण तथा विजय महामंत्र के साथ किया गया।बैठक में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, दुर्गा वाहिनी और मातृशक्ति की के द्वारा किये गये कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई,साथी ही विश्व हिंदू परिषद्, बजरंग दल, दुर्गा वाहिनी और मातृशक्ति का इस वर्ष लगने वाले प्रशिक्षण शिविर में जाने वाले संख्या की जानकारी ली गई,साथ ही संगठन विस्तार पर करने का निर्देश दिया गया। संगठन के द्वारा चलाये जा रहे गतिविधियों को अधिक से अधिक स्थानों पर करने का निर्देश दिया गया। प्रांत सह संयोजिका दुर्गा वाहिनी कृति गौरव जी, विहिप जिला सह मंत्री तरुण वर्मा जी,जिला कोषाध्यक्ष अभय वर्मा जी,जिला संयोजक बजरंग दल भागीरथ पोद्दार जी,जिला मिलन केंद्र प्रमुख महेंद्र ठाकुर जी,जिला प्रचार प्रसार प्रमुख दानिश पटेल जी,जिला सत्संग प्रमुख संतोष सिंह जी,विहिप प्रखंड उपाध्यक्ष अमर कुशवाहा जी सहित अन्य मौजूद थे।

चोकाद पंचायत के चौपादारु में मंडा पूजा पारंपरिक रूप के साथ धूमधाम से मनाया गया

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

गोला। प्रखंड के चोकाद पंचायत स्थित चौपादारु गांव में मंडा पूजा पारंपरिक रूप के साथ धूमधाम से मनाया गया।मंडा को लेकर भोक्ताओं ने स्थानीय तालाब में स्नान कर नया वस्त्र धारण किया भोक्ता दहकते अंगारों पर नंगे पांव चलकर देते हैं। रात्रि पारंपरिक छउ नृत्य का आयोजन किया गया. इसमें छउ नृत्य के कलाकारों ने धार्मिक कथाओं पर नाटक का मंचन कर लोगों को मंत्रमुग्ध किया।कार्यक्रम का विधिवत उदघाटन मुख्य अतिथि आदिवासी महासभा रामगढ़ जिला सचिव दिलिप सिंह घटवार ने फीता काटकर किया। इससे पूर्व अतिथियों का आयोजन समिति के सदस्यों ने बुके देकर स्वागत किया।मौके पर उन्होंने कहा कि मंडा पर्व हमारे राज्य के लोगों के लिए आस्था का एक महत्वपूर्ण पर्व है। कहा कि इस पर्व को भगवान शिव व माता पार्वती की पूजा अर्चना के लिए मनाया जाता है।मौके पर सहदेव सिंह घटवार रमेश महतो जयकिशन सिंह राजू सिंह रंजीत सिंह घटवार भदरू सिंह नकूल सिंह मोहरलाल महतो सुगन महतो अशोक सिंह राजन महतो कमलेश सिंह सुजित सिंह कोलेशवर महतो लोकेश महतो एवं सभी ग्रामीण उपस्थित थे।

ओसेल ट्रांसपोर्ट के हाइवा ने एक युवक को कुचला, बुरी तरह घायल

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

केरेडारी। टंडवा से केरेडारी मुख्य पथ, डमहा बागी के पास सुबह सुबह एक बड़ी घटना घटी ,जिसमे एक हाइवा ने एक मोटरसाइकिल सवार को रौंद डाला और मोटरसाइकिल सवार की एक पैर पूरी तरह से पैर कट गया ।भुक्तभोगी की वीडियो वायरल हुआ जिससे देखने के बाद प्रतीत होता है हाइवा चालक दरिंदगी का परिचय दिया केडी माइंस और सीबी माइंस से कोयला ढुलाई में लगी हाइवा बताया जा रहा है। हाइवा चालकों की यातायात के बिना नियमों के ज्ञान के अंधा धुंध ट्रिप की लालसा में एसी घटना का अंजाम दिया जा रहा है।ग्रामीणों ने बड़कागांव एनटीपीसी में स्पीड जीपीएस लगाए जाने से घटना में कमी आई है। उसी तर्ज पर टंडवा केरेडारी सड़को पर ट्रांसपोर्टिंग में चल रहे कोल वाहनों पर हो रही घटना पर विराम लगाना चाहिए।

साइबर क्राइम एवं सड़क सुरक्षा की दी गई जानकारी

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

प्रतापपुर(चतरा)। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार चतरा के सचिव तारकेश्वर दास के निर्देश पर शनिवार को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय प्रतापपुर में लिगल लिट्रेसी क्लास सह विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। अधिकार मित्र (पीएलवी) गोविंद ठाकुर, नरेश प्रजापति एवं संदीप कुमार गुप्ता के द्वारा संयुक्त रूप से छात्राओं को नालसा (मानव तस्करी एवं वाणिज्य यौन शोषण से पीड़ितों के लिए विधिक सेवाएं) योजना 2015, साइबर क्राइम एवं सड़क सुरक्षा से संबंधित जानकारी दी गई। अधिकार मित्र ने बताया कि दुर्घटना के पश्चात सड़क जाम करना या तोड़ फोड़ करना असंवैधानिक है। दुर्घटना से हुई क्षतिपूर्ति के लिए दावा वाद किया जा सकता है। मौके पर विद्यालय के सुषमा कुमारी सहित दर्जनों छात्राएं उपस्थित थे।

पूर्व मंत्री योगेंद्र साव वरिष्ठ कांग्रेसी देवनारायण साव के पुत्री के शादी समारोह शामिल हुए

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

बड़कागांव। पूर्व मंत्री योगेंद्र साव रविवार को वरिष्ठ कांग्रेसी कार्यकर्ता देवनारायण साव के पुत्री शादी समारोह में शरीक हुए और आशीर्वाद दियें। मौके पर तलसवार पंचायत के मुखिया गीता देवी, मुखिया प्रतिनिधि संजय महतो,नरेश साव,मोहन साव के अलावे दर्जनों कार्यकर्ता व सैकड़ों लोग शामिल थे।

रेजांगला मिट्टी रज कलश रथ यात्रा का चौपारण में हुआ भव्य स्वागत

वीर अहीर सैनिकों की शौर्यगाथा से गूंजा माहौल देशभक्ति से ओतप्रोत नारों से वातावरण गूंज उठा

अहीर रेजिमेंट की मांग पूरी होने तक चलता रहेगा आंदोलन : पीताम्बर दास

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

चौपारण(हजारीबाग)। अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के द्वारा देशभर में वीर शहीदों की स्मृति में निकाली जा रही रेजांगला रज कलश यात्रा रथ का भव्य स्वागत यदुवंशी समाज चौपारण के नेतृत्व मे चतरा मोड़ पर अंगवस्त्र और माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर देशभक्ति से ओतप्रोत नारों से वातावरण गूंज उठा। प्रदेश अध्यक्ष पीताम्बर दास ने बताया यह ऐतिहासिक यात्रा देश के विभिन्न राज्यों से होते हुए 18 नवंबर 2025 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहुंचेगी. यात्रा का उद्देश्य रेजांगला के वीर अहीर सैनिकों की शौर्यगाथा को जन-जन तक पहुंचाना है। बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि रेजांगला युद्ध विश्व की उन चुनिंदा लड़ाइयों में से है, जिसकी वीरता आज भी मिसाल बनकर नई पीढ़ी को प्रेरणा दे रही है. 18 नवंबर 1962 को भारत-चीन युद्ध के दौरान पूर्वी लद्दाख स्थित रेजांगला की चौकी पर 13 कुमाऊं बटालियन की चार्ली कंपनी तैनात थी, जिसमें सभी 120 जवान अहीर समुदाय से थे. जब तकरीबन 5000 चीनी सैनिकों ने उस चौकी पर हमला किया, तब इन वीर जवानों ने चौकी खाली करने से इंकार कर दादा किशन की सौगंध ली और दुश्मन से लोहा लिया. इस ऐतिहासिक युद्ध में 114 अहीर जवानों ने मातृभूमि की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान दिया और करीब 3000 चीनी सैनिकों को मार गिराया. उनकी शौर्यगाथा इतनी अद्भुत थी कि शेष बचे चीनी सैनिकों ने भारतीय वीरों को सैल्यूट कर लौटने में ही भलाई समझी। पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने कहा कि इन वीरों की शहादत के कारण ही आज लद्दाख का चुशूल हवाई अड्डा और लेह घाटी भारत के नक्शे में सुरक्षित हैं. उन्होंने कहा कि रेजांगला की धरती आज भी इन बलिदानों की गाथा गाती है।यात्रा में कलश यात्रा के,राष्ट्रीय सह संयोजक किरण कुमार यादव, कार्यक्रम प्रभारी अनिता यादव ,प्रदेश अध्यक्ष पीताम्बर दास, बरही विधायक मनोज कुमार यादव, पुर्व विधायक उमाशंकर अकेला,राजदेव यादव, भुनेश्वर यादव,विकास कुमार यादव,रामसेवक यादव, जानकी यादव, नवीन यादव, मंटू यादव, प्रदीप यादव,राजकुमार यादव, नामधारी यादव,द्वारिका यादव, यदुनंदन यादव,मनोज कुमार यादव, दिनेश यादव, उदय यादव, संजय यादव, नागेश्वर यादव,रूपेश यादव,ब्रह्मदेव यादव,मनोज यादव,कपिलदेव यादव, उमेश यादव, मधु यादव,राजेश रंजन यादव, पप्पू यादव,शिवकुमार यादव, रामेश्वर यादव,राजेश यादव, विजय कुमार यादव, बिजेंद्र यादव, पप्पू यादव, नकुल यादव,सोनू गोप, अजय यादव,रामदेव यादव,रणजीत यादव, संजय यादव,गोपाल यादव, रविंद्र यादव,जग्गू यादव सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

कोयलांचल के बुण्डु व पताल पंचायत के ग्रामीणों द्वारा कोल ब्लॉक कम्पनी का किया गया विरोध

बुंडू में एसएम स्टील पावर कंपनी के खिलाफ फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

पिपरवार(चतरा)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के सीमावर्ती बुंडू और पाताल पंचायत के ग्रामीणों ने रविवार को एकजुट होकर कोकरिया टांड़ मैदान से एसएम स्टील पावर कंपनी के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया। हज़ारों की संख्या में जुटे महिला-पुरुषों ने स्पष्ट शब्दों में एलान किया कि जान देंगे, लेकिन पुश्तैनी ज़मीन नहीं देंगे।इसके विरोध में बैठक का आयोजन किया गया।इस बैठक की अध्यक्षता चिंतामन गंझू और संचालन पंचायत समिति सदस्य रंजीत तुरी ने किया।बैठक मे ग्रामीणों ने कहा कि कंपनी के आगमन से जल, जंगल, जमीन, घर-द्वार और प्राकृतिक संसाधनों का विनाश होगा और गांव की अस्मिता ही खत्म हो जाएगी।ग्रामीणों ने दो टूक कहा कि कंपनी के किसी भी प्रतिनिधि को न रैयती, न गैरमजरुआ और न ही वनभूमि पर कदम रखने दिया जाएगा। प्रस्तावित कोल ब्लॉक क्षेत्र में किसी भी तरह के सर्वेक्षण कार्य को बलपूर्वक रोका जाएगा।बैठक में जुटे लोगों ने चेतावनी दी कि यदि ज़रूरत पड़ी तो आंदोलन को जनांदोलन का रूप दिया जाएगा।ग्रामीणों का कहना है कि यह सिर्फ भूमि का मुद्दा नहीं आस्तित्व की लड़ाई है।बैठक में बुंडू पंचायत मुखिया तुलसी तुरी, पाताल पंचायत मुखिया नेहा लकड़ा,पिपरवार सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मण मंडल, दर्शन गंझू,पूर्व पंचायत समिति सदस्य मोहन महतो, जितेंद्र साहू,मदन साव,राजू तुरी,विश्वनाथ गंझू,भोला ठाकुर,विकास महतो,ईशाक एक्का,सोमा मुंडा,कुलदीप महतो,झरी गंझू समेत कई स्थानीय नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं की सक्रिय उपस्थिति रही।ग्रामीणों ने प्रशासन और सरकार को चेतावनी दी है कि यदि उनकी आवाज़ को अनसुना किया गया, तो वे धरना-प्रदर्शन, घेराव और सड़क जाम जैसे आंदोलनों का सहारा लेंगे।ग्रामीणों का नारा था जंगल हमारा, जमीन हमारी,नहीं किसी की ज़बर्दस्ती चलने नहीं देंगें।

गोला रेलवे साइडिंग का निरीक्षण करने अनुमंडल पदाधिकारी के साथ पहुंची विधायक ममता देवी

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

गोला। स्थानीय विधायक ममता देवी व अनुमंडल पदाधिकारी शनिवार को गोला रेलवे साइडिंग का निरीक्षण करने पहुंचे। गोला रेलवे साइडिंग में वर्षों से अवैध रूप से भंडारित कोयले में लगी आग से क्षेत्र में फैला घना धुआं और जहरीला प्रदूषण अब स्थानीय निवासियों के लिए गंभीर स्वास्थ्य संकट बन चुका है। पास ही के विद्यालय में पढ़ रहे बच्चों पर भी जहरीले धुएं का गहरा असर देखा जा रहा है। ग्रामीणों ने सांस लेने में तकलीफ, आंखों में जलन, बच्चों की तबीयत बिगड़ने जैसी समस्याओं समस्याएं विधायक के समक्ष रखीं। इसके अलावे किसानों ने भी अपनी समस्याओं से विधायक और अनुमंडल पदाधिकारी को अवगत कराया। जिसमें बताया गया कि कोयला भंडार डिपो क्षेत्र के आस पास किसानों की फसलों पर इसका बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा हैं। आस पास के पेड़ पौधे कुछ सुख गए हैं कुछ सूखने के कगार पर हैं। बताया गया कि इतने के बावजूद भी जल रहे कोयले के ऊपर दर्जनों हाइवा से कोयला डंप किया जा रहा हैं। विधायक ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मिलकर मामले से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया है। ममता देवी ने कहा कि हमने राज्य प्रशासन से अपील की हैं कि इस गम्भीर मुद्दे की समुचित जांच हो और क्षेत्रवासियों को राहत प्रदान की जाए।

औरंगाबाद में तेज आंधी से घर पर गिरा पेड़ःहादसे में एक महिला की मौत

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद में आंधी-तूफान से काफी नुकसान हुआ है। नवीनगर ब्लॉक के कर्मा फतेहपुर गांव में तेज आंधी के कारण शीशम का पेड़ टूटकर करकटनुमा घर पर गिर गया। घर के अंदर सो रही महिला पेड़ के नीचे दब गई। आनन-फानन में पेड़ हटाकर परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

एक सप्ताह पहले बेटे की शादी हुई थी : मृतका की पहचान जनक देवी(69) के तौर पर हुई है। परिजनों ने बताया कि महिला के पति की पहले ही मौत हो चुकी है। चार बेटे और एक बेटी है। एक सप्ताह पहले ही बेटे अखिलेश की शादी हुई थी। घर में खुशियों का माहौल था। मौत के बाद घरवालों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पीड़ित परिवार से सांसद ने की मुलाकात : हादसे की जानकारी मिलने के बाद कारकट सांसद राजाराम सिंह मृतका के घर पहुंचे। परिजनों से मुलाकात कर ढांढस बंधाया। सरकारी प्रावधान के तहत मिलने वाली मुआवजा राशि दिलाने का आश्वासन दिया है।

परिजनों को सौंपा शव : थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार उपाध्याय ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है। । पेड़ गिरने से दुकान ध्वस्त वहीं, मदनपुर प्रखंड के जोगड़ी गांव में बरगद का पेड़ गुमटी पर गिर गया। हादसे में नर्मदेश्वर प्रसाद सिन्हा घायल हो गए। इसके अलावा बेरी कलाली में पेड़ गिरने से एक दुकान ध्वस्त हो गया।

बरही पहुँचा रेजांगला मिट्टी रज कलश रथ यात्रा, वीर अहीर सैनिकों की शौर्यगाथा से गूंजा माहौल

देशभक्ति से ओतप्रोत नारों से गूंज उठा बरही, विधायक के अगुवाई में हुआ भव्य स्वागत

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

बरही। अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के द्वारा देशभर में वीर शहीदों की स्मृति में निकाली जा रही रेजांगला रज कलश यात्रा रथ का भव्य स्वागत बरही विधायक मनोज कुमार यादव के नेतृत्व मे यादव धर्मशाला बरही में अंगवस्त्र और माला पहनाकर किया गया। इस अवसर पर देशभक्ति से ओतप्रोत नारों से वातावरण गूंज उठा। प्रदेश अध्यक्ष पीताम्बर दास ने बताया यह ऐतिहासिक यात्रा देश के विभिन्न राज्यों से होते हुए 18 नवंबर 2025 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहुंचेगी।

यात्रा का उद्देश्य रेजांगला के वीर अहीर सैनिकों की शौर्यगाथा को जन-जन तक पहुंचाना है। बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि रेजांगला युद्ध विश्व की उन चुनिंदा लड़ाइयों में से है, जिसकी वीरता आज भी मिसाल बनकर नई पीढ़ी को प्रेरणा दे रही है। 18 नवंबर 1962 को भारत-चीन युद्ध के दौरान पूर्वी लद्दाख स्थित रेजांगला की चौकी पर 13 कुमाऊं बटालियन की चार्ली कंपनी तैनात थी, जिसमें 120 जवान अहीर समुदाय से थे। इस ऐतिहासिक युद्ध में 114 अहीर जवानों ने मातृभूमि की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान दिया और करीब 3000 चीनी सैनिकों को मार गिराया।

मंच संचालन मनोहर यादव नर किया। यात्रा में कलश यात्रा के,राष्ट्रीय सह संयोजक किरण कुमार यादव, कार्यक्रम प्रभारी अनिता यादव ,प्रदेश अध्यक्ष पीताम्बर दास, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष मीरा राय, अनिता सिंह यादव, बलवंत यादव, जीप उपाध्यक्ष किसुन यादव, मुखिया संघ अध्यक्ष विजय यादव, मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र गोप, राजन यादव, सकलदेव यादव, परमेश्वर यादव, अशोक यादव, युगल यादव, कृष्णा यादव, मुन्ना यादव, बिनोद यादव, सुधीर यादव, ब्रह्मदेव यादव, समिति सदस्य अशोक यादव, शिक्षक प्रकाश यादव, रविकांत ओम, डॉ सुनील यादव, विश्वा यादव, सचिन यादव, चंदन यादव, सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

वज्रपात या किसी भी आपदा में मौत पर एक हफ्ते में मुआवज़ा: डॉ. इरफान अंसारी

- पीड़ित परिवार को मंत्री ने चार लाख का मुआवजा प्रदान किया
- मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं होता : मंत्री

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर झारखंड सरकार के मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने बड़ा और सराहनीय फैसला लेते हुए घोषणा की है कि राज्य के किसी भी कोने में वज्रपात या किसी भी प्रकार की आपदा में अगर किसी की मृत्यु होती है, तो पीड़ित परिवार को एक सप्ताह के भीतर मुआवजा राशि उपलब्ध कराई जाएगी। वज्रपात की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में एक मासूम जामताड़ा के बोधबांध के 25 वार्षिय बाबुजन सोरेन की असामयिक मृत्यु ने पूरे क्षेत्र को शोकाकुल कर दिया। इस कठिन घड़ी में झारखंड सरकार के मंत्री डॉ. इरफान अंसारी स्वयं पीड़ित परिवार के पास पहुँचे और अपने संवेदनशील एवं मानवतावादी दृष्टिकोण का परिचय देते हुए ऐसे कार्य किए, जो वर्षों तक लोगों के दिलों में बस जाएंगे। डॉ. अंसारी ने पीड़ित परिवार को आपदा विभाग की ओर से चार लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की, जो एक सप्ताह के भीतर पीड़ित परिवार के खाते में हस्तांतरित कर दी जाएगी। कुछ तकनीकी त्रुटियों के कारण मामूली विलंब हुआ, किंतु मंत्री जी ने स्पष्ट रूप से भरोसा दिलाया कि सहायता समयबद्ध रूप से पहुंचेगी। उन्होंने दिवंगत बच्चे के दो छोटे भाइयों को गोद लेने की घोषणा की और कहा कि वे दोनों बच्चों को रांची में अपने आवास पर रखकर पढ़ाई-लिखाई कराएंगे और उन्हें एक उज्ज्वल भविष्य देंगे। उन्होंने कहा, ÷गरीबों के आंसुओं में बहुत ताकत होती है। मैं उन्हीं आंसुओं की हिफाज़त कर रहा हूं। मुझसे गरीबों का दुख नहीं देखा जाता।÷ इस भावुक क्षण में मंत्री ने दोनों बच्चों को गले से लगा लिया, और पूरे गाँव की आंखें नम हो गईं। गांववासियों ने एक स्वर में कहा, ÷अब जब मंत्री जी आ गए हैं, तो हमें पूरा भरोसा है कि पीड़ित परिवार को न्याय और पूरी मदद मिलेगी।÷ डॉ. अंसारी ने यह भी कहा कि दुख की घड़ी में प्रेम, करुणा और सहानुभूति किसी भी धार्मिक पहचान से कहीं बड़ी होती है। उन्होंने कहा, ÷भाजपा जहां लोगों की भावनाओं से राजनीति करती है, मैं दिन-रात बिना किसी भेदभाव के जनता की सेवा में समर्पित हूं।÷ इस अवसर पर मंत्री जी भावुक दिखे और उन्होंने यह संदेश दिया कि ÷मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है।÷ एक बार फिर, डॉ. इरफान अंसारी ने यह साबित किया कि वे न केवल एक नेता हैं, बल्कि एक सच्चे जनसेवक और संवेदनशील इंसान भी हैं, जो हर परिस्थिति में अपने लोगों के साथ खड़े रहते हैं।

संक्षिप्त समाचार

शराब पीने पर टोका तो भाई बना हत्यारा, सोते वक्त किए ताबड़तोड़ वार

सरधना, एजेंसी। छोटे भाई के शराब पीने पर बड़े ने डांट फटकार लगा दी। उसी से क्षुब्ध होकर छोटे भाई ने बुजुर्ग को सोते हुए डंडे से मारकर अधमरा कर दिया।

घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पांच दिनों तक चले उपचार के बाद बुजुर्ग ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने जानलेवा हमले को हत्या में तरमीम कर आरोपित छोटे भाई की तलाश शुरू कर दी।

थाने के मढियाई निवासी 60 वर्षीय टीटू पुत्र नूर मोहम्मद मजदूरी करता था। 11 मई को इरफान खां के घेर में टीटू सो रहा था। उसके छोटे भाई शाहनवाज उर्फ काला ने टीटू पर डंडे से हमला कर दिया।

अधमरा करने के बाद शाहनवाज वहां से भाग गया। दूसरे भाई अली मोहम्मद ने टीटू की गंभीर हालत को देखकर शोर मचा दिया। उसके बाद स्वजन टीटू को उठाकर सीएचसी ले गए, जहां से डाक्टरों ने मेरठ के लिए रेफर कर दिया। यहां पर मेडिकल कालेज में टीटू का उपचार चल रहा था। शुक्रवार को तबीयत बिगड़ने पर टीटू की मौत हो गई। परिवार के लोगों ने देर शाम शव को सिपुर्द-ए-खाक कर दिया। इंस्पेक्टर प्रताप सिंह ने बताया कि शाहनवाज उर्फ काला शराब पीने का आदी है। बड़ा भाई टीटू उसे शराब पीने से रोकता था। इसी को लेकर दोनों भाइयों के विवाद रहता था।

मेरठ में प्रॉपर्टी डीलर ने किया सुसाइड, बनाया चार मिनट का वीडियो

मेरठ, एजेंसी। अब्दुल्लापुर में गुरुवार देर रात संपत्ति विवाद से परेशान होकर 30 वर्षीय प्रापर्टी डीलर ने तमंचे से सिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। जान देने से पहले उसने अपने मोबाइल पर 4:21 मिनट का वीडियो बनाया था। इसमें अपने तीन भाइयों और एक भाई के साले पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए कि उसकी मौत के लिए यही चारों जिम्मेदार हैं।

इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित वीडियो में प्रापर्टी डीलर आसिम बता रहा है कि उसके तीन भाइयों आमिर अब्बास, समद, बबलू और आमिर का साला राहिब पिछले छह महीने से उसे परेशान कर रहे हैं। यह पुलिस से मिलीभगत कर उस पर झूठे मुकदमे दर्ज करा रहे हैं... वह पांच बार उसे थाने ले जाकर पिटवा चुके हैं।

चारों ने उसके प्लाटों पर भी कब्जा कर रखा है। मकान भी कब्जाना चाहते हैं। चारों ने उस पर जानलेवा हमला करने का मुकदमा दर्ज करा दिया था, जबकि एक मई को इन लोगों ने उसके ऊपर हमला कराया था। हमलावरों ने उसकी कार में भी तोड़फोड़ की थी। पांच मई को चारों ने उसके घर आकर मारपीट की। इसके बाद उसे थाने ले गए। दो-तीन दिन तक उसकी जमानत नहीं होने दी।

इसी बीच उसका खेत और एक प्लाट पर कब्जा कर लिया। थाने से छूटने के बाद जब वह घर आया तो देर रात करीब 12 बजे आमिर वहां आया और सामान तोड़ने लगा। विरोध पर उसकी पत्नी दिलकशी की पिटाई भी की। आमिर की ससुराल अब्दुल्लापुर में ही है। उसकी ससुराल के लोग भी उसके साथ मारपीट करते है।

प्राइमरी स्कूल के लिए निकली दो मासूम बच्चियां लापता

वाराणसी, एजेंसी। रूपापुर गांव से शुक्रवार को दो बच्चियां रहस्मय ढंग से गायब हो गईं। दोनों बच्चियां ननिहाल में रह रही थीं और घर से स्कूल जाने के लिए निकली थीं। मामा अशोक सेठ ने घटना के बाबत थाने में केस दर्ज कराया है।

जौनपुर जिले के नेवढ़िया गांव निवासी अशोक सेठ अपनी मां दुर्गावती देवी संग रूपापुर में किराए के मकान में रहती हैं। रूपापुर निवासी मनमोहन की पुत्री और भदोही जिले के गेगराव (महाराजगंज) निवासी संतोष सेठ की पुत्री बच्चियां अपनी नानी दुर्गावती व मामा अशोक के साथ रहकर रूपापुर चौराहा स्थित प्राथमिक विद्यालय में क्रमशः कक्षा तीन व कक्षा दो में पढ़ती हैं।

शुक्रवार की सुबह दोनों बच्चियां बैग लेकर स्कूल के लिए निकली और स्कूल तक पहुंचने के बाद अंदर प्रवेश न कर रहस्यमयढंग से गायब हो गयी।तमन्ना की मां सुनीता को साथ लेकर मां दुर्गावती दवा लेने के लिए चली गयी थी।दवा लेकर सांयकाल वापस घर लौटी तो दोनों बच्चियां को न देख सन्न रह गयी।

कानपुर चिड़ियाघर पर मंडराया बर्ड फ्लू फैलने का खतरा, शेर के बाद मोर की मौत, घोषित किया गया रेड जोन एरिया

कानपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान भोपाल से आई शेर व मृत मोर की रिपोर्ट में बर्ड फ्लू निकला है। रिपोर्ट आने के बाद चिड़ियाघर में सतर्कता बढ़ा दी गई है। एक किलोमीटर के दायरे को रेड जोन घोषित कर दिया गया है। यहां अन्य वन्यजीवों पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है।

शनिवार के लखनऊ से आई पशुपालन विभाग की टीम ने चिड़ियाघर का निरीक्षण किया। जांच के बाद रिपोर्ट तैयार कर शासन को सौंपी जाएगी। चिड़ियाघर में पोल्ट्री उत्पाद पर पहले ही रोक लगाई जा चुकी है। किसी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है।

गोरखपुर चिड़ियाघर से इलाज के लिए शहर के चिड़ियाघर लाया गया था। भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान यानी आइवीआरआइ बरेली से आई जांच रिपोर्ट में इसमें बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई थी। शेर की मौत से पहले खून के नमूने तथा मौत के बाद नाक, कान गले व लीवर के नमूने जांच के लिए राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान भोपाल भेजे गए थे।

चिड़ियाघर परिसर में गुरुवार को मृत पाए गए मोर के नमूने भी जांच के लिए भेजे गए थे। भोपाल से आई दोनों रिपोर्टों में एच 5 एन 1 वायरस की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट आने के बाद अन्य वन्यजीवों पर नजर रखी जा रही है। विशेष रूप से पक्षियों पर ध्यान दिया जा रहा है। पशुपालन विभाग के अपर निदेशक ग्रेड

वन डा. राजेंद्र प्रसाद, संयुक्त निदेशक डा. राजेश्वर सिंह, डा. विवेकानंद गंगवार, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी आइडीएन चतुर्वेदी ने शनिवार को चिड़ियाघर का निरीक्षण किया। उन्होंने पशु व पक्षियों के बाडों की जांच की। चिड़ियाघर के अधिकारियों से जानकारी की।

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने बताया कि चिड़ियाघर परिसर को सैनिटाइज कराया जा रहा है। जिस स्थान पर मोर व शेर की मृत्यु हुई थी, वहां से एक किलोमीटर के दायरे को रेड जोन घोषित किया गया है। बर्ड फ्लू की गाइड लाइन का पालन कराया जा रहा है।

वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर चिड़ियाघर को छह जोन में बांटा गया है। हर जोन में सैनिटाइज मशीनों से दवा का छिड़काव किया जा रहा है। सैनिटाइज के लिए बड़ी मशीन भी खरीदी गई है। चिड़ियाघर की निदेशक श्रद्धा यादव ने बताया कि राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान भोपाल से आई रिपोर्ट में शेर व परिसर में मृत पाए गए मोर में बर्ड फ्लू संक्रमण पाया गया है। चिड़ियाघर आस-पास एक किलोमीटर का क्षेत्र रेड जोन घोषित कर दिया गया है।वन्यजीवों की खान-पान की रिपोर्ट नियमित रूप से ली जा रही है। वर्तमान समय में वन्यजीव स्वस्थ हैं।

चिकित्सकों व कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वन्यजीवों के व्यवहार में परिवर्तन दिखाई देने, मृत पक्षी पाए जाने पर तुरंत सूचित करें। मृत पक्षी पाए जाने पर उसके नमूने लेकर जांच के लिए भेजे जाएंगे। नोडल अधिकारी से चिड़ियाघर के आस-पास मांस की दुकानों को बंद कराने का अनुरोध किया गया है। सैनिटाइज के लिए नगर निगम को भी पत्र भेजा गया है।

प्रशासन ने बर्ड फ्लू को देखते हुए टीमें गठित कर जांच शुरू कर दी है। पोल्ट्री फार्मों व दुकानों पर दो दिन में 90 पक्षियों के नमूने लेकर जांच के लिए आइवीआरआइ बरेली भेज जा रहे हैं। प्रशासन की ओर से गठित टीम रविवार को चिड़ियाघर में वन्यजीवों के नमूने लेगी। बर्ड फ्लू के लिए बनाई गई टीम के नोडल अधिकारी मुख्य पशु चिकित्साधिकारी आइडीएन चतुर्वेदी ने बताया कि 70 डिग्री तापमान पर बर्ड फ्लू का वायरस नष्ट हो जाता है। मांसाहारी व्यक्ति मांस को आधे घंटे तक अच्छी तरह पकाने के बाद प्रयोग करें। बर्ड फ्लू को लेकर कोई भी जानकारी पशुपालन विभाग के कंट्रोल रुम नंबर कंट्रोल रूम 0512-2535098 पर संपर्क करें। चिड़ियाघर परिसर में मिले मृत मोर में बर्ड फ्लू की पुष्टि होने के बाद अन्य पक्षियों की निगरानी को बढ़ा दिया गया है। हिरन सफारी, झील व जंगल वाले क्षेत्रों में मृत पक्षियों की तलाश में अधिकारी व कर्मचारी घूमते रहे। पेड़ों पर बसेरा करने वाले पक्षियों को भी देखा गया। चिड़ियाघर के अधिकारियों व कर्मचारियों ने पूरे परिसर का निरीक्षण किया।

यूपीपीएससी वैज्ञानिक अधिकारी परीक्षा आज, 4695 अभ्यर्थी देंगे एग्जाम

प्रयागराज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने वैज्ञानिक अधिकारी (स्क्रीनिंग) परीक्षा-2023 आज होगी। इसके लिए लखनऊ में 10 केंद्र बनाए गए हैं। इसमें से चार कैंप कार्यालय में ही बने हैं। परीक्षा 18 मई (रविवार) को सुबह 09:30 से 11:30 बजे तक एक सत्र में आयोजित होगी। वैज्ञानिक अधिकारी के 41 पदों पर भर्ती के लिए 4695 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। परीक्षार्थियों को दो नवीनतम पासपोर्ट आकार की रंगीन फोटो, एक वैध पहचान पत्र की मूल प्रति एवं एक छायाप्रति केंद्र पर लानी होगी। परीक्षा प्रारंभ होने के समय से एक घंटा 30 मिनट पूर्व यानी सुबह आठ बजे से परीक्षा केंद्र में अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश द्वार 45 मिनट पूर्व, यानी सुबह 8:45 बजे, बंद कर दिया जाएगा। इसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं मिलेगा। आयोग ने सभी अभ्यर्थियों को निर्देश दिए हैं कि वे समय से पूर्व परीक्षा केंद्र पर पहुंचें और सभी आवश्यक दस्तावेज अपने साथ लेकर आएं, ताकि किसी भी असुविधा से बचा जा सके। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) उत्तर प्रदेश चिकित्सा शिक्षा (यूनानी) विभाग में प्रवक्ता, इलाज-बित-तदबीर के तीन रिक्त पद के लिए साक्षात्कार का आयोजन करेगा। उक्त पद के लिए साक्षात्कार मई के अंतिम सप्ताह में सम्पन्न कराए जाने की संभावना है। आयोग ने उम्मीदवारों को सलाह दी है कि वे आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर नियमित रूप से अपडेट देखते रहें तथा आवश्यक दस्तावेजों के साथ तैयार रहें।

मकसूदापुर मिल पर एडीएम की कार्रवाई से खलबली, 40 करोड़ की चीनी गोदाम सील, किसानों का 126 करोड़ भुगतान नहीं हुआ

शाहजहांपुर, एजेंसी। किसानों का 126 करोड़ से अधिक का भुगतान न करने वाली बंडा स्थित मकसूदापुर चीनी मिल के गोदाम को एडीएम वित्त अरविंद कुमार ने सील कर दिया। उन्होंने भुगतान की प्रक्रिया शुरू होने तक ताले खोलने से इन्कार कर दिया।

गोदाम में 40 करोड़ रुपये की एक लाख क्विंटल चीनी स्टाक है। पेराई सत्र 2024-25 में चीनी मिल ने 21 हजार किसानों से गन्ना खरीद की थी, जिसका कुल भुगतान 169 करोड़ 83 लाख रुपये बना था, लेकिन मिल प्रशासन की ओर से 27 नवंबर तक 43 करोड़ पांच लाख का ही भुगतान किया गया। शेष 126 करोड़ 78 लाख रुपये की बकाया धनराशि को लेकर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा था।

मिल पर वर्ष 2020- 21 गन्ना मूल्य के विलंबित भुगतान पर देय ब्याज 16 करोड़ 70 लाख रुपया की आरसी भी जारी थी। बावजूद इसके भुगतान नहीं किया जा रहा था, जिसको लेकर डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर एडीएम वित्त अरविंद कुमार ने जिला गन्ना अधिकारी जितेंद्र कुमार मिश्रा, एसडीएम पुवायां चित्रा निर्वाल के साथ चीनी मिल पहुंचकर वहां चीनी स्टाक, शिरा और कोजन का निरीक्षण किया। गन्ना किसानों का अवशेष भुगतान भुगतान न करने के कारण गोदाम को सील कर दिया। चीनी मिल में पांच नवंबर 2024 को सत्र शुरू किया था। जो इस वर्ष 30 फरवरी तक चला। इस अवधि में 46.20 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई की गई। सात हजार टन क्रश प्रतिदिन की क्षमता वाली इस मिल को 25 हजार हेक्टेयर गन्ना आवंटित किया गया था। मिल प्रशासन की ओर से पुवायां, पुरनपुर व बीसलपुर के तीन समितियों के गेट व 37 क्रय केंद्रों से लगभग 21 हजार किसानों का गन्ने की खरीद की गई।

जिंदा चाचा को दिखा दिया मृत! भतीजे ने 40 लाख हड़पे; सात साल बाद पीड़ित को ऐसे मिला न्याय

कानपुर, एजेंसी। महाराजपुर में मृत दिखाकर वृद्धावस्था पेंशन बंद करने के मामले के बाद जिंदा को मृत दर्शाने का एक और मामला प्रकाश में आया है। चाचा की संपत्ति पर कब्जा करने के उद्देश्य से भतीजे ने उन्हें मृत दर्शाकर उनकी जमीन अपने नाम करा ली और बाद में जमीन एयरपोर्ट के लिए अधिग्रहीत हुई तो मुआवजे के 40 लाख रुपये भी डकार लिए।

पिछले सात सालों से पीड़ित खुद को जिंदा साबित करने के लिए चक्कर काट रहा था। अब जिलाधिकारी के आदेश से जांच हुई तो वृद्ध को जिंदा मानते हुए धोखेबाज भतीजे के खिलाफ जांच शुरू की गई है। मुआवजे की राशि वसूलने की भी तैयारी है।

मवइया निवासी सुरेश चन्द्र ने बताया कि वह पंजाब में नौकरी करता है और वहीं पर अपना मकान बनाकर सपरिवार रहता है। बीच-बीच में आना जाना होता। आरोप है कि वर्ष 2018 में उनके भतीजे ने एक मृत व्यक्ति के नाम से एक मुकदमा दायर किया और प्रशासनिक अधिकारियों की मदद से झूठे गवाह पेश करके यह साबित कर लिया कि उनके चाचा की मृत्यु हो चुकी है और उनके परिवार में और कोई नहीं है।

अधिकारियों ने मिलीभगत करके बिना अदालती कार्रवाई और बिना मृत्यु प्रमाण पत्र के सुरेश को मृत घोषित कर दिया और दो जुलाई 2018 को उनकी जमीन भतीजे के नाम हो गई। इस बीच कोरोना आ गया तो वह लंबे समय तक गांव नहीं आए। कुछ समय बाद जब उन्हें फर्जीवाड़े की जानकारी हुई तो उसने विरोध किया, मगर कोई भी सुनने को तैयार नहीं हुआ।

जौनपुर में पुलिस मुठभेड़, एक पशु तस्कर ढेर, सिपाही की मौत का बदला पूरा

जौनपुर, एजेंसी। शनिवार रात चंदवक के कोइलारी गांव के पास पुलिस ने एनकाउंटर कर पशु तस्कर जलालपुर के कथवा निवासी सलमान को ढेर कर दिया है। मारे गए बदमाश के दो अन्य साथी भी घायल हुए हैं। जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कल रात ही पशु तस्करों ने चंदवक थाने में तैनात सिपाही को रौंद कर मार दिया था।

शनिवार की रात लगभग सवा 12 बजे चंदवक थाना क्षेत्र के खुज्झी मोड़ के पास थानाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिसकर्मी पशु तस्करों को पकड़ने के लिए वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान सूचना मिली कि एक पिकअप पशुओं को लेकर चंदवक की ओर से आजमगढ़ की तरफ जा रहा है।

इस पर पुलिस फोर्स अलर्ट हो गई। इस दौरान पिकअप को रोकने के लिए मार्ग पर दो ट्रकों को खड़ा कर कर बैरिकेडिंग कर दिया। कुछ ही देरबाद तेज रफ्तार पिकअप को आता देख पुलिस कर्मियों ने रुकने का इशारा किया, हालांकि चालक पिकअप नहीं रोके।

इस दौरान सड़क किनारे खड़े वाहनों को

धक्का मारते हुए आगे निकलने लगे। कुछ दूरी पर चंदवक थाने पर तैनात चंदौली निवासी लगभग 35 वर्षीय पुलिसकर्मी दुर्गेश सिंह किनारे खड़े थे। पिकअप चालक उन्हें रौंदते हुए आजमगढ़ की तरफ भाग गए। आनन-फानन दुर्गेश सिंह को उठाकर वाहन से लेकर वाराणसी ट्रामा सेंटर पहुँचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

यूपी में अगवा कर नाबालिग बहनों का कराया धर्मांतरण, सूचना मिलते ही मचा हड़कंप, चार आरोपी गिरफ्तार

प्रतापगढ़, एजेंसी। घर से निकलीं दो नाबालिग बहनों को अगवा करके मतांतरण करवा दिया गया था। उन पर धार्मिक रूप से दबाव डालकर नमाज पढ़वाने की साजिश रची गई। इतना ही नहीं दोनों को पुणे में ले जाकर बेचने की तैयारी थी।

पुलिस ने बहनों को गुरुवार को बरामद किया तो उनके बयानों से आरोपितों का राजफाश हुआ। शनिवार को उनके पड़ोस में रहने वाले मुस्लिम समुदाय के परिवार के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया। देल्हूपुर थाना के एक गांव की 13 व 16 साल की दो बहनें 13 मई की शाम घर से निकली थीं। बेटियों ने बताया था कि वे गांव की सबरीन के साथ खेत पर जा रही हैं। देर रात घर न लौटने पर सबरीन से बेटियों के बारे में स्वजन ने पूछा तो वह कुछ बताने की बजाय गाली व धमकी देने लगीं। इसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। कड़ाई से पूछताछ में पड़ोस की माजिदा बेगम ने चुप्पी तोड़ी।

पता चला कि सबरीन के पति कलीम उर्फ बड़कन्ने, मोनू उर्फ साबिर, सैफ अली व तीन अन्य लड़कियों को जबरन बुर्का पहनाकर कहीं लेकर चले गए। इसके बाद एसपी ने तलाश में पुलिस के साथ स्वाट टीम को भी लगा दिया। आरोपितों पर मतांतरण, अपहरण का केस दर्ज करते हुए पाक्सो की भी धारा जोड़ी गई। पुलिस ने 15 मई की शाम प्रयागराज में दोनों नाबालिग बहनों को बरामद कर लिया। पूछताछ में दोनों ने बताया कि आरोपित लड़कियों को बुर्का पहनाकर कमरे में रखते थे। उन्हें नमाज पढ़ने के लिए मजबूर करते थे। किशोरियों के बयान कोर्ट में दर्ज कराने के बाद पुलिस आरोपितों की तलाश में जुट गई। शनिवार को दिवैनी गांव की तरफ से मऊआइमा जाने वाले मार्ग पर घेराबंदी करके अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गेश कुमार सिंह व सीओ रानीगंज विनय प्रभाकर साहनी के निर्देशन में थाना प्रभारी देल्हूपुर राधेबाबू व अन्य ने आरोपित मोनू उर्फ मो. साबिर, उसके भाई मो. सैफ पुत्र, बहन साबरीन, मां माजिदा बेगम को पकड़ा।

शौक के लिए कर्मचारी बना चोर, जौहरी की दुकान से चुरा लिया था 45 लाख का सोना, राज खुला तो मचा हड़कंप

गोरखपुर, एजेंसी। शौक पूरे करने की चाहत में एक कर्मचारी ने ही अपने मालिक को चूना लगाने की योजना बना डाली। घटना राजघाट इलाके की है, जहां लालबाबू किशन कुमार ज्वेलर्स के कर्मचारी कृष वर्मा 45 लाख रुपये कीमत के गहने लेकर फरार हो गया था। सोने की हालमार्किंग कराने के लिए वह दुकान से निकला फिर लौटकर नहीं आया।दुकान मालिक की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। शनिवार को राजघाट थाना पुलिस ने आरोपित कृष व उसके साथी दिनेश गौड़ गिरफ्तार कर लिए गए। उनके पास से 390 ग्राम सोना बरामद हुआ।

एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने शनिवार की दोपहर पुलिस लाइन में प्रेस वार्ता कर यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि 30 अप्रैल 2025 को दुकान का कर्मचारी कृष वर्मा, जो मूल रूप से बसंतपुर फुल्की गली का निवासी है, दुकान से 448 ग्राम सोने के गहने लेकर हालमार्किंग सेंटर जाने के लिए निकला।

शाम तक न लौटने पर दुकान मालिक राहुल वर्मा ने फोन किया तो नंबर बंद मिला।परिवार वालों से भी जब उसकी जानकारी नहीं मिली तो पुलिस को सूचना दी गई। राजघाट थाने में एफआइआर दर्ज कर पुलिस टीम लगाई गई। सर्विलांस और मुखबिर की मदद से पुलिस को सुराग मिला कि कृष अपने परिचित दिनेश गौड़ (निवासी रायगंज उत्तरी) के साथ फरार हुआ है। पुलिस ने दोनों को पकड़कर पूछताछ की तो पूरी साजिश सामने आ गई। कृष वर्मा ने बताया कि उसे लगा था वह लूट की कहानी गढ़कर खुद को पीड़ित बताएगा और गहने गायब कर देगा,लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

हाईवे पर ट्रक ने खड़ी ट्रैक्टर-ट्राली में मारी टक्कर, युवक की मौत; पांच घायल

बिल्हौर, एजेंसी। कानपुर अलीगढ़ हाईवे पर उत्तरीपुरा के पास तेज रफ्तार ट्रक ने किनारे खड़ी ट्रैक्टर ट्राली में टक्कर मार दी। हादसे में ट्राली सवार एक युवक की मौत हो गई। वहीं ट्रक चालक समेत पांच लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए भेजा।

मुजफ्फरनगर के चरथावल थाना क्षेत्र के कुल्हेड़ी निवासी मुजम्मिल पुत्र खान मोहम्मद ने बताया कि रेलवे लाइन के किनारे खड़े पेड़ों की कटाई का काम करते हैं। शनिवार को वह ट्रैक्टर ट्राली में 6-7 मजदूरों के साथ मिर्जापुर जा रहे थे। कानपुर अलीगढ़ हाईवे पर उत्तरीपुरा के बक्खू निवादा गांव के पास गांव निवासी चालक हसरत पुत्र शकील ने नित्यक्रिया के लिए सड़क किनारे ट्रैक्टर रोक दिया।

ट्राली में सवार लोग नीचे उतरने लगे। इस दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने ट्राली में टक्कर मार दी। हादसे में ट्राली पलट गई और उसमें सवार गांव निवासी 35 वर्षीय आकिल पुत्र शब्बीर, उसका भाई 30 वर्षीय नौशाद, शहजाद पुत्र सगीर, उसका भाई हसरत, हसन पुत्र अन्नू और ट्रक चालक पंजाब के मोहाली थाना क्षेत्र के कुराली निवासी कुलदीप सिंह पुत्र जगतार सिंह घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भेजा। जहां परीक्षण के बाद डाक्टरों ने आकिल को मृत घोषित कर दिया। वहीं पांचो घायलों को कानपुर रेफर कर दिया। इंस्पेक्टर अशोक कुमार सरोज ने बताया कि क्षतिग्रस्त ट्रक और ट्रैक्टर को हाईवे से हटवाकर कब्जे में लिया गया है।

संपादकीय

भारत की कूटनीतिक प्रयास से मिली कामयाबी

भारत के सीमा सुरक्षा बल यानी बीएसएफ के एक जवान को पाकिस्तान ने लौटा दिया है और स्वाभाविक ही इसे भारत की एक और कूटनीतिक कामयाबी माना जा रहा है। गौरतलब है कि भारत के बीएसएफ के जवान पूर्णम साव तेईस अप्रैल को गलती से पाकिस्तानी सीमा में दाखिल हो गए थे और वहां उन्हें पकड़ लिया गया था। सीमा पार किन्हीं हालात में अगर अन्य देश के जवान को पकड़ लिया जाता है तो उसके जीवन तक को लेकर आशंकाएं पैदा हो जाती हैं। यही वजह है कि पूर्णम साव की वापसी को लेकर उनके परिवार सहित देश के लोगों की चिंताएं गहरा रही थीं। इस बीच भारत और पाकिस्तान के बीच किस स्तर का टकराव हुआ, यह दुनिया ने देखा। लेकिन अब बुधवार को जब पूर्णम साव की पाकिस्तान से रिहाई की खबर आई, तो निश्चित तौर पर यह उनके परिवार वालों के साथ-साथ समूचे देश के लोगों के लिए राहत की बात थी। दोनों देशों के डीजीएमओ स्तर पर हुई बातचीत के नतीजे में बीस दिनों के बाद पूर्णम शा को छोड़ा गया। दरअसल, जिन परिस्थितियों में बीएसएफ के जवान गलती से पाकिस्तानी सीमा में दाखिल हो गए थे, वे इतनी ज्यादा संवेदनशील थीं कि उनके कारण दोनों देशों के बीच संघर्ष की नौबत आई। पहलगाम में आतंकी हमले में छब्बीस लोगों के मारे जाने के बाद भारत के पास एक तरह से जवाबी कार्रवाई करना अंतिम विकल्प था। इस टकराव की तीव्रता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इसे दोनों देशों के बीच पूर्ण संघर्ष के तौर पर भी देखा गया। ऐसे में अगर बीएसएफ जवान की सुरक्षा और जान को लेकर भारत में चिंता गहरा रही थी, तो यह लाजिमी था। यों भी पाकिस्तान के अतीत और उसकी प्रकृति अक्सर उसके विवेक आधारित फैसले नहीं लेने के ही सूचक रहे हैं। हालांकि इस बीच उम्मीद जरूर की जा रही थी कि तमाम विपरीत हालात के बावजूद भारत के लगातार कूटनीतिक प्रयासों से जवान की वापसी सुनिश्चित हो सकेगी। मगर जब दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की घोषणा हुई तब यह उम्मीद और मजबूत हुई कि अब शायद माहौल शांत होने के बाद इस मसले पर कूटनीतिक बातचीत आगे बढ़ेगी। भारत और पाकिस्तान के बीच किसी गलती से जवानों के सीमा पार कर जाने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अगर युद्ध या तनाव की स्थिति न हो तो रिहाई में ज्यादा मुश्किल नहीं होती है। मगर पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर जिस तरह का हमला किया था, उसे एक तरह से सीधा संघर्ष मान लिया गया था। पाकिस्तान पहले ही अवांछित गतिविधियों के अंजाम देने से लेकर आतंकवादियों को शह और समर्थन देकर भारत को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करता रहा है। ऐसे में वहां पकड़ लिए गए बीएसएफ जवान के प्रति उसके व्यवहार या रिहाई को लेकर आशंका बनी हुई थी, क्योंकि इसके लिए शुरू होने वाली प्रक्रिया काफी संवेदनशील और जटिल होती है। अंतरराष्ट्रीय कानून और सैन्य संधियों के तहत अगर कोई जवान गलती से सीमा पार कर जाता है तो उसके खिलाफ ज्यादा गंभीर कार्रवाई नहीं की जाती। हालांकि यह दोनों देशों के बीच संवाद और समझौते पर निर्भर करता है। इस लिहाज से देखें तो बीते कुछ दिनों के दौरान तेजी से बदलते घटनाक्रम में जवान की रिहाई के लिए भारत ने कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए थे और आखिर इसमें कामयाबी मिली।

भारत की वॉटर स्ट्राइक से बिलबिलाने लगा पाकिस्तान

इतिहास के आलोक में अगर बात की जाए तो सिंधु जल समझौते के अंतर्गत भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु घाटी को 6 नदियों में विभाजित करने को लेकर नौ साल तक वार्ता चली और भारत के प्रथम प्रधानमंत्री रहे जवाहर लाल नेहरू और पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अयूब खान के मध्य 19 सितंबर 1960 में सिंधु जल संधि विश्व बैंक की मध्यस्थता से कराची में समझौता हुआ। इस संधि के तहत सिंधु बेसिन की तीन पूर्वी नदियों रावी, ब्यास और सतलुज का पानी भारत को आवंटित किया गया।

(डॉ. आशीष वशिष्ठ)

भारत और पाकिस्तान के बीच 65 साल पहले हुई इस जल संधि के तहत दोनों देशों के बीच नदियों के जल प्रबंधन को लेकर समझौता हुआ था। नदियों को बांटने का ये समझौता कई युद्धों, मतभेदों और झगड़ों के बावजूद 65 वर्षों से अपने स्थान पर यथावत रहा।

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा पोषित और प्रेषित आतंकियों ने निर्दोष नागरिकों का धर्म पूछकर नृशंस हत्या की। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने जहां पाकिस्तान को सैन्य मोर्चे पर तबाह कर दिया वहीं, उससे पहले सिंधु जल समझौते को स्थगित करने के फैसले से पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसा दिया है। भारत ने सिंधु जल संधि को ऐसे समय में निलंबित किया है जब पाकिस्तान पहले से ही जल संकट का सामना कर रहा है। पाकिस्तान के सिंध और पंजाब प्रांत में छह नई नहरें बनाने की योजना भी विवादों में फंसी है।

इतिहास के आलोक में अगर बात की जाए तो सिंधु जल समझौते के अंतर्गत भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु घाटी को 6 नदियों में विभाजित करने को लेकर नौ साल तक वार्ता चली और भारत के प्रथम प्रधानमंत्री रहे जवाहर लाल नेहरू और पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अयूब खान के मध्य 19 सितंबर 1960 में सिंधु जल संधि विश्व बैंक की मध्यस्थता से कराची में समझौता हुआ।

इस संधि के तहत सिंधु बेसिन की तीन पूर्वी नदियों रावी, ब्यास और सतलुज का पानी भारत को आवंटित किया गया। वहीं तीन पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चिनाब के जल का 80 फीसदी हिस्सा पाकिस्तान को आवंटित किया गया। समझौते में जिस तरह से जल का बंटवारा किया गया उससे तत्कालीन भारत के प्रधानमंत्री और सरकार की रीति–नीति का समझा जा सकता है। पीएम नेहरू ने देशहित की बजाय पाकिस्तान के हितों का अधिक ध्यान रखा। यह संधि पाकिस्तान में कृषि और हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट के लिए बहुत अहम है और पाकिस्तान में 80 प्रतिशत सिंचाई के पानी की आपूर्ति इन्हीं नदियों के पानी से होती है। कई शहरों के लिए पेयजल की आपूर्ति भी इस नदी से की जाती है।

भारत और पाकिस्तान के बीच 65 साल पहले हुई इस जल संधि के तहत दोनों देशों के बीच नदियों के जल प्रबंधन को लेकर समझौता हुआ था। नदियों को बांटने का ये समझौता कई युद्धों, मतभेदों और झगड़ों के बावजूद 65 वर्षों से अपने स्थान पर यथावत रहा। लेकिन जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले में 26 लोगों के मारे जाने के बाद भारत ने जिन कड़े कदमों की घोषणा की उनमें यह सबसे बड़ी कार्रवाई

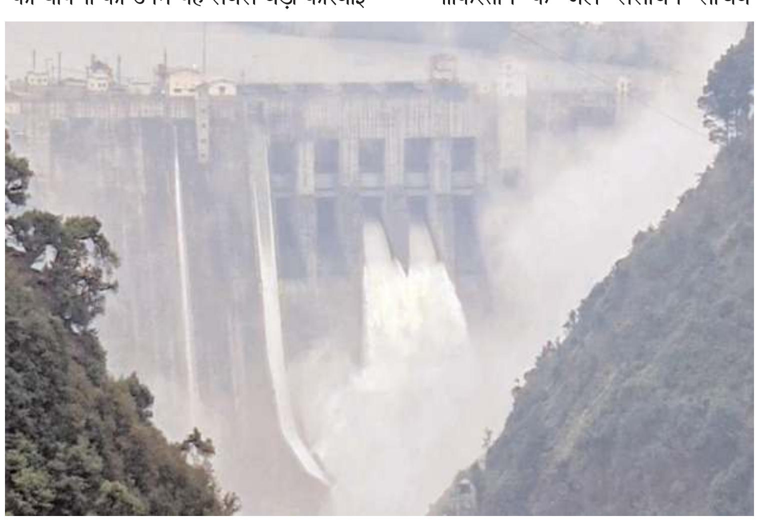

माना जा रहा है। भारत द्वारा संधि को निलंबित करना इसकी स्थापना के बाद से पहली बार है, जो सीमा पार आतंकवाद से जुड़ी जल कूटनीति में बदलाव का संकेत है। यह भारत के दृष्टिकोण में बदलाव को दर्शाता है।

2016 में उरी में भारतीय सेना के एक शिविर पर हमले के बाद डेढ़ सप्ताह बाद हुई एक समीक्षा बैठक में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था, खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान का इशारा सिंधु जल समझौते की ही ओर था। 2019 में पुलवामा में सुरक्षाबलों पर हमले के बाद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बयान देते हुए कहा था, 'सरकार ने पाकिस्तान को पानी के वितरण को रोकने का फैसला किया है।' अगस्त 2019 में भारत के तत्कालीन जल संसाधन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा था, 'सिंधु जल संधि का उल्लंघन किए बिना पाकिस्तान को जाने वाले पानी को रोकने के लिए काम शुरू हो गया है।'

भारतीय सेना से करारी शिकस्त के बाद पाकिस्तान अब पानी को लेकर भारत के सामने गिड़गिड़ाने लगा है। पाकिस्तान की सरकार ने 14 मई को भारत के जल शक्ति मंत्रालय को चिट्ठी लिखकर सिंधु जल समझौते को स्थगित करने को लेकर दोबारा विचार करने की अपील की है। वहीं, एक महत्वपूर्ण बात और भी है कि पाकिस्तान की ये अपील तब की गई जब भारत चिनाब नदी पर बगलिहार और सलाल जलविद्युत परियोजनाओं में फ्लशिंग और डिसिल्टिंग का काम शुरू कर दिया है।

पाकिस्तान के जल संसाधन सचिव सय्यद अली मुर्तज़ा ने भारत को लिखी चिट्ठी में कहा, सिंधु जल समझौता स्थगित होने की वजह से पाकिस्तान में खरीफ की फसल के लिए पानी का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने 13 मई को कहा कि अगर भारत सिंधु जल संधि को फिर से शुरू नहीं करता है और हमारी तरफ आने वाले पानी को मोड़ने की कोशिश करता है तो दोनों देशों के बीच लागू हुआ संघर्ष विराम खतरे में पड़ सकता है।

सिंधु जल संधि पर चर्चा के लिए पाकिस्तान की ये पेशकश उसकी छटपटाहट को साफ दिखा रही है। यह पहली बार नहीं था जब भारत सरकार ने 1960 में दोनों देशों के बीच हुई इस संधि में बदलाव की मांग की थी। दो साल पहले भारत ने पाकिस्तान को इस संबंध में नोटिस भेजा था लेकिन इस नोटिस में सिर्फ 'बदलावों' के बारे में बात की गई थी। हालांकि अगस्त 2024 में भेजे नोटिस में भारत ने बदलावों के साथ-साथ समझौते की 'समीक्षा' करने की भी बात की थी। इसमें 'सीमा पार से आतंकवादी गतिविधियों' का भी उल्लेख किया गया था। इसमें भी भारत की ओर से कहा गया था कि 'सीमा पार से आतंकवाद' इस समझौते के सुचारू रूप से संचालन में बाधा है। लेकिन पाकिस्तान ने इस पर कोई उत्तर नहीं दिया, अब जबकि भारत ने समझौते को स्थगित कर दिया है तो पाकिस्तान घुटनों पर आ गया है।

15 मई को एक कार्यक्रम में संवाददाताओं ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से जब सिंधु जल समझौते को लेकर प्रश्न किया, तो उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि यह समझौता अभी निरस्त ही रहेगा। भारत सरकार इस पर पुनर्विचार करने के लिए तैयार नहीं है और इस मामले में पाकिस्तान के साथ बातचीत नहीं होगी। विदेश मंत्री के ताजा बयान से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्र के नाम संबोधन में स्पष्ट कर चुके हैं कि खून और पानी साथ नहीं बह सकते हैं।

सिंधु जल संधि के निलंबन से पाकिस्तान की जल सुरक्षा को खतरा है, क्योंकि इसकी 80 प्रतिशत कृषि भूमि इन नदियों पर निर्भर है। इस व्यवधान से खाद्य सुरक्षा, नगरीय जल आपूर्ति और विद्युत उत्पादन पर प्रभाव पड़ेगा साथ ही पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद में सिंधु नदी तंत्र के 25 प्रतिशत योगदान के कारण आर्थिक अस्थिरता भी उत्पन्न होगी। नदी प्रवाह डेटा को रोकने की भारत की क्षमता से पाकिस्तान की सुभेद्यता और बढ़ जाएगी तथा बाढ़ तत्परता और जल संसाधन प्रबंधन में बाधा उत्पन्न होगी। भावार्थ यह है कि आने वाले समय में पाकिस्तान में जल संकट से सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक समस्याएं बढ़ना तय है। पाकिस्तान के पंजाब और सिंध प्रांत में जल बंटवारे को लेकर पुराना विवाद है। वर्तमान जल संकट ये विवाद और गहराएगा।

भारत अब अपने हिस्से की तीनों नदियों रावी, ब्यास और सतलुज के जल को अपने लिए प्रयोग करने की योजना बना रहा है। इस पर तुरंत काम शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा, मध्यकालिक और दीर्घकालिक योजनाओं को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के इन कदमों से पाकिस्तान को लंबे समय में नुकसान पहुंचना अवश्यम्भावी है। राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट तौर पर कहा कि पाकिस्तान से बात होगीज तो टेररिज्म पर होगीज पाकिस्तान से बात होगी..तो पीओके पर होगी। अब पाकिस्तान को यह तय करना है कि वो आतंकवादियों का साथ देगा या फिर अपने प्यासे खेतों और नागरिकों की प्यास बुझाने के लिये शांति और शालीनता के मार्ग का चुनाव करेगा।(लेखक राजनीतिक विश्लेषक और स्तंभकार है) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मिस्टर एंड मिसेज़ फिफ्टीज़

इसी उधेड़बुन में एक दिन अचानक दि इकॉनमिस्ट के एक आर्टिकल पर नज़र पड़ी, जिसका विषय था- 55 पार के लोग नई प्रॉब्लम जनरेशन बन गए हैं। ये लोग अपनी उम्र के लोगों के साथ वाइल्ड पार्टियां कर रहे हैं, डेट पर जा रहे हैं, सोलो और ग्रुप एडवेंचर टूर पर निकलने लगे हैं, खुद पर पैसा खर्च कर ज़िंदगी के भरपूर मज़े ले रहे हैं। कुल मिलाकर, लेख का मूल यह था कि इस उम्र वाले लोगों का काम है युवाओं का मार्गदर्शन करना, लेकिन ये उनकी तरह ही बेपरवाह ज़िंदगी जीने लगे हैं।

(अक्षय शुक्ला)

जीवन के पांचवे दशक में दिल और दिमाग के बीच एक नया द्वंद्व शुरू हो जाता है। दिल अब भी वही सब करने को कहता है जो दस साल पहले करते थे, लेकिन दिमाग ऐसा करने से रोकता है। मिड लाइफ क्राइसिस शायद इसी को कहते हैं कि शरीर तो उम्र बढ़ने का संकेत देने लगता है लेकिन दिल है कि मानता नहीं।

इसी उधेड़बुन में एक दिन अचानक दि इकॉनमिस्ट के एक आर्टिकल पर नज़र पड़ी, जिसका विषय था- 55 पार के लोग नई प्रॉब्लम जनरेशन बन गए हैं। ये लोग अपनी उम्र के लोगों के साथ वाइल्ड पार्टियां कर रहे हैं, डेट पर जा रहे हैं, सोलो और ग्रुप एडवेंचर टूर पर निकलने लगे हैं, खुद पर पैसा खर्च कर ज़िंदगी के भरपूर मज़े ले रहे हैं। कुल मिलाकर, लेख का मूल यह था कि इस उम्र वाले लोगों का काम है युवाओं का मार्गदर्शन करना, लेकिन ये उनकी तरह ही बेपरवाह जिंदगी जीने लगे हैं।

इस लेख पर न सिर्फ लंबी बहस छिड़ गई, बल्कि दुनियाभर से इतनी कड़ी प्रतिक्रियाएं आईं कि पब्लिकेशन को सफाई देनी पड़ गई। कई आलोचकों ने कहा कि अगर कुछ लोग ऐसी ज़िंदगी जी रहे हैं तो आप सभी को कठघरे में कैसे खड़ा कर सकते हैं। आप यह भी तो देखिए कि नौकरी, घर का लोन, बच्चों की पढ़ाई और उनकी शादी जैसी तमाम ज़िम्मेदारियां निभाने के लिए इन लोगों ने अपने कितने अरमानों का दम घोंटा होगा।

अगर आज वे उन सबसे मुक्त होकर अपने मन मुताबिक जीना चाहते हैं, तो किसी को आपत्ति क्यों होनी चाहिए। वे ऐसी लाइफ जी रहे हैं और खुद पर खुल कर खर्तोंच कर रहे हैं तो ज़ाहिर है उसके लिए उन्होंने अपनी जवानी में बेहतर फाइनैशल प्लानिंग की होगी। दूसरों पर बोझ बन कर रहने से तो अच्छा है ना कि वे जीवन के स्वर्णिम काल को खुश होकर जी रहे हैं। उनसे यह उम्मीद क्यों करना कि इस उम्र में भी वे अपने सपनों को साइड में रख दें और घर बैठ पोते-पोतियों की देखभाल करें।

बात तो सही है। हमारे देश में भी रिटायरमेंट के करीब पहुंचने वाले लोग कभी घर पर बैठना पसंद करते थे, लेकिन आज नहीं। अब इनकी लाइफस्टाइल में काफी बदलाव आ गया है, खासकर कोविड के बाद। आज ये धार्मिक पर्यटन पर ही नहीं, देश दुनिया की सैर के साथ एडवेंचर टूर पर भी निकल रहे हैं। यही नहीं, सोशल मीडिया से लेकर यूट्यूब तक ये लोग छाए हुए हैं। कोई सीनियर सिटिज़न को ट्रेवल टिप्स दे रहा, कोई हेल्थ टिप्स, तो कोई उचित निवेश की सलाह।

हाल में 60 प्लस की महिलाओं का एक यूट्यूब चैनल देखा, जिसमें कई दोस्त मिलकर कभी लॉन्ग ड्राइव पर निकल जाती हैं तो कभी पहाड़ों के अपने ग्रुप टूर की झलकियां दिखाती रहती हैं। ऊंचाई और धक-धक जैसी फिल्मों में दिखाई जाने वाली कहानी को ऐसे बहुत से लोग वास्तव में जी रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र के दो साल पहले के डेटा के मुताबिक भारत में पुरुषों की औसत उम्र 70 तो महिलाओं की 73 हो चुकी है। ऐसे में पांचवे दशक वालों के पास तो लंबा समय है, थक कर बैठने के बजाय, क्यों न वे अपनी इच्छानुसार जीएं। यही सोचकर मैंने भी अपने दिमाग की न सुन दिल की सुनी और निकल पड़ा लॉन्ग ड्राइव पर उन्हीं पहाड़ों की तरफ, जहां मुझे आत्मीय सुकून मिलता है।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

अरुणाचली चाल है पाक के हक में चीन की बौखलाहट

निश्चित ही चीन की ये दकियानूसी हरकतें पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं, यह उसके दुस्साहस एवं उच्छृंखलता का द्योतक है। नाम बदलने से इस स्पष्ट और निर्विवाद वास्तविकता को नहीं बदला जा सकता कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा। इस तरह की करतूतों, बचकानी एवं बेतूकी हरकतों से भारत को उकसाना चाहता है। इसी नीति के तहत वह भारत के पड़ोसी देशों में अपनी पैठ बना कर पुलों, सड़कों, व्यावसायिक केंद्रों आदि का निर्माण कर भारत की सीमा पर तनाव पैदा करने की भी कोशिश करता रहा है। शायद उसने यह मुगालता पाल लिया है कि ताजा घटनाक्रम से भारत दबाव में आ जाएगा लेकिन भारत अब ऐसे किसी दबाव में न तो आयेगा, बल्कि इनका सक्षम एवं तीक्ष्ण तरीके से जबाव देने में भारत सक्षम है।

(ललित गर्ग)

चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता है। चीन भरोसे लायक देश नहीं है, चीन के प्रति कठोर रवैया जरूरी है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के सफल 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद चीन बौखला गया है। पाकिस्तान की करारी हार एवं उसे दिये गये सबक को चीन पचा नहीं पा रहा है। चीन-पाक की सदाबहार दोस्ती के उदाहरण बार-बार सामने आते रहे हैं, हाल ही में सैन्य टकराव के दौरान चीन ने प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर पाकिस्तान का समर्थन ही नहीं किया, बल्कि सैन्य व आर्थिक मदद भी की। ऐसे ही संवेदनशील समय पर चीन ने भारतीय जमीन पर दावेदारी जताने एवं अरुणाचल के 27 स्थानों को चीनी नाम देने की कुचेष्टा की है। उसकी यह नापाक कोशिश भी पाक के साथ खड़े होने का ही प्रयास है। यह ध्यान रहे कि वह अरुणाचल एवं उसके अनेक क्षेत्रों, इनमें आवासीय क्षेत्रों के साथ पहाड़ और नदियां भी हैं, इनको पहले ही चीनी नाम दे चुका है। भारत सरकार ने अरुणाचल के भीतरी स्थानों को नए नाम देने के चीन के निराधार और बेतुके प्रयासों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हुए इसकी निन्दा की है। चीन अपनी दोगली नीति, षडयंत्रकारी हरकतों एवं विस्तारवादी मंशा से कभी बाज नहीं आता। वह हमेशा कोई ऐसी कुचेष्टा करता ही रहता है जिससे भारत चीन बॉर्डर पर अक्सर तनाव रहता है। हालांकि भारत ने दो टूक जवाब देते हुए साफ कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह चीनी दुष्प्रचार के सिवाय कुछ नहीं है। चीन की इस हरकत ने यह साफ कर दिया है कि उससे संबंध सुधारने की भारत की तरफ से कितनी ही पहल हो जाए, वह सुधरने वाला नहीं है।

निश्चित ही चीन की ये दकियानूसी हरकतें पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं, यह उसके दुस्साहस एवं उच्छृंखलता का द्योतक है। नाम बदलने से इस स्पष्ट और निर्विवाद वास्तविकता को नहीं बदला जा सकता कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा। इस तरह की करतूतों, बचकानी एवं बेतूकी हरकतों से भारत को उकसाना चाहता है। इसी नीति के तहत वह भारत के पड़ोसी देशों में अपनी पैठ बना कर पुलों, सड़कों, व्यावसायिक केंद्रों आदि का निर्माण कर भारत की सीमा पर तनाव पैदा करने की भी कोशिश करता रहा है। शायद उसने यह मुगालता पाल लिया है कि ताजा घटनाक्रम से भारत दबाव में आ जाएगा लेकिन भारत अब ऐसे किसी दबाव में न तो आयेगा, बल्कि इनका सक्षम एवं तीक्ष्ण तरीके से जबाव देने में भारत सक्षम है। चीन का अधिक बौखलाहट एवं खीज का बड़ा कारण भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम, ड्रोन, मिसाइल आदि की इस कदर पोल खोल कर रख दी कि अब उसके लिए दुनिया के निर्धन देशों को अपने दोयम दर्जे एवं घटिसा किस्म के चीनी हथियार बेचना कठिन होगा। पाकिस्तान ने जिस चीनी मिसाइल का इस्तेमाल किया था, उसे भारत ने नाकाम कर दिया।

चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता है। चीन भरोसे लायक देश नहीं है, चीन के प्रति कठोर रवैया जरूरी है। निस्संदेह नाम बदलने जैसी घटनाएं हमें सतर्क करती हैं कि चीन के साथ मैत्री संबंधों के निर्धारण के दौरान हमें सजग, सावधान व सचेत रहना चाहिए। अन्यथा चीन पीठ पर वार करने से नहीं चूकने वाला है। भारत को चीन के साथ अपनी तिब्बत नीति पर भी नए सिरे से विचार करना होगा। पिछले तीसरे साल में चीन ने अरुणाचल प्रदेश के अनेक स्थानों के नाम बदले हैं। चीन अरुणाचल को जांगनान के नाम से दर्शाता है। वहीं इसे तिब्बत के दक्षिणी हिस्से के रूप में होने का दावा करता है। चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। जिसमें उसके सैनिक गलवान घाटी में घुस आए थे, जिन्हें रोकने में खूनी संघर्ष हुआ। तबसे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। भारत के हिस्से की जमीन पर कब्जा करने के इरादे से वह चोरी-छिपे और चालबाजी से घुसपैठ करने की कोशिशें करता रहता है। चीन की विस्तारवादी नीति भारत सहित सम्पूर्ण एशिया के लिये ही नहीं, पूरे विश्व के लिए बड़ा खतरा है।

चीन भारत की बढ़ती ताकत एवं रूतबे से परेशान है। भारत की बढ़ती आर्थिक और सामरिक ताकत चीन को चुभती रही है, इसलिए वह चोरी, चालाकी और चालबाजी से भारत को कमजोर करने की चालें चलता रहता है। दरअसल, सीमाओं को लेकर नित नए विवादास्पद तथ्य लाना चीन की फितरत में शामिल है। अरुणाचल प्रदेश ही नहीं, अक्साई चिन, ताइवान और विवादित दक्षिण चीन सागर पर भी चीन अपना दावा जताता रहा है। शातिर और चालबाज चीन अरुणाचल के किसी दस्तावेज पर भारत का नाम स्वीकार नहीं करता। कुछ मौकों पर तो वह अरुणाचल को अपने नक्शे में शामिल कर दुनिया के सामने साबित करने की कोशिश कर चुका है कि वह उसका इलाका है। मगर भारत की तरफ से मिले सख्त प्रतिरोध की वजह, सामरिक शक्ति और रणनीतिक सूझ-बूझ से उसे हर बार मुंह की खानी पड़ी है।

भारत को अनेक मोर्चों पर चीन को आडे हाथ लेना होगा, सबसे जरूरी है चीन सामान का बहिष्कार, इस पर सरकार के साथ हमारे उद्योग जगत एवं आम जनता को भी गंभीरता से सोचना होगा। ऐसा करके ही चीन की कमर को तोड़ा जा सकता है, आज दुनिया के अनेक देश चीनी सामान का बहिष्कार कर रहे हैं, हमें भी कठोर कदम उठाने होंगे। भारत ने जब भी पाकिस्तान में पनाह पाए आतंकियों को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों की सूची में डलवाने का प्रयास किया, चीन संयुक्त राष्ट्र में अपने वीटो का प्रयोग कर उसे रोकने की कोशिश करता रहा है, जबकि पूरी दुनिया आतंकवाद के खिलाफ युद्ध का समर्थन करती रही है। जिससे पता चलता है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाने तथा व्यापार-कारोबार बढ़ाने की बात करने वाला चीन भारत के प्रति कैसी दुर्भावना रखता है। वह वैश्विक संगठनों व मंचों पर भारत के साथ खड़ा होने का दावा एवं ढोंग ही करता है।

भारत एवं चीन दोनों देशों के बीच संबंधों में आने वाली तल्खी की बड़ी वजह भी चीन की नीयत में खोट, उच्छृंखलता एवं अनुशासनहीनता ही है। चीन ने एक बार फिर अपनी इस हरकत से भारत के प्रति शत्रुता को ही जाहिर किया है। भारत के साथ चीन का बर्ताव हमेशा दोगला एवं द्वेषपूर्ण रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि चीन किस तरह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मोहरे की तरह इस्तेमाल करता रहा है। जाहिर बात है कि चीन ने ऐसा न केवल चुनौतीपूर्ण समय में भारत का ध्यान भटकाने के लिये किया है, बल्कि पाकिस्तान के साथ एकजुटता दिखाने के लिये भी किया है। अपनी आर्थिक शक्ति के नशे में चूर अहंकारी चीन अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों को जिस तरह धता बता रहा है, उससे वह विश्व व्यवस्था के लिए खतरा ही बन रहा है। अब यह भी किसी से छिपा नहीं कि वह गरीब देशों को किस तरह कर्ज के जाल में फंसाकर उनका शोषण कर रहा है। चीन भूल गया है कि अब भारत 1962 वाला भारत नहीं है, यह नया भारत है और आज का भारत चीन को मिट्टी में मिलाने की ताकत रखता है। भारत की रणनीति साफ है, स्पष्ट है। आज का भारत समझने और समझाने की नीति पर विश्वास करता है लेकिन अगर हमें आजमाने की कोशिश होती है तो जवाब भी उतना ही प्रचंड देने में वह समर्थ हैं। भारतीय सेना में सरहदें बदल देने की क्षमता है, दुश्मनों को इरादों को ध्वस्त करने का मादा है इसलिये चीन अपने नक्शे में भले ही छेड़छाड़ करता रहे, लेकिन भारत की भूमि पर कब्जाने की उसकी मंशा अब कभी साकार नहीं होगी। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सुरक्षित फसल रामतिल

> भारत में इस फसल की खेती 5.42 लाख हेक्टेयर में प्रतिवर्ष की जाती है। इसकी औसत उत्पादन क्षमता 299 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के हिसाब से कुल उत्पादन 1.62 लाख टन प्रतिवर्ष होता है। अविभाजित मध्यप्रदेश राज्य रामतिल के क्षेत्राच्छादन एवं उत्पादन की दृष्टि से अग्रणी राज्य था। डिण्डोरी जिले में लगभग 35 हजार हेक्टेयर में इसकी खेती की जाती है जिसका औसत उत्पादन 200 कि.ग्राम प्रति हेक्टेयर है। यदि फसल को अच्छे प्रबंधन के साथ लगाया जाए तो उपज 5 से 6 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त की जाती सकती है। अनुकूल उत्पादन अवस्थाओं में इसका उत्पादन 6 से 8 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक भी प्राप्त किया जा सकता है। इस प्रकार के अच्छे उत्पादन प्राप्त करने के लिये यह आवश्यक है कि कृषक उन्नतशील किस्मों का प्रयोग करें। मौसम के अनुसार उपयुक्त समय पर बुआई करें।

भूमि का चुनाव

यह फसल गहरी काली मिट्टी से भुरभुरी, रेतीली भूमियों जिसमें जल निकास की उत्तम क्षमता हो, में सफलतापूर्वक लगाई जा सकती है। अच्छी गहराई वाली मिट्टी जिसका पी.एच. मान 5.5 से 6.5 के बीच हो इस फसल के लिए अति उत्तम मिट्टी होती है। हल्की क्षारीय एवं लवणीय भूमि में भी इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है। परंतु भारी काली कपास वाली भूमि एवं पानी रुकने वाली भूमियां इसके खेती हेतु उपयुक्त नहीं है।

फसल पद्धति

रामतिल फसल की बुआई सामान्यत: मध्य अगस्त में की जाती है। अत: इसके पूर्व एक फसल उड़द, बरबटी या फ्रेंचबीन की ले सकते हैं। डिंडोरी जिले में इस फसल को कुटकी की फसल लेने के बाद भी लेने की संभावना है। परंतु इसके लिये यह आवश्यक होगा कि पहली फसल की बुआई मई के अंत में या जून के प्रथम सप्ताह तक पूरी हो जानी चाहिए, क्योंकि देर से बुआई करने पर रामतिल की बुआई में देरी होगी जिसका उत्पादकता पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

उन्नत किस्में

अच्छी उपज लेने के लिए उपयुक्त किस्म का चयन किया जाना बहुत महत्वपूर्ण होता है। भूमि एवं बोने के समय के अनुसार उपयुक्त किस्म का चुनाव करना चाहिए। अखिल भारतीय समन्वित तिल एवं रामतिल अनुसंधान परियोजना के द्वारा अनेक उन्नत किस्मों की अनुशंसा की गई है। डिंडोरी क्षेत्र के लिये अनुशंसित किस्म के प्रमुख गुण एवं लक्षण तालिका में प्रस्तुत हैं।

नींदा नियंत्रण

रामतिल फसल में पहली निंदाई - गुड़ाई बुआई के 15-20 दिन बाद करना चाहिए। यदि आवश्यक है तो दूसरी निंदाई -गुड़ाई बुआई के लगभग 35 - 40 दिन बाद करें। यह कार्य खड़ी फसल में नत्रजन के छिड़काव से पहले कर लेना चाहिए। रामतिल की फसल से डिण्डोरी क्षेत्र में अमरबेल की समस्या विकराल रूप लेती जा रही है। जिसके कारण कृषक बंधु इसकी खेती को छोड़ रहे है परंतु अनुसंधान के आधार पर रसायनिक दवा के उपचार से अमरबेल का समूल नाश किया जा सकता है। इसके लिए नींदानाशक दवा पेन्डीमिथालीन 0.75 से 1.5 किलो सक्रिय तत्व प्रति हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए अथवा लासो दानेदार 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए।

कटाई एवं गहाई

रामतिल की फसल किस्मानुसार 90 से 120 दिनों के बीच पककर तैयार हो जाती है। जब पौधे की पत्तियां सूखकर गिरने लगे एवं फली का शीर्ष भाग भूरे एवं काले रंग का दिखने लगे तब फसल की कटाई करें। कटाई में देर करने पर बीज झड़ने का डर रहता है। कटाई के उपरांत पौधों को बंडल में बांधकर खेत में खुली धूप में एक सप्ताह तक सुखाकर गहाई करनी चाहिए।

आय - व्यय

परम्परागत तरीके से फसल लगाने से उपज 50 से 200 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त होती है। जिससे कुल आमदनी 2250 से 9000 रु. होती है। उन्नत काश्त तकनीक अपनाकर खेती करने से औसत उपज 500 से 600 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त होगी जिससे कुल आय 20,000 से 25000 रु. तक प्राप्त होगी।

बीज दर

शुद्ध फसल हेतु 5 से 6 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बीज की आवश्यकता होती है।

बीजोपचार

फसल को बीज एवं मिट्टी जनित रोग के संभावित आक्रमण को टालने के लिए बीजोपचार आवश्यक है। थायरम या केप्टान नामक दवाई की 3 ग्राम मात्रा से एक किलोग्राम बीज को उपचारित करना चाहिए। बुआई के 12 घंटे पूर्व फास्फोरस घोलक जीवाणु (पी.एस.बी.) कल्चर 5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर उपचारित कर छायादार स्थान में सुखाना चाहिए, इससे उत्पादन में वृद्धि होती है।

बुआई विधि

सामान्यत: रामतिल की बुआई छिड़काव पद्धति से की जाती है इससे प्रति क्षेत्र में वांछित पौध संख्या नहीं मिल पाती है। इसकी अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए कतार से बुआई करना चाहिए एवं एक कतार से दूसरे कतार के बीच में 30 से.मी. (1 फीट) का अंतर होना चाहिए। बुआई के पूर्व एक भाग बीज को 20 भाग रेत या भुरभुरी गोबर खाद या राख के साथ मिलाकर बुआई करना चाहिए। इससे प्रति इकाई क्षेत्र में वांछित पौधा संख्या प्राप्त होगी एवं पौध छंटाई का कार्य नहीं करना पड़ता।

उर्वरक एवं खाद

रसायनिक उर्वरकों में नत्रजन 10 किलोग्राम, स्फुर 20 किलोग्राम एवं पोटाश 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बुआई के समय डालना चाहिए। बुआई के 30 से 35 दिन बाद 10 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर की मात्रा भूमि में नमी उपलब्ध पर डालने से उत्पादन में वृद्धि होती है।

बगीचों की स्थापना व प्रबंधन

नवीन उद्यान का विन्यास (लेआउट) कैसे करें

नवीन उद्यान का विन्यास (रेखांकन) एक बहुत तकनीकी एवं महत्वपूर्ण क्रिया है। सर्वप्रथम क्षेत्रफल नाप लिया जाये तथा उसका क्षेत्रफल ज्ञात करें फिर चयनित फल एवं उसकी प्रजाति के आधार पर निर्धारित करें कि कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी निर्धारित करें। उद्यान रेखांकन करते समय निम्नलिखित उद्यान स्थल निर्धारित करें-

- सड़क एवं मार्ग
- फार्म हाउस (कार्यालय, भंडार, निवास) के लिए स्थल
- सिंचाई पद्धति के लिये पम्प हाउस, नलकूप, कुआं, फार्म पौंड का स्थान निर्धारित करें। आजकल ड्रिप एवं फव्वारा सिंचाई प्रचलित है। अत: उसके रेखाकंन के लिये स्थल निर्धारित करें।
- जल निकास हेतु नाली आदि निर्माण हेतु स्थल
- पौधों को लगाने का स्थल
- फार्म पर कम्पोस्ट, नाडेप, केंचुआ खाद आदि का स्थल
- बगीचे के लिये स्वयं की रोपणी हेतु भी स्थल निर्धारित करें।

नवीन बगीचे के लिये प्रारंभिक तैयारियां

स्थल निर्धारण के पश्चात भूमि की सप्लाई, सर्वेक्षण, मिट्टी परीक्षण, समतलीकरण, मिट्टी की जुताई, बगीचे के चारों ओर बागड़-तार, पत्थर की दीवार, वायु अवरोध लगाएं।

फल पौध रोपण

फल पौध रोपण की प्रचलित पद्धतियां निम्न प्रकार की है - **वर्गाकार पद्धति** - वृक्ष की आवश्यकता के अनुसार वर्ग का आकार रखा जाता है। इस पद्धति में पौधे वर्ग के कोने पर लगाए जाते हैं।

आयताकार

इस पद्धति में कतार से कतार की दूरी तथा पौधों की दूरी निर्धारित की जाती है॥

त्रिभुजाकार या षटभुजाकार पद्धति।

पंचवृक्षीया गौपूरक पद्धति

यह वर्गाकार की परिवर्तित पद्धति है इसके वर्ग के मध्य से एक और पौधा बनाया जाता है।

आजकल संकर प्रजातियां आम में विकसित की गयी है उन्हें कम दूरी पर बनाया जाता। इसके अतिरिक्त हाईडेन्सिटी पद्धति से रोपण ऊंचाई के आधार पर किया जाता है।

कंटूर के आधार पर रोपण - ऊंची-नीची एवं ढाल भूमि में समोच्च (कन्टूर) के आधार पर रोपण किया जाता है।

फल देने वाले बगीचों का प्रबंधन

जो पौधे फलन स्थिति या किशोर अवस्था में हो उनकी देखभाल एवं वांछित औद्योगिक क्रियाएं क्षेत्र के लिये अनुशंसित विधि से करें। जैसे- कांटछांट का कृन्तन क्रिया कृषि क्रियाएं अनुशंसित खाद एवं उर्वरक निर्धारित मात्रा में डालें, तने को पानी के सम्पर्क में सीधे न आने दें इसलिये उनकी आयु के अनुसार मिट्टी जड़ के ऊपर लगाये, समय पर सिंचाई, निंदाई तथा पौध संरक्षण उपाय करें। फलों की तुड़ाई करें। आम के वृक्षों पर माम फोर्मेशन हो उसे काटकर पृथक करें। जिन पौधों के तने कमजोर हो उन्हें सहारा दें। पौधे के मूल वृन्द से निकलने वाली शाखाओं को काट दें। पौधोंको सही आकार देने के लिए कटाई, छंटाई जरूरी है।

रोपण के लिये पौधों का चयन

- पौधे जो वानस्पतिक तरीके या टिशु कल्चर अथवा बीज से तैयार हो उनकी पूरी विश्वसनीयता की जानकारी प्राप्त करके ही लें। उनकी पे डिग्री ज्ञात कर लें. जब तक शासकीय/ पंजीकृत रोपणी से ही पौधे लें तथा पौधों पर टैग लगा हो।
- प्रत्येक पौधे को देखें कि उसकी जूटी जिसमें पौधों की जड़ पंकी हो वह सही हो। ग्राफ्ट की जड़े सायन एवं रूट स्टाक की मोटाई बराबर हो तथा सही तरीके से जुड़ी हों।
- पौधे की बीमारी आदि से ग्रसित न हों। उनकी आयु आदि ज्ञात कर लें।
- जो पौधे चाहे ग्राफ्ट हो,गूटी कलम आदि जैसे भी हो उन्हें भली-भांति परख लें तथा एक सप्ताह तक क्यारी में उतार कर रखें। जो पौधे सही तरह के स्वस्थ हों उन्हें ही लगायें।
- पौधे लगाते समय पौधा गड्ढे के बीज में सीधा लगाया जाये। जड़ को दोनों हाथों से ढीला बांध भली-भांति गड्ढे की मिट्टी के साथ दवाएं जिससे वह भली-भांति स्थिर हो जावे सिंचाई करें। रोपण क्रिया जुलाई, अगस्त, सितम्बर या फरवरी मार्च में लगायें। उसकी सुरक्षा करें तथा कुछ पौधे पृथक रखें जिससे मृदा पौधों के स्थान पर रोपण करें।

पौधों की दूरी निर्धारित करना एवं वृक्षों की वृद्धि को ध्यान में रखकर पौध रोपण के लिये गड्ढों का खोदना

यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। भूमि में मिट्टी की गहराई को ध्यान में रखते हुए फल चयन करें तथा उसकी भावी वृद्धि एवं विकास को ध्यान में रखते हुए रोपण के लिए गड्ढे वर्गाकार पद्धति से या मिट्टी आकार द्वारा खोदें।

फिलिस्तीन और मिस्र की इजरायल से अपील, तुरंत रोके गाजा पर हमले

बगदाद, एजेंसी। फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास और मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी ने गाजा पट्टी में तत्काल और स्थायी युद्धविराम का आग्रह किया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को इराक की राजधानी बगदाद में आयोजित 34वें अरब लीग शिखर सम्मेलन में फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने इजरायली सैन्य अभियानों को रोकने और क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए अरब योजना को अपनाने का आह्वान किया। अब्बास ने इस बात पर जोर दिया कि इजरायली कब्जे को समाप्त करके और फिलिस्तीनी लोगों के पूर्ण अधिकारों को सुनिश्चित करके ही स्थायी शांति प्राप्त की जा सकती है।

मार्च में युद्धविराम का समझौता टूटने के बाद से इजरायल ने गुरुवार से अब तक सबसे घातक बमबारी में सैकड़ों फिलिस्तीनियों को मार डाला। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को मध्य पूर्व का दौरा समाप्त किया। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी ने पिछले 19 महीने से गाजा में फिलिस्तीनियों पर किए गए अत्याचार और हिंसा की कड़ी निंदा करते हुए हिंसक अभियान का उद्देश्य गाजा की आबादी को समाप्त करना बताया।

अल-सीसी ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय, विशेष रूप से अमेरिका से गाजा में मानवीय संकट को समाप्त करने के लिए कड़े कदम उठाने का अनुरोध किया। उन्होंने शत्रुता समाप्त होने के बाद गाजा की शीघ्र पुनर्प्राप्ति और पुनर्निर्माण के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने की मिस्र की प्रतिबद्धता भी दोहराई। शिखर सम्मेलन की समाप्ति के बाद, गाजा में हमास संचालित मीडिया कार्यालय ने उपस्थित लोगों से गाजा पर अन्यायपूर्ण नाकाबंदी को तोड़ने और प्रतिदिन होने वाली

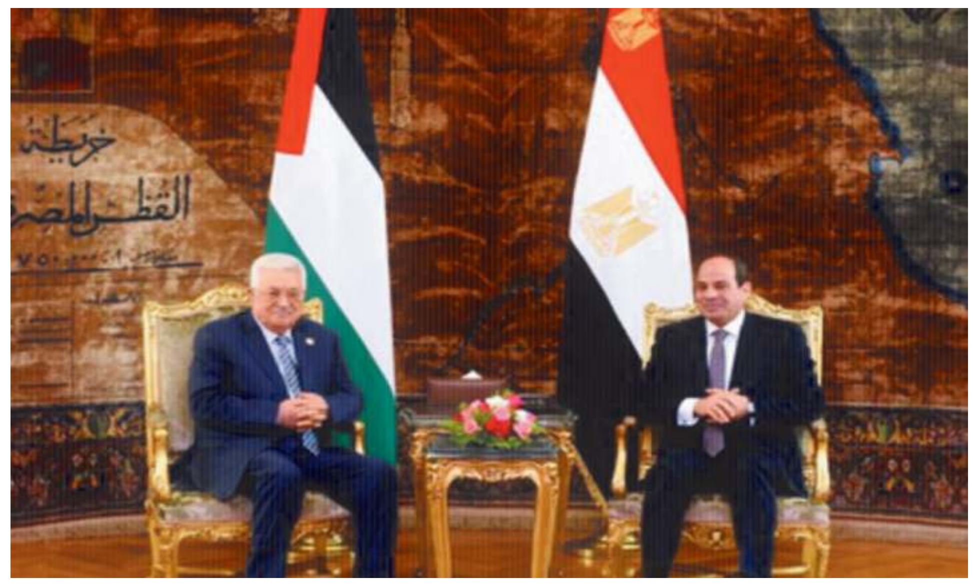

हत्याओं को रोकने का आह्वान किया। गाजा के लोग अब भुखमरी के खतरे का सामना कर रहे हैं। इसके लिए क्रॉसिंग को तत्काल और बिना शर्त खोलने, गाजा के लोगों को भोजन, मानवीय सहायता और चिकित्सा सहायता पहुंचाने के लिए इजरायल पर दबाव बढ़ाने का आग्रह किया गया।

लेबनान के प्रधान मंत्री नवाफ सलाम ने अपने संबोधन में, इजरायल की शत्रुता की निंदा की और उस पर नियंत्रण के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आगे आने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इजरायल की तरफ से हो रहे लगातार हमले पिछले साल नवंबर के अंत में दोनों पक्षों के बीच हुई सहमति का उल्लंघन है। सलाम ने आगे कहा, प्यारे भाइयों, हम आपसे, अंतरराष्ट्रीय समुदाय पर दबाव डालने का आह्वान करते हैं ताकि इजरायल को अपने आक्रमणों को समाप्त करने और सभी लेबनानी क्षेत्रों से पूरी तरह से हटने के लिए मजबूर किया जा सके।

संयुक्त राष्ट्र सहायता प्रमुख टॉम फ्लेचर ने इस सप्ताह सुरक्षा परिषद से पूछा कि क्या वह नरसंहार को रोकने के लिए कार्रवाई करेगी। इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने युद्ध के बाद अरब देशों के पुनर्निर्माण में मदद के लिए एक कोष बनाने की घोषणा की, जिसमें गाजा और लेबनान के लिए 20-20 मिलियन डॉलर की शुरुआती राशि देने का वादा किया गया, जहां पिछले साल हिजबुल्लाह समूह के खिलाफ इजरायली अभियान में दक्षिणी हिस्से का बड़ा हिस्सा नष्ट हो गया था।

शिखर सम्मेलन में 22 अरब लीग सदस्य देशों के नेताओं और शीर्ष राजनयिकों के साथ-साथ क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। 2003 के अमेरिकी आक्रमण के बाद इराक की तरफ से आयोजित यह दूसरा आयोजन है। पहला आयोजन 2012 में हुआ था। इजरायल ने छह सप्ताह के युद्ध विराम के बाद गाजा पर फिर से सैन्य अभियान की शुरुआत कर दी है। इजरायल का आरोप है कि हमास, आतंकवादियों के बीच काम करता है। हालांकि शिखर सम्मेलन में मौजूद नेताओं ने इसका विरोध किया। इजरायल का घोषित लक्ष्य हमास की सैन्य और सरकारी क्षमताओं को खत्म करना है। हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमला किया था, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए थे और 250 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया गया था।

गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इजरायल सैन्य अभियान ने क्षेत्र के भीड़भाड़ वाले इलाके को तबाह कर दिया है। 2.3 मिलियन निवासी अपना घर छोड़ने को मजबूर हैं और 53,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। इजरायल पर युद्ध विराम वार्ता फिर से शुरू करने और गाजा में खाद्य और चिकित्सा आपूर्ति की अनुमति देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय दबाव बढ़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

वैचारिक स्पष्टता के बिना वामपंथी एकता प्रतिकूल नतीजे देगी : नेपाली पीएम ओली

बोले–राजशाही बहाली के प्रयास असंभव

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने शनिवार को आगाह किया कि साझा वैचारिक आधार के बिना वामपंथी ताकतों को एकजुट करना कम्युनिस्ट आंदोलन के लिए हानिकारक हो सकता है। पूर्व सीपीएन-यूएमएल महासचिव मदन भंडारी की 32वीं पुण्यतिथि पर एक कार्यक्रम में ओली बोले, उचित वैचारिक समझ के बिना वामपंथी एकता में लाना निरर्थक होगा। उन्होंने कम्युनिस्ट आंदोलन में न्यायोचित पहल का भी विरोध करने व मतभेद पैदा करने की निरंतर प्रवृत्ति पर भी प्रकाश डाला। देशभक्ति, राष्ट्रीय स्वतंत्रता और अखंडता के प्रति अपनी सीपीएन-यूएमएल पार्टी की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए ओली ने कहा, राजशाही को बहाल करने का कोई भी प्रयास असंभव और अस्वीकार्य दोनों है। नेपाल के पीएम ने कहा, विभाजन अक्सर वास्तविक वैचारिक मतभेदों के बजाय व्यक्तिगत हितों से पैदा होते हैं। ओली बोले, सही बात का भी विरोध करना ठीक नहीं है।

बच्ची से छेड़छाड़ में भारतीय पर्यटक को सजा

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में भारतीय पर्यटक प्रमेंद्र (25) को स्विमिंग कॉम्प्लेक्स में 12 वर्षीय लड़की से छेड़छाड़ व उसे इंस्टाग्राम पर भद्दे संदेश भेजने के आरोप में 3 माह की जेल मिली है। उस पर एक बच्चे से अश्लील कृत्य करने व 14 वर्ष से कम उम्र के एक बच्चे से छेड़छाड़ में भी दोषी ठहराया गया। उसे सजा सुनाते समय तीसरे आरोप को भी ध्यान में रखा गया। प्रमेंदर ने पीड़िता का पीछा भी किया।

धमकी से नहीं रुकेगा परमाणु कार्यक्रम, ईरान बोला- अमेरिका से जारी रहेगी वार्ता

तेहरान , एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने कहा है कि उनका देश परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका से वार्ता करेगा, लेकिन अमेरिकी धमकियों से अपने अधिकार नहीं छोड़ेगा। वह बोले, हम युद्ध नहीं चाहते हैं, लेकिन डरते भी नहीं। ईरान के परमाणु संगठन के प्रमुख मोहम्मद इस्लाम ने कार्यक्रम की शांतिपूर्ण प्रकृति पर जोर देते हुए कहा कि यह संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी द्वारा 'निरंतर' निगरानी में है। वह बोले, किसी भी देश की निगरानी हमारी तरह एजेंसी द्वारा नहीं की जाती है।

रोमानिया में राष्ट्रपति पद के लिए तनावपूर्ण पुनर्मतदान

बुखारेस्ट, एजेंसी। रोमानिया की जनता रविवार को राष्ट्रपति पद के लिए तनावपूर्ण पुनर्मतदान में मतदान कर रही हैं, जिसमें एक कट्टर दक्षिणपंथी राष्ट्रवादी और एक समर्थक पश्चिमी मध्यमार्गी के बीच मुकाबला है। यह चुनाव यूरोपीय संघ और नाटो सदस्य देश की भू-राजनीतिक दिशा निर्धारित कर सकता है। रविवार की दौड़ में अग्रणी उम्मीदवार जॉर्ज सिमियन, 38 वर्षीय, रोमानियाई लोगों की एकता के लिए कट्टर दक्षिणपंथी गठबंधन के नेता,, का मुकाबला बुखारेस्ट के मौजूदा मेयर निकुसोर डैन से है।

यह चुनाव पिछले चुनाव के रद्द होने के कुछ महीनों बाद हो रहा है, जिसने रोमानिया को दशकों में अपने सबसे खराब राजनीतिक संकट में डाल दिया था। स्थानीय समयानुसार सुबह 7 बजे मतदान शुरू हुआ और रात 9 बजे बंद हो जाएगा। विदेश में रहने वाले रोमानियाई लोग शुक्रवार से ही दूसरे देशों में स्थापित मतदान केंद्रों पर मतदान कर सकते हैं और 730,000 से अधिक लोग पहले ही मतदान कर चुके हैं। पिछले साल रोमानिया का राजनीतिक परिदृश्य तब उलट गया था जब एक शीर्ष अदालत ने चुनावी उल्लंघन और रूसी हस्तक्षेप के आरोपों के बाद पहले दौर के चुनावों में दूर-दराज के बाहरी व्यक्ति कैलिन जॉर्जेस्कु के शीर्ष पर आने के बाद पिछले चुनाव को रद्द कर दिया था, जिसे मॉस्को ने नकार दिया था।

कैलिफोर्निया में धमाके बाद लगी आग कैलिफोर्निया

एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में धमाके बाद भीषण आग लग गई। पाम स्प्रिंग्स शहर में हुए इस हादसे के संबंध में अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और अग्निशमन कर्मी राहत और बचाव कार्य में जुटे हैं। विस्फोट स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे हुआ। स्थानीय निवासियों को ईस्ट ताचेव ड्राइव के पास नॉर्थ इंडियन कैन्यन ड्राइव के आसपास जाने से बचने को कहा गया है। 37 वर्षीय नीमा तबरीज़ी ने बताया कि वे कैनबिस डिस्पेंसरी के अंदर थे, तभी उन्होंने बड़े धमाके जैसी आवाज सुनाई दी।

अब बांग्लादेश में भारत के खिलाफ साजिश, तुर्की समर्थित इस्लामी ग्रुप ने नक्शे में दिखाए कई राज्य

ढाका, एजेंसी। भारत के पूर्वी पड़ोसी बांग्लादेश में तुर्की की गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। तुर्की यहां पाकिस्तान जैसी रणनीति अपनाने की कोशिश में है। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद 'सल्तनत–ए–बांग्ला' नाम से एक कथित तुर्की समर्थित इस्लामी समूह राजधानी ढाका में देखा गया है। इस समूह ने एक विवादास्पद नक्शा जारी किया है। इस नक्शे में तथाकथित ग्रेटर बांग्लादेश दिखाया गया है, जिसमें म्यांमार के अराकान राज्य के साथ–साथ भारत के बिहार, झारखंड, ओडिशा और समूचे पूर्वोत्तर क्षेत्र को शामिल किया गया है।

छात्रों को बनाया जा रहा है निशाना : इकॉनोमिक टाइम्स की रिपोर्ट्स के अनुसार, कथित तुर्की एनजीओ समर्थित 'सल्तनत–ए–बांग्ला' नामक इस इस्लामी समूह ने ढाका में विश्वविद्यालय परिसरों और युवाओं व छात्रों के बीच लोकप्रिय स्थानों पर यह नक्शा प्रदर्शित किया। यह नक्शा पहली बार अप्रैल 2025 में ढाका विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम के दौरान देखा गया था, जहां इसे 'सल्तनत–ए–बांग्ला' के एक समारोह में प्रदर्शित किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, यह प्रयास युवाओं के बीच एक अलग तरह की वैचारिक सोच को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। इससे पहले भी, मोहम्मद यूनुस सरकार के करीबी कुछ लोगों ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को बांग्लादेश में मिलाने की मांग की थी।

तुर्की–बांग्लादेश रिश्तों में आया तेजी से बदलाव : पिछले साल मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में आई सरकार के बाद से तुर्की ने बांग्लादेश में अपनी मौजूदगी बढ़ाई है।

ट्रंप की खिसियाहट, परमाणु युद्ध रुकवाया पर नहीं मिला श्रेय, भारत-पाकिस्तान पर दिया बड़ा बयान

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्पति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान से बातचीत करना और उन्हें संकट से उबारना मेरे लिए बहुत बड़ी सफलता है, जिसका उचित श्रेय मुझे कभी नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच बहुत नफरत थी और तनाव इस हद तक बढ़ गया था कि इसका अगला चरण संभवत~ परमाणु युद्ध हो सकता था। फॉक्स न्यूज को दिए साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा, यह मेरे लिए बहुत बड़ी सफलता है। ये दोनों देश परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं और वे गुस्से में थे।

ट्रंप की मध्य-पूर्व की यात्रा से पूर्व जब उनसे विदेश नीति की कुछ सफलताओं के बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के नेताओं से सीधे बातचीत की थी और तनाव को नियंत्रित करने के लिए अमेरिका की ओर से मध्यस्थता की गई थी।

उन्होंने कहा कि जब तनाव बढ़ रहा था, मिसाइलों का इस्तेमाल हो रहा था और टकराव ÷जैसे को तैसा की दिशा में जा रहा था, तब उन्होंने हस्तक्षेप किया और हालात को बिगड़ने से रोका। साक्षात्कार में जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने भारत और पाकिस्तान को फोन किया, तो इसके जवाब में ट्रंप ने जवाब दिया, हां, मैंने किया।

जब उनसे यह पूछा गया कि क्या आप इसे यह एक सफलता मानते हैं तो उन्होंने हां में उत्तर दिया। ट्रंप ने कहा, दोनों देशों के बीच तनाव इस कदर बढ़ गया था कि इसका अगला चरण संभवत~ परमाणु युद्ध हो सकता था..आपने देखा कि यह तनाव किस दिशा में जा रहा था?

यह एक तरह से प्रतिशोध था - जैसे को तैसा की भांति। यह और गहरा होता जा रहा था..और अधिक..मेरा मतलब है, अधिक मिसाइलें..हर कोई अपेक्षाकृत मजबूत था। यह तनाव उस बिंदु तक पहुंच चुका था, जहां आप जानते हैं कि आगे क्या होने वाला था? एन शब्द। आप तो जानते ही हैं न कि एन शब्द क्या है?

ट्रंप ने जब साक्षात्कारकर्ता से पूछा कि एन शब्द आप जानते हैं ना, इस पर उन्होंने उत्तर दिया परमाणु (न्यूक्लियर)! ट्रंप ने कहा, यह एन शब्द है। यह बहुत बुरा शब्द है, है न?

कई मायनों में..परमाणु अर्थ में इस्तेमाल किया जाने वाला एन शब्द..सबसे बुरी चीज है जो हो सकती है..और, मुझे लगता है कि वे (भारत-पाक) इसके बहुत करीब थे। नफरत बहुत ज्यादा थी। तब मैंने कहा, हम व्यापार के बारे में बात करने जा रहे हैं। हम बहुत सारा व्यापार करने जा रहे हैं। मैं व्यापार का इस्तेमाल हिसाब बराबर करने और शांति स्थापित करने के लिए कर रहा हूं।

ट्रंप ने एक बार फिर कहा है कि भारत अमेरिकी वस्तुओं पर 100 प्रतिशत टैरिफ कम करने को तैयार है। उन्होंने यह भी दावा किया कि नई दिल्ली-वाशिंगटन के बीच व्यापार समझौता जल्द होगा। उन्होंने भारत पर उच्च शुल्क नीति को लेकर भी टिप्पणी की और कहा कि भारत दुनिया में सबसे ज्यादा टैरिफ लगाने वाले देशों में से एक है।

हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि भारत अब अमेरिका के लिए अपने शुल्कों में कटौती करने को तैयार है और दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता जल्द ही हो सकता है। गौरतलब है कि ट्रंप ने दो दिन पहले भी कहा था कि भारत शून्य टैरिफ पर अमेरिका के साथ कारोबार को तैयार है। इस पर विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने कहा था कि व्यापार समझौता पारस्परिक रूप से लाभकारी होना चाहिए।

डोनाल्ड ट्रंप ने शांति स्थापित कराने का झूठा दावा किया : खामेनेई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हाल में किए उस दावे को झूठा करार दिया है। ट्रंप ने कहा था कि वह शांति सुनिश्चित करने के लिए अपने पावर का इस्तेमाल करना चाहते हैं। खामेनेई ने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि गाजा पट्टी में हो रही हत्याओं को ट्रंप प्रशासन का समर्थन प्राप्त है। अयातुल्लाह अली खामेनेई ने शनिवार को तेहरान में शिक्षकों के साथ एक बड़ी बैठक की। इस बैठक में उन्होंने पश्चिम एशिया के अपने दौरे के दौरान क्षेत्र में शांति की स्थापना के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया दी।

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी ईरना के अनुसार, शनिवार को तेहरान में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा, क्षेत्र की अपनी यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति की हालिया टिप्पणियां वक्ता और अमेरिकी राष्ट्र दोनों का अपमान हैं। ईरानी नेता ने कहा, ट्रंप ने कहा कि वह शांति के लिए अपनी शक्ति का उपयोग करना चाहते हैं और यह उन्होंने झूठ बोला। उन्होंने, अन्य अमेरिकी अधिकारियों और अमेरिकी प्रशासन ने गाजा में हत्याओं को पूरा समर्थन दिया, उन्होंने किसी भी स्थान पर युद्ध भड़काने और अपने भाड़े के सैनिकों का समर्थन करने के लिए सत्ता का इस्तेमाल किया है। अली खामेनेई ने इजरायल पर दिए अपने पूर्व के बयानों को दोहराया और उसे क्षेत्र का घातक और खतरनाक कैंसर बताते हुए उखाड़ फेंके जाने की आवश्यकता बताई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने विश्वास जताया कि क्षेत्रीय देशों के दृढ़ संकल्प और प्रयासों के साथ, अमेरिका को इस क्षेत्र को अवश्य छोड़ना चाहिए। इस सप्ताह की शुरुआत में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम एशिया में स्थित तीन खाड़ी अरब देशों - सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया था। मंगलवार को सऊदी की राजधानी रियाद में दिए एक बयान में ट्रंप ने ईरान को मध्य पूर्व में सबसे विनाशकारी शक्ति बताया था और उस पर क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। ट्रंप ने यह भी कहा था कि अमेरिका ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा। हालांकि, ट्रंप ईरान के साथ एक ऐसे सौदे से बचना चाहते हैं जो संयुक्त व्यापक कार्य योजना की तरह हो, जिस पर बराक ओबामा के कार्यकाल के दौरान सहमति बनी थी। इसमें यूरोपीय संघ और चीन भी शामिल थे। ट्रंप ने 2018 में संयुक्त व्यापक कार्य योजना से खुद को अलग कर लिया था और तेहरान पर फिर से प्रतिबंध लगाए थे। ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने शनिवार को कहा कि देश शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम के अपने अधिकार को नहीं छोड़ेगा।

कैमरे पर तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगान की अजीब हरकत कैद, छटपटाते दिखे मैक्रों

तिराना, एजेंसी। अल्बानिया में यूरोपीय पॉलिटिकल समिट के दौरान तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोआन की अजीब हरकत कैमरे में कैद हुई है। उनकी हरकत से फ्रांस के राष्ट्रपति मेक्रों काफी असहज दिखे। गंभीर कूटनीतिक माहौल के बीच 13 सेकंड की इस घटना ने माहौल पूरी तरह से बदल दिया। मामला यूं है कि मंच पर जब फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एर्दोआन से हाथ मिलाया, तो शायद उन्होंने नहीं सोचा था कि ये सामान्य–सी हैंडशेक अचानक एक 'साइलेंट पावर प्ले' में बदल जाएगी। एर्दोआन ने न सिर्फ मैक्रों की उंगली थाम ली, बल्कि पूरे 13 सेकंड तक उसे नहीं छोड़ा।

घटना क्या हुई : वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एर्दोआन पहले मैक्रों से हाथ मिलाते हैं, फिर उनके हाथ को थपथपाते हैं। लेकिन तभी मामले में अजीब मोड़ आया, मैक्रों जैसे ही दूसरी ओर ध्यान देते हैं, एर्दोआन उनके इंडेक्स फिंगर को कसकर पकड़ लेते हैं और करीब 13 सेकंड तक नहीं छोड़ते। मैक्रों असहज दिखते हैं, मुस्कुराते हैं, हाथ छुड़ाने की कोशिश करते हैं, मगर एर्दोआन शांति से बैठे उनकी उंगली को पकड़े रखते हैं।

तुर्की मीडिया का दावा : तुर्की मीडिया ने दावा किया है कि मैक्रों ने बातचीत के दौरान एर्दोआन के कंधे पर हाथ रखकर 'मनोवैज्ञानिक बढ़त' लेने की कोशिश की थी। लेकिन एर्दोआन ने भी जवाब में उनकी उंगली पकड़ ली और इसे हल्के–फुल्के अंदाज़ में 'पावर डॉमिनेंस' का संकेत बताया जा रहा है।

समिट के अन्य दिलचस्प पल : इसी समिट में अल्बानिया के प्रधानमंत्री एडी रामा ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को घुटनों पर बैठकर नमस्ते किया।

घबराए पाकिस्तान ने फिर उतारी भारत की नकल

बिलावल भुट्टो विदेश में शांति प्रतिनिधिमंडल का करेंगे नेतृत्व

इस्लामाबाद, एजेंसी। घबराए पाकिस्तान ने भारत की नकल करते हुए अपने प्रतिनिधिमंडल को विदेश भेजने का फैसला किया है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी से विदेशी राजधानियों में तथाकथित अपना शांति का मामला पेश करने को कहा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 7 से 10 मई तक चार दिनों तक चली सैन्य झड़प में अपमान का सामना करने वाला पाकिस्तान, भारत के हर कदम को फॉलो कर रहा है। पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नकल करते हुए शहबाज शरीफ सेना का हौसला बढ़ाने पहुंचे तो अब भुट्टो से वैश्विक मंच पर अपना पक्ष रखने के लिए कहा गया है।

इसकी घोषणा करते हुए भुट्टो ने एक्स पर कहा कि शहबाज शरीफ ने उनसे संपर्क किया था, जिन्होंने उनसे एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए कहा था। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, आज सुबह प्रधानमंत्री सीएम शहबाज ने मुझसे संपर्क किया, जिन्होंने अनुरोध किया कि मैं अंतरराष्ट्रीय मंच पर शांति के लिए पाकिस्तान का पक्ष रखने के लिए एक

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करूं। मैं इस जिम्मेदारी को स्वीकार करने और इन चुनौतीपूर्ण समय में पाकिस्तान की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

यह तब हुआ जब भारत सरकार ने 7 सांसदों को नियुक्त देशों में संबंधित प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने और आतंकवाद के खिलाफ शून्य-सहिष्णुता नीति और पहलगाम आतंकी हमले के बारे में भारत के साक्ष्य और रुख को प्रस्तुत करने के लिए चुना है, जिसके कारण ऑपरेशन सिंदूर हुआ। कांग्रेस नेता शशि थरूर, भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आज़ाद और एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी सहित सांसदों, राजनीतिक नेताओं और पूर्व राजनयिकों वाले सात भारतीय प्रतिनिधिमंडल उत्तरी अमेरिका, यूरोप और पश्चिम एशिया की प्रमुख राजधानियों की यात्रा करने वाले हैं। हालांकि, भारत के विदेश मंत्री (ईएएम) एस. जयशंकर ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि भारत पाकिस्तान के साथ केवल आतंकवाद के मुद्दे पर बातचीत करने को तैयार है और सिंधु जल संधि तब तक स्थगित रहेगी जब तक कि इस्लामाबाद से समर्थित सीमा पार आतंकवाद को पूरी तरह से रोक नहीं दिया जाता। विदेश मंत्री जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर से जुड़ा एकमात्र मुद्दा जिस पर नई दिल्ली इस्लामाबाद के साथ चर्चा करने को तैयार है, वह है पाकिस्तान के अवैध रूप से कब्जा किए गए क्षेत्र के हिस्सों को खाली करना। 7 मई को, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया और पाकिस्तान में मौजूद नौ आतंकी ठिकानों को धूल में मिटा दिया। इससे दोनों पक्षों के बीच चार दिनों तक भीषण सशस्त्र टकराव हुआ, जिसमें ड्रोन, मिसाइल और लंबी दूरी के हथियारों का इस्तेमाल किया गया, जब तक कि 10 मई को गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति नहीं बन गई। हाल ही में पाकिस्तान ने भारत की नकल तब की थी, जब उनके प्रधानमंत्री ने सियालकोट में एक सैन्य अड्डे का दौरा किया था, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कदम की नकल था, जो पंजाब के आदमपुर एयरबेस गए थे और वायु योद्धाओं और जवानों से बातचीत की थी। पृष्ठभूमि में एस-400 वायु रक्षा प्रणाली के साथ उन्हें संबोधित किया - जिसे पाकिस्तान ने मार गिराने का दावा किया था। शहबाज शरीफ ने भी सियालकोट बेस का दौरा किया और पाकिस्तानी सेना के सैनिकों को संबोधित किया, चार दिनों की संक्षिप्त हवाई लड़ाई में भारत के खिलाफ एक दिखावटी जीत का दावा किया। भारत की नकल करने वाला पाकिस्तान तब सामने आया है जब भारत में नरेंद्र मोदी सरकार ने दुनिया के विभिन्न हिस्सों का दौरा करने के लिए टीमें बनाई हैं।

मुरीदके आतंकी मुख्यालय का फिर से होगा निर्माण

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग ने कहा कि पाकिस्तान सरकार ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर में तबाह हुई मुरीदके स्थित जमात-उद-दावा के मुख्यालय का पुनर्निर्माण कराने का आश्वासन दिया है। पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग, आतंकी संगठन जमात-उद-दावा की एक राजनीतिक शाखा है। यह लश्कर-ए-ताइबा का मुखौटा संगठन है। इसने भारत के कई हिस्सों में आतंकवादी हमले किए हैं, जिनमें 2008 में हुआ भयावह 26/11 मुंबई हमला भी शामिल है।

अरब लीग शिखर सम्मेलन में गाजा का मुद्दा शीर्ष पर

बगदाद, एजेंसी। इराक की राजधानी में अरब लीग के वार्षिक शिखर सम्मेलन में क्षेत्रीय नेताओं की बैठक में गाजा युद्ध का मुद्दा अहम रहा। काहिरा में मार्च में हुए एक आपात शिखर सम्मेलन में अरब नेताओं ने गाजा पट्टी के 20 लाख लोगों को विस्थापित किए बिना पुनर्निर्माण योजना पर अपनी बात रखी थी।

लाल निशान पर खुला घरेलू शेयर बाजार

मुंबई, एजेंसी। इससे पहले बीते कारोबारी सत्र में लगातार दूसरे दिन तेजी के साथ बीएसई सेंसेक्स 1,200.18 अंक या 1.48 फीसदी उछलकर सात महीने के उच्चतम स्तर 82,530.74 अंक पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार में नरमी के साथ क्लोजिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। शुक्रवार को सेंसेक्स 200.15 अंकों की गिरावट के साथ 82,330.59 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 42.30 अंकों की गिरावट के साथ 25,019.80 के स्तर पर समापन हुआ। आइए जानते हैं बाजार का हाल।

कुछ अमेरिकी गिद्ध ऋणदाताओं के लालच से बर्बाद हुआ शिक्षा मिशन,100 करोड़ का लोन लेना बड़ी गलती :बायजू रवींद्रन

दुबई, एजेंसी। बायजू रवींद्रन ने कहा, दो साल पहले हम हजारों करोड़ रुपये पर बैठे थे। आज हमारे पास कुछ भी नहीं है। इसे पूरा करने के बाद हमने कुछ सौ करोड़ और जुटाए हैं, क्योंकि पिछले दो सालों में कई अच्छे लोगों ने हमारा समर्थन किया है। कुछ अमेरिकी और कुछ भारतीयों ने हमें निशाना बनाया। ये सब हेज फंड हैं।

भारत की एक समय की मशहूर एडटेक दिग्गज कंपनी बायजूस के संस्थापक बायजू रवींद्रन ने पहली बार कंपनी के तेजी से उत्थान और पतन के बारे में खुलकर बात की है। इसे वह भारत के लिए एक खोया हुआ अवसर कहते हैं। उनका सपना दस लाख शिक्षण नौकरियां पैदा करने का था, लेकिन यह मिशन अमेरिका में कुछ गिद्ध ऋृणदाताओं के लालच के कारण पटरी से उतर गया।

रवींद्रन ने एक समाचार एजेंसी के साथ मुलाकात में कहा, दो साल पहले हम हजारों करोड़ रुपये पर बैठे थे। आज हमारे पास कुछ भी नहीं है। इसे पूरा करने के बाद हमने कुछ सौ करोड़ और जुटाए हैं, क्योंकि पिछले दो सालों में कई अच्छे लोगों ने हमारा समर्थन किया है। कुछ अमेरिकी और कुछ भारतीयों ने हमें निशाना बनाया। ये सब हेज फंड हैं। एक समय 22 अरब डॉलर के मूल्य वाली बायजूस को वित्तीय समस्याओं, विनियामक मुद्दों और कानूनी लड़ाइयों का सामना करना पड़ा है। इस कारण रवींद्रन बायजू इस समय दुबई में बस गए हैं। उन्होंने रणनीतिक चूक को स्वीकार किया और मजबूत इक्विटी विकल्पों के बावजूद 100 करोड़ रुपये का टर्म लोन लेने के कंपनी के विकल्प ने अंततः कंपनी को आक्रामक बाहरी दबावों के सामने उजागर कर दिया।

हम जल्दी लौटेंगे, पुनर्निर्माण करेंगे- रवींद्रन ने कहा, मैं हार नहीं मान रहा हूं। जैसे ही हम नियंत्रण में आएंगे और नियंत्रण 100 प्रतिशत मेरे पास होगा, हम पुनर्निर्माण करेंगे। बायजू 3.0 हमारा मिशन है। मैं यह बताने की स्थिति में नहीं हूं कि वह क्या होगा। मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि इसे फिर से उसी मिशन पर बनाया जाएगा, जो छात्रों में सीखने के प्रति प्रेम पैदा करना है। बायजू की सह-संस्थापक और बायजू रवींद्रन की पत्नी दिव्या गोकुलनाथ ने कहा, हम बाहर नहीं जाते। हम पार्टी नहीं करते। हम नेटवर्क नहीं बनाते। सब झूठ है। हमारे पास कोई लग्जरी कार या घर नहीं है। जब हालात खराब हो गए, तो जो लोग मायने रखते थे, वे हमारे साथ रहे। हमारा दायरा नहीं बदला। जब हम इतने ऊपर पहुंच गए, तब भी इसने हमें जमीन से जुड़ा रखा।

तीन-चार निवेशकों ने कंपनी को हथियाने की कोशिश की

बायजू ने कहा, मैं अपने सभी निवेशकों को दोष नहीं दे रहा हूं। मैं ऐसा व्यक्ति हूं जो हर संभव नुकसान उठाने की कोशिश करता हूं, लेकिन कुछ सड़े हुए लोग भी हैं। यह सिर्फ तीन या चार निवेशक हैं, जिन्होंने कुछ ऋृणदाताओं के साथ मिलकर कंपनी का नियंत्रण अपने हाथ में लेने की कोशिश की है।

कुछ गलतियां हमने भी कीं

रवींद्रन ने कहा, जब हमने भारत से पूरी दुनिया में विस्तार करने की कोशिश की, तो हमने कुछ व्यावसायिक गलतियां कीं। शायद हम इसे थोड़ा धीरे कर सकते थे। हम बहुत जल्दी, बहुत तेजी से बढ़ रहे थे। हम भारत से 21 नए देशों में चले गए। लेकिन अगर आप मुझसे पूछें, 2019 से 2021 के संदर्भ में, कोविड युग में, हमारे पास 160 विश्व स्तरीय निवेशक और इक्विटी निवेशक हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे बाहरी झटकों के कारण निवेशकों द्वारा वादे गलत हुए, इससे योजनाएं प्रभावित हुईं।

मूडीज ने घटाई अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग, कर्ज और महंगाई से बढ़ी आम जनता की चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अमेरिका की रेटिंग एएए से घटाकर 1 कर दी है। 1917 के बाद यह पहली बार हुआ है जब मूडीज ने अमेरिका को उसके 'परफेक्ट क्रेडिट स्कोर' से वंचित किया है। इससे संकेत मिलता है कि अब अमेरिका का कर्ज पहले जितना सुरक्षित नहीं माना जा रहा।

यह फैसला फिच (2023) और S&P (2011) की पहले की गई रेटिंग कटौती के बाद आया है। अब तीनों बड़ी रेटिंग एजेंसियों ने अमेरिका को एएए से नीचे रेट किया है।

मूडीज के मुताबिक, अमेरिका का बढ़ता कर्ज और उस पर ब्याज अब गंभीर चिंता का विषय है। अमेरिका का वित्तीय बोझ समान रेटिंग वाले अन्य देशों से कहीं ज्यादा हो गया है। भविष्य में उधारी की बढ़ती जरूरत अर्थव्यवस्था पर लंबे समय तक दबाव बनाए रखेगी। हालांकि मूडीज ने अमेरिका के लिए स्थिर आउटलुक बरकरार रखा है लेकिन फेडरल रिजर्व की स्वतंत्रता पर पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप की टिप्पणियों से यह स्थिरता खतरे में भी पड़ सकती है।

रेटिंग गिरने के बाद अमेरिका में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया है। व्हाइट हाउस प्रवक्ता कुश देसाई ने इसके लिए बाइडन प्रशासन की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी अमेरिका को फिर आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए वन बिग ब्यूटीफुल बिल÷ ला रही है। इस बिल में सरकारी खर्चों में कटौती, अनावश्यक योजनाओं को खत्म करने और बर्बादी रोकने की योजना है।

एलन मस्क के नेतृत्व वाले डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी ने सरकारी खर्चों को घटाने के लिए हजारों कर्मचारियों की छंटनी की है और USAID जैसी संस्थाओं के बजट में कटौती की गई है।

हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप प्रशासन के टैक्स कट और सोशल स्कीम में कटौती जैसे प्रस्ताव लंबे समय में अमेरिका के कर्ज को 3.3 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ा सकते हैं।

अब शेयर बाजार में उतरेंगे ग्रामीण बैंक, बड़ी योजना का तैयारी में केंद्र सरकार

बिजनेस डेस्क। सरकार अब क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में निवेशकों और आम जनता के भरोसे को मजबूत करने के लिए उन्हें शेयर बाजार में सूचीबद्ध (लिस्ट) कराने की योजना बना रही है। इसका उद्देश्य इन बैंकों को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और निवेश योग्य बनाना है। केंद्र सरकार चाहती है कि वर्ष 2027 तक कम से कम पांच आरआरबी को शेयर बाजार में लिस्ट कराया जाए। ग्रामीण बैंकिंग को मजबूत करने के लिए सरकार पहले ही One State, One RRB नीति लागू कर चुकी है। इसके तहत देशभर के कई क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का आपस में विलय किया गया है। इस प्रक्रिया के बाद आरआरबी की संख्या 43 से घटकर 28 रह गई है। नवीनतम विलय 1 मई 2025 से प्रभाव में आया, जिसके बाद अब 29 आरआरबी, भारत के 26 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों में काम कर रहे हैं। ये बैंक अब देशभर में 22,000 से अधिक शाखाओं के माध्यम से लगभग 700 जिलों में ग्रामीण जनता को सेवाएं दे रहे हैं।

सरकार का उद्देश्य है कि ये बैंक सिर्फ ग्रामीण स्तर पर ही सेवाएं न दें, बल्कि पारदर्शी और भरोसेमंद वित्तीय संस्थान के रूप में विकसित होकर आम निवेशकों के लिए भी आकर्षक बनें।

क्वालिटी वाले म्यूचुअल फंड सेफ्टी नेट के साथ निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। आज के बाजार में, जहां अनिश्चितता ही एकमात्र स्थिरता है, इस सोच ने नए सिरे से इन्वेस्टिंग के तरीकों को बदला है। क्वालिटी वाले म्यूचुअल फंड उन कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जिन्होंने बाजार में अपनी जगह बनाई है। ये वित्तीय रूप से मजबूत होते हैं, लगातार मुनाफा देते हैं, साफ-सुथरा इनका कॉर्पोरेट गवर्नेंस होता है, साथ ही अनुभवी नेतृत्व होता है।

क्वालिटी इन्वेस्टिंग में निरंतरता का मतलब ग्रोथ का त्याग नहीं है। इसके विपरीत, क्वालिटी कंपनियां आम तौर पर सस्टेनेबल अर्निंग देती हैं और कैपिटल को बेहतर तरीके से इन्वेस्ट करती हैं। हालांकि, ये रातोंरात लाभ नहीं दे सकती हैं, लेकिन ये समय के साथ वैल्यू को लगातार बढ़ाती हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि क्वालिटी इन्वेस्टिंग लॉन्ग-टर्म रिटर्न को बनाए रखने के लिए उचित कीमत पर खरीदारी पर भी जोर देती है।

क्वालिटी वाले म्यूचुअल फंड की एक प्रमुख ताकत फ्लेक्सिबिलिटी है। फंड मैनेजर किसी एक सेक्टर या कंपनी के साइज तक सीमित नहीं होते। वे लार्ज-कैप, मिड-कैप और चुनिंदा स्मॉल-कैप स्टॉक्स में जाते हैं, जो इस बात पर आधारित होते हैं कि असली क्वालिटी कहां है। इसका मतलब है कि निवेशक कोर थीम पर से ध्यान हटाए बिना डायवर्सिफिकेशन से लाभ उठाते हैं।

इसके अलावा, ऐसे फंडों पर काफी रिचर्स किया जाता है जो यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक चयन सॉलिड मैट्रिक्स पर आधारित है रिटर्न ऑन इक्विटी, रिटर्न ऑन इन्वेस्टेड कैपिटल, फ्री कैश फ्लो और पूरे बिजनेस का हेल्थ। अभी, कई क्वालिटी वाले स्टॉक अन्य निवेश शैलियों की तुलना में हाल ही में अंडरपरफॉर्मेंस के कारण उचित वैल्यूएशन पर ट्रेड कर रहे हैं। यह निवेशकों के लिए आकर्षक कीमतों पर हाई-क्वालिटी वाले बिजनेस में प्रवेश करने का एक अनूठा अवसर देता है। नीतिगत बदलावों से लेकर जियोपॉलिटिकल टेंशन तक वैश्विक चुनौतियों के जल्द ही खत्म होने की संभावना नहीं है। ऐसे में क्वालिटी-फोकस पोर्टफोलियो एक संतुलित वाहन की तरह काम करता है।

क्वालिटी म्यूचुअल फंड सिर्फ रिटर्न ही नहीं देते बल्कि भरोसा भी देते हैं। वे कुछ ऐसा हैं जो लंबे समय तक चलता है। यह शोध से प्रेरित है, अनुशासन पर आधारित और निवेशक की दीर्घकालिक दृष्टि के साथ जुड़ा है।

अगले हफ्ते आएगा इस ऑटो कंपोनेंट कंपनी का आईपीओ, इंग्लैंड से लेकर जापान तक करती है सप्लाई

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑटोमोबाइल कंपोनेंट बनाने वाली कंपनी बेलराइज इंडस्ट्रीज का अगले हफ्ते आईपीओ आने वाला है। यह पब्लिक ऑफर 21 मई को खुलकर 23 मई को बंद होगा। कंपनी ने कहा है कि एंकर इन्वेस्टर्स के बोली लगाने के लिए 20 मई की तारीख तय की गई है।

इस आईपीओ से कंपनी का 2150 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य है। इसके लिए इसने 85 से 90 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। कंपनी के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के अनुसार आईपीओ से जुटाई गई रकम से 1618 करोड़ रुपये वह कर्ज लौटाने में इस्तेमाल करेगी। दिसंबर 2024 में कंपनी पर 2600 करोड़ रुपये का कर्ज था।

बेलराइज इंडस्ट्रीज टू व्हीलर, थ्री व्हीलर, फोर व्हीलर, कमर्शियल व्हीकल और खेती में इस्तेमाल होने वाले वाहनों के लिए कई तरह के सेफ्टी सिस्टम बनाती है। कंपनी की वेबसाइट पर दी जानकारी के मुताबिक यह मेटल फैब्रिकेशन के साथ पॉलीमर, टू-व्हीलर के मिरर, सस्पेंशन और सब-असेंबली की भी मैन्युफैक्चरिंग करती है।

भारत में बेचने के अलावा यह अपने प्रोडक्ट ऑस्ट्रिया, स्लोवाकिया, इंग्लैंड, जापान और थाईलैंड को निर्यात भी करती है। इसके ग्राहकों में बजाज ऑटो, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया, हीरो मोटोकॉर्प, जगुआर लैंडरोवर और रॉयल एनफील्ड मोटर्स भी शामिल हैं।

कंपनी की इस समय 17 मैन्युफैक्चरिंग यूनिट हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में इसका रेवेन्यू 7484.24 करोड़ और प्रॉफिट 310.18 करोड़ रुपये था। उससे एक साल पहले रेवेन्यू 6582.50 करोड़ और प्रॉफिट 313.66 करोड़ रुपये था। कंपनी ने आधा इश्यू क्वॉलिफाइड इंस्टीट्यूशनल खरीदारों के लिए रिजर्व रखा है। रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए 35 प्रतिशत शेयर हैं। बाकी 15त्न शेयर नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रखे गए हैं। इन्वेस्टर्स को कम से कम 166 शेयरों के लिए आवेदन करना होगा।

अपना बिजनेस शुरू करने का सुनहरा मौका, पीएम जन औषधि का रजिस्ट्रेशन फिर खुला

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम जन औषधि योजना की ऑफिशियल एक्स हैंडल पर एक पोस्ट साझा हुई है। इस पोस्ट के जरिए जनता को सूचित किया गया है कि जन औषधि योजना का रजिस्ट्रेशन फिर से शुरू हो गया है। इस योजना के तहत अगर कोई व्यक्ति मेडिकल दुकान शुरू करता है, तो उसे सरकार की तरफ से वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

अपना जन औषधि केंद्र खोलकर आत्मनिर्भर बनें और सस्ती दवाइयों के माध्यम से समाज की सेवा करें। कम निवेश में ज़्यादा लाभ और समाज के लिए सस्ती दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

अगर आप जन औषधि योजना के तहत बिजनेस शुरू करते हैं, तो दवाई की एमआरपी पर 20 फीसदी का मुनाफा मिलता है। मसलन मान लीजिए एक दवाई का स्ट्रिप की कीमत 100 रुपये है, तो इसे बेचने पर आपको 20 रुपये का लाभ मिल जाएगा।

इसके साथ ही एसटी/एससी, महिलाओं और दिव्यांगजन को इस स्कीम के तहत ज्यादा फायदे मिल सकते हैं। इसके अलावा अगर इस योजना के तहत कोई दवा घर हिमालय या नॉर्थ ईस्टर्न स्टेट में खोला जाता है, तो सरकार की तरफ से 2 लाख रूपये का इंसेंटिव प्रदान किया जाएगा।

इसके बिना नहीं मिलेगा लाभ- वेबसाइट से मिली जानकारी के मुताबिक अगर आप जन औषधि परियोजना में अप्लाई करना चाहते हैं, तो डी फार्मा या बी फार्मा की डिग्री होना जरूरी है। अगर आपके पास इन दोनों में से कोई भी डिग्री नहीं है, तो ऐसे व्यक्ति को दुकान में रखना होगा, जिसके पास ये डिग्री उपलब्ध हो।

रणनीतिक स्थानों पर स्थापित हाई-स्पीड चार्जर्स से इंटरसिटी और अर्बन ईवी मोबिलिटी को मिलेगा नया आयाम

भोपाल। भारत की सबसे बड़ी 4-व्हीलर ईवी निर्माता और देश की ईवी क्रांति की अग्रणी कंपनी टाटा डाट ईवी ने आज अपने पहले 10 टाटा डाट ईवी मेगाचार्जर्स का उद्घाटन किया। यह हाई-स्पीड चार्जर्स की सीरीज चार्जज़ोन और स्टैटिक के साथ साझेदारी में शुरू की गई है, जो टाटा डाट ईवी की उस प्रतिबद्धता का हिस्सा है जिसके तहत कंपनी ने 2027 तक देशभर में चार्जिंग पॉइंट्स की संख्या को दोगुना से अधिक बढ़ाकर 4 लाख करने का लक्ष्य रखा है। भारत में इलेक्ट्रिफिकेशन के अगले चरण को गति देते हुए, टाटा डाट ईवी ने अपने ओपन कोलेबोरेशन फ्रेमवर्क के माध्यम से न केवल कई चार्ज प्वाइंट ऑपरेटर (सीपीओ) और ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) के साथ मजबूत साझेदारियाँ की हैं, बल्कि प्रमुख राजमार्गों और शहरी क्षेत्रों में चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का तेज़ी से विस्तार भी किया है। इसी फ्रेमवर्क के अंतर्गत टाटा डाट ईवी मेगाचार्जर नेटवर्क की शुरुआत की गई है, जो हाई-स्पीड चार्जिंग और बेहतरीन विश्वसनीयता प्रदान करेगा। टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर श्री बालाजी राजन ने पहले 10 टाटा डाट ईवी मेगाचार्जर साइट्स के शुभारंभ पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, जब भारत में ईवी अपनाने की गति तेज हो रही है, तब एक व्यापक और भरोसेमंद चार्जिंग नेटवर्क समय की मांग है। देश के प्रमुख ईवी कॉरिडोर्स में इन पहले 10 टाटा डाट ईवी मेगाचार्जर साइट्स की स्थापना एक सुपरफास्ट चार्जिंग नेटवर्क की शुरुआत है, जिसे हम देश के बड़े राजमार्गों पर फैलाएंगे। यह नेटवर्क भारत के सभी प्रमुख शहरों को जोड़ते हुए चार्जिंग की चिंता को खत्म करेगा। हमारा मिशन है – तेज़, भरोसेमंद और सहज चार्जिंग सुविधा उपलब्ध कराना ताकि देशभर में निर्बाध ईवी मोबिलिटी सुनिश्चित हो सके – और यह तो बस शुरुआत है।

टाटा डाट ईवी ने भारत के प्रमुख राजमार्गों और शहरी केंद्रों पर रणनीतिक रूप से 10 टाटा डाट ईवी मेगाचार्जर्स लगाए हैं, ताकि तेज़ और सुविधाजनक चार्जिंग विकल्प मुहैया कराया जा सके। ये हाई-कैपेसिटी चार्जर्स उन क्षेत्रों में स्थित हैं जहां ईवी की संख्या अधिक है, जिससे उपयोगकर्ताओं को आराम, गति और सुविधा मिलती है। टाटा डाट ईवी ने देशभर में कुल 500 टाटा डाट ईवी मेगाचार्जर्स लगाने का लक्ष्य रखा है। नीचे पहले चरण के अंतर्गत लगाए गए 10 चार्जर्स की सूची दी गई है- मुंबई- अहमदाबाद राजमार्ग चार्जज़ोन की साझेदारी में टाटा डाट ईवी ने गुजरात और महाराष्ट्र को जोड़ने वाले इस राजमार्ग पर तीन हाई-कैपेसिटी मेगाचार्जर्स लगाए गए हैं-, श्रीनाथ फूड हब, वडोदरा, शांति कॉम्प्लेक्स, वापी, होटल एक्सप्रेस इन, घोड़बंदर, लगभग 150-200 किमी की दूरी पर स्थित इन स्टेशनों में रेस्टोरेंट और शौचालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, ताकि प्रीमियम और भरोसेमंद चार्जिंग अनुभव डिलीवर किया जा सके। वडोदरा का 400 किलोवॉट मेगाचार्जर एक साथ 6 वाहनों को चार्ज कर सकता है और मात्र 15 मिनट में 150 किमी की रेंज प्रदान करता है। अन्य स्टेशनों पर 120 किलोवॉट तक की चार्जिंग स्पीड उपलब्ध है। प्रत्येक स्थान पर रेस्टोरेंट और शौचालय की सुविधा दी गई है, ऐसे में इस राजमार्ग पर आना-जाना करने वाले ईवी मालिकों को प्रीमियम के साथ ही भरोसेमंद और फास्ट चार्जिंग अनुभव का आनंद लेने का अवसर मिलेगा।

दिल्ली - जयपुर हाईवे स्टैटिक के साथ मिलकर टाटा डाट ईवी ने राष्ट्रीय राजधानी प्रक्षेत्र (दिल्ली) और जयपुर के बीच 270 किमी की दूरी पर 60 किमी के अंतराल पर चार टाटा डाट ईवी मेगाचार्जर्स स्थापित किए हैं- एसएस प्लाजा, सेक्टर 47, गुरुग्राम , होटल ओल्ड राव, कापरीवास , असली पप्पू ढाबा, हमजापुर, होटल हाईवे किंग, शाहपुरा, 270 किलोमीटर लंबे राजमार्ग पर रणनीतिक रूप से इन स्टेशनों को 60 किलोमीटर के अंतराल पर विकसित किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस 2025 पर भोपाल में सप्ताहव्यापी संग्रहालय मेला

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, मध्यप्रदेश द्वारा 18 मई 2025 से राजधानी भोपाल स्थित राज्य संग्रहालय परिसर, श्यामला हिल्स में सप्ताहव्यापी संग्रहालय मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के माध्यम से जनसामान्य को इतिहास और सांस्कृतिक धरोहरों से रूबरू कराने का अभिनव प्रयास किया गया है। इस अवसर पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के प्रमुख सचिव महोदय द्वारा वर्चुअल म्यूज़ियम केंद्र का शुभारंभ किया जाएगा। यह केंद्र आगंतुकों को एक अद्वितीय डिजिटल अनुभव प्रदान करेगा, जिसमें पहली बार वर्चुअल म्यूज़ियम यात्रा की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके अतिरिक्त, इस समारोह में संचालनालय के अधिकृत मैस्कॉट का लोकार्पण भी किया जाएगा। आयोजन के मुख्य अतिथि श्री शिव शेखर शुक्ला, प्रमुख सचिव संस्कृति विभाग होंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत एक छायाचित्र प्रदर्शनी ''भारत की सौर परंपरा का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें भारत के सूर्य मंदिर एवं मूर्तियों के माध्यम से प्रस्तुत की जाएंगी। यह प्रदर्शनी प्रातः 10:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक निशुल्क आमजन के लिए खुली रहेगी। 'संग्रहालय मेला' में विशेष प्रदर्शनियों, शैक्षणिक गतिविधियों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, बच्चों के लिए रचनात्मक कार्यशालाओं सहित विविध आयोजन होंगे, जो संग्रहालयों के प्रति जनसामान्य की रुचि और सहभागिता को सुदृढ़ करेंगे। प्रदेश के अन्य जोनल कार्यालयों - ग्वालियर, इंदौर एवं जबलपुर - में भी इस दिवस को विशेष रूप से मनाया जाएगा। ग्वालियर में अतीत से भविष्य के सेतु - हमारे संग्रहालय विषय पर व्याख्यानमाला का आयोजन मोती महल में किया जाएगा, जिसमें ख्यात विषय विशेषज्ञ विचार प्रस्तुत करेंगे। इंदौर में विंटेज इंदौर विषय पर प्रदर्शनी और संगोष्ठी आयोजित की जाएगी।

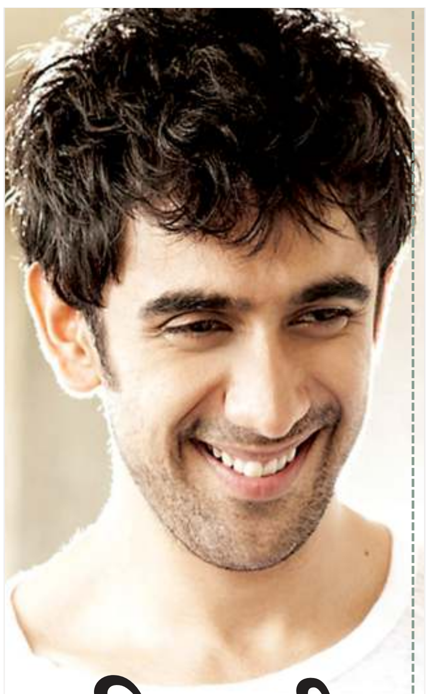

बाबिल की कंट्रोवर्सी पर बोले अमित साध

फिल्म 'पुणे हाइवे' को लेकर अमित साध इन दिनों चर्चा में हैं। बग्स भार्गव कृष्णा और राहुल दाकुन्हा ने इस फिल्म को निर्देशित किया है। अमित साध के अलावा इस फिल्म में जिम सरभ भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में इस फिल्म को लेकर ही अमित साध ने बातचीत की। अपने करियर से जुड़ी कई बातें भी साझा कीं। साथ ही बाबिल खान की हालिया कंट्रोवर्सी पर भी अपनी राय रखी।

बाबिल के बारे में ये कहा

अमित साध का मानना है कि जिंदगी किसी के लिए भी आसान नहीं है। बाबिल खान की हालिया कंट्रोवर्सी से वह इस बात को जोड़ते हैं। अमित साध कहते हैं, 'क्या हुआ उसने एक पोस्ट ही तो की है, अभी वो बच्चा है। जो लोग उसे टारगेट कर रहे हैं, वो खुद को देखें कि उन्होंने क्या कांड किए हैं। मैं जानता हूं कि बाबिल खान का परिवार उसके साथ खड़ा है, उसको सपोर्ट कर रहा है, उसे प्यार दे रहा है। देखिएगा, वह शानदार कमबैक करेगा। मैं भी उसके साथ काम करना चाहता हूं, फिल्म करना चाहता हूं, उसे बताना चाहता हूं कि वह कितना स्पेशल है।' बताते चलें कि कुछ दिन पहले इरफान खान के बेटे बाबिल खान की एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, जिसमें वह रोते दिखे और बॉलीवुड के कुछ सेलिब्रिटी को फेक बताते नजर आए। इसके बाद उन्होंने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दिया। एक दिन बाद बाबिल की टीम ने सफाई दी कि उन्हें एंजायटी अटैक पड़ते हैं और उनकी बातों का गलत मतलब लिया गया है। इस कारण से बाबिल को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल भी किया गया।

अमित बोले मैं भी बहुत कमजोर था

अमित साध यह भी बताते हैं कि जब आप इस इंडस्ट्री में आते हैं तो आपको तैयार रहना चाहिए कि लोग आपको जज करेंगे। वह कहते हैं, इस बात का असर आपके ऊपर हो सकता है, आप अलग-अलग तरह की चीजें सोचने पर मजबूर हो जाते हैं, गिरने की तरफ बढ़ने लगते हैं। लेकिन अगर आपके आसपास लोग ऐसे हैं, तो आपको सपोर्ट करते हैं तो आप बच जाते हैं। मैं भी बहुत कमजोर इंसान था, मुझे जल्दी ठेस पहुंच जाती थी। हां, अब मैं काफी मजबूत हूं। मेरी जिंदगी में अच्छे लोग आए, उनकी सलाह मैंने मानी।

फिल्म 'पुणे हाइवे' की क्या है कहानी

अमित साध की फिल्म 'पुणे हाइवे' की बात करें तो यह एक थ्रिलर ड्रामा है। इसमें तीन दोस्त हैं, जो एक मर्डर होने के बाद अलग-अलग तरह से प्रभावित होते हैं। फिल्म में अमित साध, जिम सरभ के अलावा स्मिता डोगरे, स्वप्निल अजगांवकर और मंजरी फडणीस जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे।

उर्फी जावेद ने बताई कान के रेड कार्पेट की सच्चाई

78वां कान फिल्म फेस्टिवल चल रहा है। 13 मई से शुरू हुआ यह फेस्टिवल 24 मई तक चलेगा। यहां दुनियाभर की फिल्मों का प्रीमियर होता है तो सिने जगत की चर्चित हस्तियां रेड कार्पेट पर जलवा बिखेरती हैं। इस साल उर्वशी रौतेला, नितांशी गोयल जैसी अभिनेत्रियों ने कान में हिस्सा लिया है। उर्फी जावेद भी कान फिल्म फेस्टिवल में जाने वाली थीं, लेकिन उनका वीजा रिजेक्ट हो जाने के कारण वे हिस्सा नहीं ले पाईं। हाल ही में उन्होंने कान के रेड कार्पेट पर चलने के लिए टिकट खरीदारी के बारे में बात की।

कान में जाना काबिलियत पर आधारित नहीं उर्फी जावेद ने कान फिल्म फेस्टिवल से जुड़ी एक सच्चाई बताई है। उन्होंने कहा कि कान जाने का अवसर आपकी काबिलियत पर आधारित नहीं है। ब्रांड्स रेड कार्पेट के लिए टिकट खरीदते हैं और उन्हें अपने ब्रांड का प्रतिनिधित्व करने के लिए दिग्गज फिल्मी हस्तियों/ इन्फ्लुएंसर्स को देते हैं। उर्फी ने आगे कहा कि कोई निजी तौर पर भी टिकट खरीद सकता है।

फिल्म का प्रीमियर बड़ी उपलब्धि

उर्फी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर इसे लेकर नोट लिखा है। उन्होंने आगे लिखा, निजी तौर पर भी कान के रेड कार्पेट पर चलने के लिए टिकट खरीदे जा सकते हैं। कान के रेड कार्पेट पर चलना कोई उपलब्धि नहीं है, मेरे लिए भी नहीं। यह खुद के प्रमोशन का एक अवसर है। यही सच्चाई है, जो मैंने यहां बताई। जब तक कि आपकी फिल्म का प्रीमियर इस फेस्टिवल में नहीं हो रहा हो यह कोई उपलब्धि नहीं। हां, फिल्म का यहां प्रीमियर होना उपलब्धि है। रेड कार्पेट पर चलने के लिए आप टिकट खरीद सकते हैं अगर आपके पास पैसा है। इसके अलावा ब्रांड्स भी आपको स्पॉन्सर कर सकते हैं।

उर्फी को मिला था मौका, लेकिन...

बीते दिनों उर्फी जावेद ने खुलासा किया कि वे कान 2025 में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'मुझे इंडे वाइल्ड के जरिए कान जाने का मौका भी मिला था (दीपा खोसला और क्षितिज कांकरिया को बहुत-बहुत धन्यवाद) लेकिन जैसा मेरी किस्मत में लिखा था, मेरा वीजा रिजेक्ट हो गया। मैं कुछ मजेदार आउटफिट आइडिया पर काम कर रही थी, लेकिन वीजा रिजेक्ट होने के बाद मैं और मेरी टीम बेहद निराश हो गई है।'

एक्टर जहान कपूर ने बताया नेपोटिज्म का मतलब

दिवंगत अभिनेता शशि कपूर के पोते जहान कपूर ने इस साल सीरीज ब्लैक वारंट में अपने किरदार से दर्शकों का दिल जीता है। हाल ही में जहान ने इंडस्ट्री में नेपोटिज्म को लेकर बात की। जहान ने कहा कि उन्होंने अपने सरनेम को कभी हल्के में नहीं लिया। एक्टर ने कहा कि उन्हें इससे डर लगा। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें सरनेम का फायदा क्यों नहीं उठाना चाहिए।

क्या है नेपोटिज्म का मतलब?

जहान कपूर ने विक्रमादित्य मोटवाने की नेटफ्लिक्स सीरीज ब्लैक वारंट में जेलर सुनील कुमार गुप्ता के किरदार में नजर आए। जहान ने नेपोटिज्म को अनुचित फायदा बताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने सरनेम को कभी हल्के में नहीं लिया। जहान ने फिल्मफेयर से बातचीत में बताया कि नेपोटिज्म का क्या मतलब है? जहान के मुताबिक, यह एक अयोग्य, गैर-योग्यतापूर्ण लाभ है जो किसी को निजी इक्वेशन के कारण दिया जाता है।

सरनेम ने डरा दिया

जहान ने आगे कहा कि वास्तव में कपूर नाम और उसके बैगेज ने उन्हें काफी डरा दिया। उन्हें लगता कि उनके लिए अगर कोई दरवाजा खुला और उन्होंने मौके का पूरा फायदा नहीं उठाया, अगर वे तैयार नहीं हुए, या उनके पास अपने पैरों पर खड़े होने और आत्मविश्वास से मौके को पाने के साधन नहीं हुए तो वह सबसे बड़ा नुकसान होगा। जहान ने कहा, मतलब लाना है मुझ पर।

अपना नाम बनाने में 12 साल लग गए

जहान के मुताबिक मेरा नजरिया यही है कि क्यों मुझे सरनेम का फायदा नहीं उठाना चाहिए, बल्कि अपनी पूरी तैयारी करनी चाहिए। ऐसा नहीं है कि मुझे कुछ मुफ्त में दिया गया हो। आपको लगता है कि यह आसान है? आपका नाम है। मुझे इसमें 12 साल लग गए।

पलक तिवारी ने बताया रोमियो एस 3 में काम करने का अनुभव

अभिनेत्री पलक तिवारी की एक्शन फिल्म रोमियो एस 3 सिनेमाघरों में रिलीज के हो गई है। इस बीच उन्होंने अपने किरदार से जुड़ी खास बातों के साथ ही बताया कि फिल्म में काम करने का उनका अनुभव कैसा रहा। पलक ने बताया कि पत्रकार बनने के लिए उन्होंने कैसे तैयारी की। एक्शन से भरपूर फिल्म में एक मजबूत पत्रकार का किरदार निभाना पलक के करियर में एक नया अध्याय जोड़ता है। उन्होंने बताया कि इस किरदार के लिए उन्होंने तैयारी कैसे की। उन्होंने बताया, यह मेरे लिए बहुत अहम था। मैंने इस किरदार को निभाने के लिए बहुत स्टडी की और यह समझा कि असली पत्रकार कैसे काम करते हैं, खासकर मुश्किल हालात में। मैंने स्क्रीन पर वह गंभीरता और लगन दिखाने की कोशिश की। मैं चाहती हूं कि दर्शक फिल्म में मनोरंजन का आनंद लें। मेरा नया अंदाज दर्शकों को पसंद आएगा।

पलक तिवारी ने बताया, मैं इस फिल्म में एक निडर और जिज्ञासु पत्रकार का किरदार निभा रही हूं, जो हमेशा अपने उसूलों पर कायम रहती है। यह रोल मुझे इसलिए अच्छा लगा क्योंकि पेन स्टूडियोज और जयंतीलाल गड़ा जी का सपोर्ट था, जिससे मुझे इस रोल को निभाने का विश्वास मिला। इसके साथ ही पलक ने एक्शन और थ्रिलर फिल्म में काम करने के अपने अनुभव को भी शेयर किया। उन्होंने बताया, यह अनुभव काफी मजेदार रहा, यह मेरे लिए नया और सेट पर जो माहौल था, वो बहुत प्रेरित करने वाला था। पेन स्टूडियोज जैसे बड़े प्रोडक्शन हाउस के साथ काम करने से यह और भी खास हो गया। पलक ने बताया कि गुड्डू धनोवा के साथ काम करने का उनका अनुभव शानदार रहा। उन्होंने बताया, सर के साथ काम करने का अनुभव बहुत अच्छा रहा। वह बहुत क्लियर हैं अपनी सोच में और पूरे काम को आसान और मजेदार अंदाज में पेश करते हैं। पेन स्टूडियोज के साथ काम करने का अनुभव शानदार था।

परफॉर्मेंस से पहले होती थी घबराहट, अब रहती हूं उत्साहित

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रुति हासन ने बात करते हुए बताया कि पहले स्टेज पर जाने से पहले उन्हें घबराहट महसूस होती थी, लेकिन समय के साथ उन्होंने इसे कैसे काबू करना सीखा है। श्रुति हासन ने अपने सफर के बारे में बताया कि भले ही परफॉर्मेंस से पहले की घबराहट अब भी बनी रहती है, लेकिन अब वह उस घबराहट को प्रेरणा और जोश का स्रोत मानती हैं।

जब श्रुति से पूछा कि क्या वह कभी परफॉर्मेंस से पहले नर्वस होती हैं, तो उन्होंने कहा, पहले मैं परफॉर्म करने से पहले बहुत नर्वस हो जाती थी, बहुत ज्यादा नर्वस। अब समय के साथ मैं बहुत बेहतर हो गई हूं, लेकिन फिर भी मुझे एक हल्की सी घबराहट, एक उत्साह का एहसास होता है। यह बस परफॉर्मेंस से पहले की घबराहट है, जिसे मैं बहुत अच्छा मानती हूं, यह मुझे प्रेरित करती है। लेकिन मैं हमेशा प्रैक्टिस के लिए समय जरूर निकालती हूं। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे लगता है कि मेरा बैंड कभी-कभी थोड़ा परेशान हो जाता है क्योंकि मैं हमेशा ज्यादा प्रैक्टिस के लिए कहती रहती हूं। मुझे म्यूजिक के लिए रिहर्सल करना बहुत पसंद है, और मैं चाहती हूं कि जितना हो सके, उतना रिहर्सल करूं। हालांकि जब एक्टिंग की बात आती है, तो मुझे बहुत ज्यादा प्रैक्टिस पसंद नहीं है। लेकिन म्यूजिक के मामले में मैं ज्यादा से ज्यादा रिहर्सल करने को तैयार रहती हूं, क्योंकि मैं इसे अपनी परफॉर्मेंस का एक जरूरी हिस्सा मानती हूं। श्रुति हासन ने म्यूजिक जर्नी के बारे में कहा कि लाइव परफॉर्म करने के लिए उनके कुछ पसंदीदा गाने वॉश मी अवे बेहद खास हैं। यह गाना मेरे दिल के बहुत करीब है। जब वह इस गाने पर लाइव परफॉर्म करती हैं, तो इसमें एक चुनौती भी होती है, क्योंकि हर शब्द को सही तरीके से गाने की जिम्मेदारी होती है। यह चुनौती एक मजा और आनंद का हिस्सा है। जब एक्ट्रेस से उनके पसंदीदा सिंगर के बारे में पूछा गया, तो श्रुति ने कहा कि उनका कोई एक पसंदीदा नहीं है। इसकी बजाय, उन्हें भारतीय शास्त्रीय संगीत से लेकर रॉक एंड रोल तक, हर प्रकार के संगीत में अलग-अलग आवाजों को सुनना पसंद है। वर्कफ्रंट की बात करें तो श्रुति हासन सुपरस्टार रजनीकांत के साथ फिल्म कुली में नजर आएंगी।

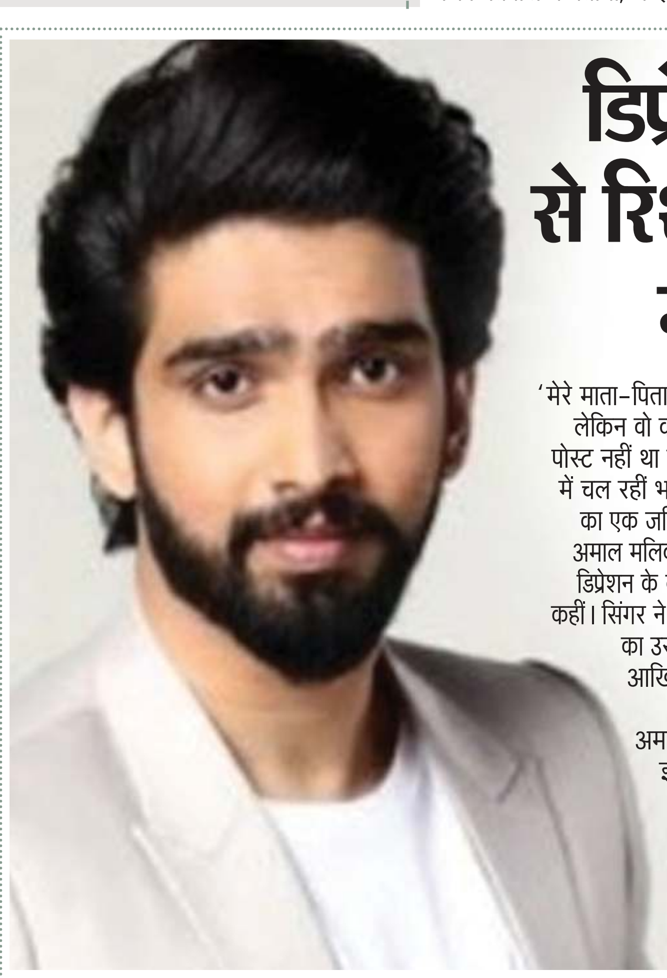

डिप्रेशन के बाद परिवार से रिश्ता तोड़ने पर अमाल मलिक ने तोड़ी चुप्पी

'मेरे माता-पिता को बहुत बुरा लगा था। लेकिन वो कोई गुस्से में लिखा गया पोस्ट नहीं था बल्कि लंबे समय से मन में चल रहीं भावनाओं को जाहिर करने का एक जरिया था।' बॉलीवुड सिंगर अमाल मलिक ने यह सारी बातें अपने डिप्रेशन के बाद वाले पोस्ट को लेकर कहीं। सिंगर ने बताया कि उनके परिवार का उस पर क्या रिएक्शन था। आखिर क्यों उन्होंने वो कदम उठाया था।

अमाल मलिक ने तोड़ी चुप्पी इंटरव्यू में अमाल मलिक ने इस मुद्दे पर चुप्पी तोड़ते हुए बताया है कि उनके परिवार में इसके बाद क्या-क्या हुआ। अमाल ने इंटरव्यू में साफ किया कि यह कोई गुस्से में लिखा गया पोस्ट नहीं था, बल्कि उन्होंने लंबे समय से दबी हुई भावनाओं को जाहिर किया था। उन्होंने कहा, 'कभी-कभी हम अपने दिल की बात सालों तक दबाए रखते हैं। मैं भी वैसा ही कर रहा था। मुझे लगा कि अब वक्त है उन्हें बाहर निकालने का।'

अमाल ने आगे कहा, 'लोग अक्सर सोचते हैं कि परिवार की बातें सार्वजनिक नहीं होनी चाहिए, लेकिन कई बार सबसे करीब के लोग ही हमारी तकलीफ नहीं समझ पाते। मैं, अरमान, मम्मी-पापा, हम चारों एक मजबूत यूनिट हैं। लेकिन हर इंसान के अंदर एक संघर्ष होता है, जो बाहर से नजर नहीं आता। हो सकता है अरमान भी कुछ छुपा रहा हो, जैसे मैं कर रहा था।'

परिवार का क्या रिएक्शन?

इस भावनात्मक खुलासे के बाद सबसे बड़ा सवाल था कि क्या इससे अमाल के परिवार में दरार आ गई? इस पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'मेरे माता-पिता थोड़े आहत जरूर हुए, लेकिन उन्होंने मेरी भावना को समझा। इस बातचीत ने हमें और करीब ला दिया है। हम एक-दूसरे से ज्यादा खुलकर बात करने लगे हैं।'

भाई अरमान से रिश्ते पर कही बड़ी बात

अरमान के बारे में पूछे जाने पर अमाल ने भावुक होकर कहा, 'मेरे और अरमान के रिश्ते को दुनिया जानती है। वो रिश्ता इतना मजबूत है कि कोई भी चीज उसे बदल नहीं सकती। हम दोनों के बीच जो प्यार है, वो हमेशा रहेगा।'

अमाल मलिक ने पोस्ट में क्या लिखा?

20 मार्च 2025 को कंपोजर-सिंगर अमाल मलिक ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट की, जिसमें उन्होंने लिखा, 'मैं अब ऐसी जगह पहुंच गया हूं, जहां मेरी शांति छीन चुकी है। इस वजह से मैं डिप्रेस हो गया हूं। इसके लिए मैं खुद को और अपने करीबी लोगों को दोष देता हूं। मैं भारी दिल से घोषणा करता हूं कि अपने करीबी लोगों से रिश्ते खत्म कर रहा हूं।' अमाल के इस पोस्ट के बाद उनके फैंस हैरान रह गए थे।

बोनी कपूर ने बताई सच्चाई, इस वजह से दिलजीत दोसांझ ने छोड़ी 'नो एंट्री 2

साल 2005 में आई बोनी कपूर के प्रोडक्शन तले बनी सुपरहिट कॉमेडी फिल्म 'नो एंट्री' के सीक्वल को लेकर पिछले काफी वक्त से चर्चाएं हो रही हैं। फिल्म की स्टार कास्ट भी फाइनल होने लगी थी। हालांकि, अब ताजा चर्चाएं ये हैं कि दिलजीत दोसांझ ने फिल्म से खुद को अलग कर लिया है। अब वो फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। इसके पीछे क्रिएटिव डिफरेंस को वजह बताया जा रहा था। लेकिन अब निर्माता बोनी कपूर ने इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने साफ किया है कि इस पूरे मामले में सच्चाई क्या है। दिलजीत के क्रिएटिव डिफरेंस के चलते फिल्म से बाहर होने की चर्चाओं पर निर्माता बोनी कपूर ने प्रतिक्रिया दी है और असली बात को बताया है। बोनी कपूर ने दिलजीत के फिल्म से खुद को अलग करने के बारे में हामी भरते हुए बताया कि हां, तारीखों को लेकर कुछ समस्याएं हैं। लेकिन निश्चित रूप से कोई रचनात्मक मतभेद नहीं है। यह बिल्कुल गलत है। हम तारीखों को लेकर पूरी कोशिश कर रहे हैं। बोनी कपूर ने साफ किया कि दिलजीत के पास डेट्स इश्यू आ रहे हैं, न कि क्रिएटिव मतभेद हैं।

प्रज्ञानानंदा नें सुपरबेट क्लासिक शतरंज का खिताब जीतकर रचा इतिहास

बुखारेस्ट, रोमानिया (एजेंसी)। भारत के 19 वर्षीय ग्रांडमास्टर प्रज्ञानानंदा आर ने सुपरबेट चैस क्लासिक का जीतकर अपना पहला ग्रांड चेस टूर खिताब हासिल कर लिया है । एक बेहद रोमांचक तीन-तरफ़ा टाईब्रेक में उन्होंने फ्रांस के अलीरेज़ा फिरोज़ा और मैक्सिम वाचिए-लाग्राव को पीछे छोड़ते हुए यह खिताब अपने नाम किया। यह इस वर्ष उनका दूसरा बड़ा खिताब है और इसके साथ ही उन्होंने फीडे सर्किट 2025 में अपनी शीर्ष स्थिति को और मजबूत किया है और एक तरह से अगले कैंडिडैट के लिए अपना दावा मजबूत कर लिया है । 7 से 16 मई तक बुखारेस्ट में आयोजित इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में विश्व के 10 शीर्ष ग्रांडमास्टर्स ने भाग लिया। टूर्नामेंट की शुरुआत से ही अंकतालिका में करीबी मुकाबला देखने को मिला और कोई स्पष्ट लीडर नहीं था। परंतु नौवें राउंड में अमेरिका के वेस्ली सो के

खिलाफ निर्णायक जीत के साथ प्रज्ञानानंदा ने बढ़त बना ली।

फाइनल राउंड का रोमांच – अंतिम राउंड में प्रज्ञानानंदा ने लेवोन अरोनियन के खिलाफ एक आसान ड्रॉ खेलकर कम से कम सयुंक्त पहले स्थान की गारंटी कर ली थी। फबियानों कारुआना को विश्व चैंपियन डी गुकेश के खिलाफ जीत की ज़रूरत थी, परंतु वह काले मोहरों से कोई मौका नहीं बना सके और मुकाबला ड्रॉ रहा।

वहीं दूसरी ओर अलीरेज़ा फिरोज़ा ने मेजबान देश के बोगदान-डैनियल डैक के खिलाफ बेहद जोखिम उठाते हुए खेला। डैक ने 52वीं चाल पर बड़ी चूक कर दी, और फिरोज़ा ने पूरा अंक हासिल कर लिया। इसी तरह मैक्सिम वाचिए-लाग्राव ने पोलैंड के जान-क्रिज़्स्टॉफ डूडा की एक गलती का लाभ उठाते हुए जीत दर्ज की।

टाईब्रेक में दिखा प्रज्ञानानंदा का कमाल

प्रज्ञानानंदा, फिरोज़ा और एमवीएल के बीच चैंपियन तय करने के लिए 5 मिनट + 2 सेकंड की बढ़त के साथ एक राउंड–रॉबिन टाईब्रेक खेला गया। पहला मुकाबला अलीरेज़ा और प्रज्ञानानंदा के बीच गिउको पियानो ओपनिंग में खेला गया, जो संतुलित खेल के बाद ड्रॉ रहा। दूसरे मुकाबले में एमवीएल और फिरोज़ा ने भी अंक बाँटे, जहाँ फिरोज़ा ने काले मोहरों से कैरो–कैन डिफेंस में शानदार बचाव किया।निर्णायक मुकाबला प्रज्ञानानंदा बनाम वाचिए–लाग्राव के बीच हुआ। एंडगेम में वाचिए–लाग्राव ने पहले बराबरी का मौका गंवाया और फिर कुछ चालों बाद निर्णायक भूल कर बैठे। प्रज्ञानानंदा ने इसका पूरा फायदा उठाते हुए जीत दर्ज की और खिताब अपने नाम किया।

यह जीत न केवल प्रज्ञानानंदा के करियर की एक बड़ी उपलब्धि है, बल्कि यह दर्शाता है कि वह अब विश्व शतरंज के शिखर पर स्थायी रूप से जगह बना चुके हैं। ग्रांड चैस टूर जैसे मंच पर उनकी यह जीत भारतीय शतरंज के लिए एक और ऐतिहासिक क्षण है।

विश्व चैम्पियन डी गुकेश नें अंतिम दो राउंड में 1.5 अंक बनाते हुए अंतिम समय में अंक तालिका में सातवाँ स्थान हासिल करते हुए टूर्नामेंट का समापन किया ।

इंग्लैंड दौरे के लिए ऋषिकेश कानितकर भारत-ए टीम के कोच होंगे

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऋषिकेश कानितकर को इंग्लैंड दौरे के लिए भारत ए टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। कानितकर अभिमन्यु ईश्वरन की अगुआई वाली टीम की देखरेख करेंगे। भारत-ए टीम इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैच खेलेगी। इसके बाद एक मैच भारत की सीनियर टीम के खिलाफ भी खेलेगी, जो बाद में इंग्लैंड का दौरा करेगी।

कानितकर के अलावा असम के सुभोदीप घोष (फील्डिंग कोच) और ट्रॉय कूली (गेंदबाजी कोच) भी भारत-ए टीम के साथ इंग्लैंड का दौरा करेंगे। भारत की 18 सदस्यीय टीम के 25 या 26 मई को इंग्लैंड रवाना होने की उम्मीद है। भारत-ए और इंग्लैंड लायंस के बीच पहला चार दिवसीय मैच 30 मई से कैंटरबरी में खेला जाएगा।

नॉर्थैम्पटन में छह जून से शुरू होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच के बाद भारत ए टीम बेकनहम में 13 से 16 जून तक भारत सीनियर टीम के खिलाफ इंट्रा-स्क्वॉड मैच खेलेगी। बीसीसीआई ने कहा है कि शुभमन गिल और साई सुदर्शन इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे मैच से पहले ए टीम से जुड़ जाएंगे। वहीं, क्रिकबज की रिपोर्ट में यह बताया गया है कि इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की सीनियर टीम का चयन मई के अंतिम सप्ताह में किया जाएगा। इसका चयन शुरू में 23 मई को किया जाना था, लेकिन आईपीएल के स्थगित होने और फिर से शुरू होने के कारण, इसमें देरी होने की संभावना है।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की सीनियर टीम 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होने वाले पहले टेस्ट से लगभग दो सप्ताह पहले छह जून को रवाना होगी। मुख्य कोच गौतम गंभीर के इंग्लैंड दौरे के लिए जल्दी रवाना होने की सूचना थी। हालांकि, अब क्रिकबज ने बताया है कि वह सामान्य कार्यक्रम के मुताबिक टीम के साथ यात्रा करेंगे। भारत को पांच टेस्ट मैच खेलने हैं, जिसके अगले चार मैच बर्मिंघम (दो जुलाई से), लॉर्ड्स (10 जुलाई से), मैनचेस्टर (23 जुलाई से) और द ओवल (31 जुलाई से) में खेले जाएंगे।

सुरेश रैना ने कहा विराट कोहली को भारत रत्न दो... सचिन तेंदुलकर की तरह होगा सम्मान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। विराट के इस फैसले से दुनियाभर के क्रिकेट फैंस हैरान थे। दिग्गजों ने भी विराट के इस फैसले पर सवाल खड़े

किए थे। इसी बीच टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने विराट कोहली को देश का सबसे बड़ा खिताब देने की मांग की है।

विराट को भारत रत्न देने की मांग – पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने विराट कोहली को भारत रत्न देने की बात कही है। कोहली ने देश के लिए बहुत कुछ किया है। रैना ने सरकार से यह मांग कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद की है। सचिन तेंदुलकर अकेले भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्हें 2014 में भारत रत्न मिला था। रैना ने स्टार स्पोर्ट्स पर बात करते हुए कहा कि विराट कोहली ने भारत और भारतीय क्रिकेट के लिए जो कुछ भी किया है, उसके लिए उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए। भारत सरकार को उन्हें भारत रत्न देना चाहिए।

14 साल के करियर का किया अंत – विराट कोहली ने हाल ही में 14 साल के टेस्ट करियर को अलविदा कहा है। कोहली के टेस्ट से संन्यास लेने से उनके फैंस हैरान हैं। आरसीबी के फैंस बड़ी संख्या में एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सफेद जर्सी पहनकर आए। वे कोहली को आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच से पहले ट्रिब्यूट दे रहे थे। स्टेडियम में फैंस ने एक बड़ा बैनर लगाया था। उस पर लिखा था, हम सब विराट कोहली से प्यार करते हैं। रेड बॉल क्रिकेट को फिर से रोमांचक बनाने के लिए धन्यवाद।

शानदार रहा है करियर – विराट कोहली ने 2011 में अपना करियर शुरू किया था। उन्होंने भारत के लिए 123 टेस्ट मैच खेले। उन्होंने 46.85 की औसत से 9230 रन बनाए। कोहली ने 31 अर्धशतक और 30 शतक भी लगाए। कोहली टेस्ट क्रिकेट में भारत के सबसे सफल कप्तान रहे। उन्होंने 68 मैचों में भारत का नेतृत्व किया। उनमें से 40 में जीत हासिल की। उनकी कप्तानी में भारत आईसीसी रैंकिंग में नंबर 1 पर भी पहुंचा। भारत 42 महीनों तक इस स्थान पर बना रहा। विराट कोहली पहले ही टी20आई से भी संन्यास ले चुके हैं। लेकिन वे एक दिवसीय खेलते रहेंगे। उनसे 2027 का वर्ल्ड कप खेलने की उम्मीद है।

रोस्टन चेज वेस्टइंडीज के नए टेस्ट कप्तान

दो साल बाद टीम में वापसी, ब्रैथवेट की जगह लेंगे; ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से करेंगे कप्तानी

नईदिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने दो साल से टेस्ट टीम से बाहर चल रहे ऑलराउंडर रोस्टन चेज को टीम का कप्तान नियुक्त किया है।

वह क्रैग ब्रैथवेट की जगह लेंगे। ब्रैथवेट ने इस साल के मार्च में टेस्ट कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। वेस्टइंडीज ने उनकी कप्तानी में खेले 39 मैच में से 10 टेस्ट जीते, 22 हारे और सात ड्रॉ रहे।

चेज 2023 में आखिरी बार टेस्ट खेला था – चेज ने आखिरी बार मार्च 2023 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट खेला था। तब से वेस्टइंडीज ने 13 टेस्ट खेले, लेकिन उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। अब टीम में वापसी के साथ ही उन्हें कप्तान बनाया गया है। इससे पहले वे एक वनडे और एक टी-20 में कप्तानी कर चुके हैं।

चेज की अगुआई में टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज खेलेगी, जो 25 जून से ब्रिजटाउन में शुरू होगी।

चेज अब तक 49 टेस्ट खेले हैं – चेज ने अब तक 49 टेस्ट में 2265 रन बनाए हैं, जिसमें 5 शतक शामिल हैं। उनका औसत 26.33 है। गेंद से भी उन्होंने 85 विकेट लिए हैं। शुरुआत में उनका प्रदर्शन शानदार रहा था। पहले 10 टेस्ट में उनका बैटिंग एवरेज 48.53 रहा, लेकिन इसके बाद उनका ग्राफ गिरा।

6 खिलाड़ियों के नाम पर विचार के बाद चेज का नाम पर हुआ फैसला – वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तान के लिए रोस्टन चेज के अलावा जॉन कैम्पबेल, टेविन इमलाच, जोशुआ दा सिल्वा, जस्टिन ग्रीव्स और जोमेल वारिकन जैसे खिलाड़ी भी रेस में थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने बताया कि कप्तान चुनने के लिए एक डेटा-आधारित, साइकोमेट्रिक टेस्ट वाला प्रोसेस अपनाया गया था। सभी प्रक्रिया के बाद रोस्टन चेज को कप्तान चुनने का फैसला किया गया।

सीडब्ल्यूआई अध्यक्ष डॉ. किशोर शैलो ने इस चयन को वेस्टइंडीज क्रिकेट की सबसे सोच-समझकर की गई प्रक्रिया बताया। कोच डैरेन सैमी ने भी कहा कि, चेज को उनके साथियों का सम्मान मिला है और वो टीम को आगे ले जाने के लिए जरूरी लीडरशिप क्वालिटीज दिखा चुके हैं।

उनकी कप्तानी बिल्कुल सटीक रही है

बांगर ने आईपीएल 2025 में रजत पाटीदार की सराहना की

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए कप्तान और बल्लेबाज दोनों के रूप में रजत पाटीदार के बढ़ते प्रभाव की आरसीबी के पूर्व मुख्य कोच और जियोस्टार विशेषज्ञ संजय बांगर ने प्रशंसा की है जिन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन के दौरान दाएं हाथ के इस खिलाड़ी के संयमित नेतृत्व और परिपक्वता पर प्रकाश डाला।

पाटीदार की दोहरी भूमिका के बारे में बात करते हुए बांगर ने जियोहॉटस्टार पर टिप्पणी करते हुए कहा, कभी-कभी यह सिर्फ गेंदों की संख्या के बारे में होता है। यदि शीर्ष क्रम अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, तो आपके मौके सीमित हैं। साथ ही, शीर्ष प्रदर्शन करने वालों से घिरे होने का मतलब है कि आपको तीन या चार विफलताओं को बहुत अधिक नहीं पढ़ना चाहिए।

टी20 क्रिकेट की अप्रत्याशित प्रकृति के बावजूद पाटीदार बल्ले और अपनी सामरिक कौशल दोनों के साथ अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रहे हैं। बांगर ने कहा, %रजत ने जिम्मेदारी को बहुत अच्छे से निभाया है। उनकी कप्तानी शानदार रही है। उन्होंने बल्ले से इस सीजन की शुरुआत दमदार तरीके से की और जब भी उन्होंने क्रीज पर समय बिताया, उन्होंने प्रभावित करना जारी रखा। टी20 में आप कुछ मौकों पर चूक जाते हैं - यह प्रारूप की प्रकृति है।

चिन्नास्वामी में बारिश के बीच आया कबूतरों का झुंड, फैंस ने कोहली को किया सलाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में बारिश से भीगी शाम को प्रकृति ने विराट कोहली के शानदार टेस्ट करियर को एक काव्यात्मक विदाई दी। आरसीबी और कोलकाता के बीच आईपीएल 2025 के हाई-वोल्टेज

मुकाबले से पहले, सफेद कबूतरों का झुंड उड़ा, जो कोहली की लाल गेंद की विरासत को श्रद्धांजलि सा प्रतीत हुआ। स्टेडियम में प्रशंसक भावुक हो उठे, लेकिन बारिश ने टॉस में देरी कर दी और मैच के धुलने का खतरा बढ़ा दिया। कोहली के लिए श्रद्धांजलि टी-शर्ट और नारों के बीच, बारिश ने भले ही खेल रोका, लेकिन प्रशंसकों का जोश और कोहली का उत्सव अटल रहा।

ऐसी ही अंक तालिका की स्थिति- आरसीबी अब रद्द मुकाबले से एक नंबर लेकर अंक तालिका में टॉप पर पहुंच गई है। उनके अब 12 मैचों में 8 जीत, 3 हार और एक बेनतीजा मैच के साथ 17 प्वाइंट हो गए हैं। वहीं, गुजरात टाइटंस 11 मैचों में 8 जीत और 16 प्वाइंट के साथ दूसरे नंबर पर है।

ईशांत ने सुदर्शन-किशोर की तारीफ की,बोले-

दोनों टीम के लिए इम्पैक्टफुल प्लेयरस

नईदिल्ली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस (जीटी) के तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने अपनी टीम के युवा खिलाड़ियों साई सुदर्शन और साई किशोर की तारीफ की है। उन्होंने कहा, दोनों खिलाड़ियों को पता है कि टीम के लिए इम्पैक्टफुल परफॉर्मेंस कैसे करना है। ईशांत ने शनिवार को स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रूम में आईपीएल-2025 में प्लेऑफ रेस के बारे में बातचीत की। जहां उन्होंने इस बारे में बात की कि कैसे सीजन रुकने से टीम पर असर पड़ा और उन्होंने कोच आशीष नेहरा और कप्तान शुभमन गिल के साथ अपने बॉन्डिंग के बारे में भी बताया।

सुदर्शन को अपने स्किल पर पूरा भरोसा – मीडिया के सवाल पर ईशांत ने साई किशोर के बारे में बात करते हुए कहा, वे एक स्मार्ट खिलाड़ी हैं और जानते हैं कि उन्हें जो भी मौका मिले, उसमें अपना बेस्ट परफॉर्मेंस करना है। आप जानते है कि साई किशोर ने दूसरे गेंदबाजों की तुलना में कम ओवर गेंदबाजी की है, इसके बावजूद वह आईपीएल2025 पर्पल कैप के दावेदार हैं।साई किशोर ने इस सीजन 11 मैचों में 14 विकेट लिए हैं। पर्पल कैप की रेस में 10वें नंबर पर हैं।

उन्होंने साई सुदर्शन के बारे में कहा, उन्हें अपने स्किल पर पूरा भरोसा है और वे जानते हैं कि खेल को कैसे आगे बढ़ाना है। वे बड़े हिटर नहीं हैं, लेकिन फिर भी अच्छे क्रिकेटिंग शॉट खेल सकते हैं, जैसे वे चौके मारते हैं, जिससे विपक्षी गेंदबाजों पर ज्यादा दबाव पड़ता है।

ब्रेक से कोई असर नहीं – आईपीएल 2025 में थोड़े समय के ब्रेक के बारे में बात करते हुए ईशांत ने कहा, इसका कोई असर नहीं पड़ा। शुरू में मुझे बताया गया था कि आईपीएल अब नहीं होगा। लेकिन जल्द ही उन्हें बताया गया कि खिलाड़ी अहमदाबाद जा रहे हैं, जहां उन्होंने टूर्नामेंट के फिर से शुरू होने की घोषणा से पहले ही अभ्यास शुरू कर दिया था।

नेहरा-गिल के साथ मेरे संबंध बहुत मजबूत – ईशांत ने आगे कहा, कोच आशीष नेहरा और कप्तान शुभमन गिल दोनों के साथ मेरे संबंध बहुत मजबूत हैं। मैं युवा खिलाड़ियों के साथ अपने अनुभव को साझा करने की कोशिश करता हूं कि मैच में स्थिति के अनुसार अपनी स्टॉक डिलीवरी का उपयोग कैसे करें, क्योंकि कोई भी खिलाड़ी पहले ओवर में अपने सभी पत्ते नहीं दिखा सकता है, बल्कि उसे थोड़ा सा ब्लफ करना पड़ता है।

भारत के खिलाफ श्रृंखला से पहले ईसीबी ने डेटा विश्लेषकों को किया बर्खास्त

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से कुछ सप्ताह पहले अपने डेटा विश्लेषकों फ्रेडी वाइल्ड और नाथन लेमन को बर्खास्त कर दिया क्योंकि मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम अंतर्मन पर अधिक भरोसा करना चाहते हैं। इंग्लैंड का नया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र 20 जून को हेडिंग्ले में भारतीय टीम के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला से शुरू होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, 'इंग्लैंड के दो वरिष्ठ क्रिकेट विश्लेषक नाथन लेमन और फ्रेडी वाइल्ड टीम का साथ छोड़ने जा रहे हैं। इससे पता चलता है कि राष्ट्रीय टीम आगे चलकर डेटा पर अधिक ध्यान नहीं देगी। लीमन और वाइल्ड क्रमशः इंग्लैंड के वरिष्ठ डेटा विश्लेषक और सीमित ओवरों के विश्लेषक है। दोनों राष्ट्रीय टीम के साथ अपनी भागीदारी समाप्त कर रहे हैं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया, 'दोनों ही इस महीने के अंत में वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड की सीमित ओवरों की श्रृंखला में शामिल नहीं होंगे। इस श्रृंखला से हैरी ब्रूक कप्तान के तौर पर अपने एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज करेंगे। मैकुलम केवल डेटा पर आधारित दृष्टिकोण में विश्वास नहीं रखते हैं। न्यूजीलैंड के इस पूर्व कप्तान का मानना है कि यह खेल के लंबे प्रारूप की की तुलना में टी20 प्रारूप के लिए अधिक उपयुक्त है।

मैकुलम को यह भी लगता है कि सहायक कर्मचारियों की कम संख्या माहौल को सरल बनाए रखने में मददगार होती है।

सूर्यकुमार यादव का यह आईपीएल सीजन उनके सर्वश्रेष्ठ सीजन में से एक है : पूर्व भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने आईपीएल 2025 सीजन में मुंबई इंडियंस के सीनियर खिलाड़ियों हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और रोहित शर्मा को टीम में वापसी का श्रेय दिया। दिग्गज क्रिकेटर ने आगे कहा कि इन खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण मौकों पर फ्रेंचाइजी के लिए अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि बहुमुखी बल्लेबाज सूर्यकुमार का यह आईपीएल करियर का सर्वश्रेष्ठ सीजन है।

भारत के टी20 कप्तान ने 12 मैचों में 510 रन बनाए हैं जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। मुंबई के इस बल्लेबाज के पास फिलहाल ऑरेंज कैप है, जबकि गुजरात टाइटन्स के साई सुदर्शन (509 रन) और शुभमन गिल (508 रन) शीर्ष स्थान पर हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली चौथे स्थान पर हैं जो सूर्यकुमार से सिर्फ पांच रन पीछे हैं। हार्दिक पांड्या की अगुआई वाली टीम की शुरुआत खराब रही और उसने सीजन के अपने पहले मैचों में चार गेम गंवाए। हालांकि पांच बार के चैंपियन ने फिर से वापसी की और लगातार छह मैच जीते लेकिन बारिश से प्रभावित मैच में गुजरात टाइटन्स से तीन विकेट से हार गए। 12 खेलों में 14 अंकों के साथ मुंबई के पास दो गेम शेष रहते प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने का एक मजबूत मौका है।

मांजरेकर ने कहा, मुझे यकीन नहीं है कि उनका अभियान पटरी से उतर जाएगा, भले ही रयान रिकेल्टन और विल जैक जैसे कुछ विदेशी खिलाड़ी संभावित रूप से प्रमुख खेलों के लिए अनुपलब्ध हों। वे खिलाड़ियों को सही भूमिकाओं में ढालने में कामयाब रहे हैं। शुरुआत में, वे थोड़े अनिश्चित दिखे लेकिन अब उन्हें स्पष्टता मिल गई है। सूर्यकुमार यादव अपने सर्वश्रेष्ठ आईपीएल सीजन में से एक खेल रहे हैं। और जब उच्च दबाव की स्थिति की बात आती है, तो मुंबई के पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो पनपते हैं, हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और यहां तक ??कि रोहित शर्मा, उनके हालिया फॉर्म के बावजूद।

एशियन शतरंज चैंपियनशिप 2025

निहाल सरीन का रजत पदक, वंतिका अग्रवाल ने दिखाई दमदार चुनौती

अल ऐन, संयुक्त अरब अमीरात (एजेंसी)। संयुक्त अरब अमीरात के अल ऐन में सम्पन्न हुई एशियन शतरंज चैंपियनशिप 2025 में भारत के ग्रांडमास्टर निहाल सरीन ने ओपन वर्ग में रजत पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया, वहीं महिला वर्ग में वंतिका अग्रवाल ने आखिरी राउंड में जीत दर्ज कर शीर्ष स्थान की दौड़ में दमदार चुनौती दी।

निहाल सरीन का शानदार प्रदर्शन – ग्रांडमास्टर निहाल सरीन ने टूर्नामेंट के अंतिम राउंड में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी की तरह खेलते हुए, लीड कर रहे ईरान के तरूबर्दिया दानेशवर को हराया और 7/9 अंकों के साथ बराबरी पर पहुँच गए। हालांकि दोनों खिलाड़ियों के अंक समान रहे, लेकिन टाईब्रेक स्कोर (प्रतिद्वंद्वियों की औसत रेटिंग) के आधार पर बर्दिया दानेशवर को स्वर्ण और निहाल सरीन को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यह निहाल के करियर का एक और शानदार उपलब्धि रहा और उन्होंने अगले विश्व कप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है।

महिला वर्ग में वंतिका अग्रवाल की चुनौती – महिला वर्ग में भारत की वंतिका अग्रवाल ने अंतिम राउंड में मंगोलिया की नेता बाट-एर्देने मंगुन्जुल को हराकर जोरदार वापसी की और शीर्ष पर पहुँच गई।हालांकि, चीन की ह्वरूसोंग युशिन, उज्बेकिस्तान की गुलरुखबेगिम तोखिरजोनोवा को सिर्फ 32 चालों में मात देकर आगे निकल गईं। चार खिलाड़ियों के बीच समान अंक रहने के बाद टाईब्रेक स्कोर के आधार पर सोंग युशिन को स्वर्ण, मंगुन्जुल को रजत और बाला-बाएवा को कांस्य पदक मिला।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टेंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादकः सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेलः purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)

संक्षिप्त समाचार

हमारे 4 में से केवल 1 ही नाम को चुना, भड़की कांग्रेस; किसी नेता को विदेश जाने से नहीं रोकेगी पार्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी ने रविवार को केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। मामला उन सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों से जुड़ा है जिन्हें पाकिस्तान के आतंकवाद से संबंध और ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े तथ्यों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उजागर करने के लिए विदेश भेजा जा रहा है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार ने उसके द्वारा सुझाए गए चार नेताओं में से केवल एक को ही प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया।

कांग्रेस ने बताया कि केंद्र सरकार ने पार्टी से चार सांसदों के नाम मांगे थे, जिसके जवाब में पार्टी ने आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, सैयद नासिर हुसैन और अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के नाम भेजे थे। लेकिन, अंतिम सूची में सिर्फ आनंद शर्मा को ही शामिल किया गया, जबकि बाकी तीन नामों को नजरअंदाज कर दिया गया।

इसके विपरीत, सरकार ने कांग्रेस के शशि थरूर, मनीष तिवारी, अमर सिंह और सलमान खुर्शीद को प्रतिनिधिमंडलों में शामिल किया है। ये उन नामों में शामिल नहीं थे जिन्हें कांग्रेस ने सुझाया था। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार देर रात जारी एक बयान में कहा, 16 मई की सुबह, मोदी सरकार ने कांग्रेस पार्टी से चार सांसदों/नेताओं के नाम मांगे, जिन्हें पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर भारत की स्थिति को दुनिया के सामने रखने के लिए विदेश भेजे जा रहे प्रतिनिधिमंडलों में शामिल किया जाना था। कांग्रेस संसदीय दल की ओर से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने 16 मई को दोपहर 12 बजे तक चार नाम संसदीय कार्य मंत्री को लिखित रूप में भेज दिया था।

उन्होंने कहा कि आज देर रात (17 मई) इन सभी प्रतिनिधिमंडलों की आधिकारिक सूची जारी कर दी गई है। अत्यंत खेदजनक है कि कांग्रेस नेतृत्व द्वारा सुझाए गए चार नामों में से केवल एक को ही शामिल किया गया है। रमेश ने आरोप लगाया कि यह मोदी सरकार की पूरी तरह से असंवेदनशील और असत्यनिष्ठ राजनीतिक सोच को उजागर करता है, और यह दर्शाता है कि किस तरह वह गंभीर राष्ट्रीय मुद्दों पर भी घटिया राजनीतिक खेल खेलती है।

इससे पहले खबरें आई थीं कि कांग्रेस उन नेताओं पर ऐक्शन ले सकती है जो बिना उसकी इजाजत के सरकारी प्रतिनिधिमंडलों के साथ विदेश जाएंगे। इनमें शशि थरूर का नाम भी शामिल है। क्योंकि कांग्रेस ने जो लिस्ट सरकार को दी उसमें थरूर का नाम शामिल नहीं था, फिर भी सरकार ने उन्हें लिस्ट में शामिल किया है। हालांकि अब कांग्रेस पार्टी ने साफ कर दिया है कि भले ही उसके दिए नामों में से नेताओं को नहीं चुना गया हो, फिर भी वह किसी को विदेश जाने से नहीं रोकेगी।

सरकार से मदद में मिले आवासों को बनाया कमाई का जरिया, 219 को भेजा जाएगा नोटिस

प्रयागराज, एजेंसी। यूपी के प्रयागराज में देवघाट झलवा की कांशीराम आवास योजना में सरकार ने गरीबों को सिर छिपाने के लिए रियायती दरों पर आवास तो दिया, लेकिन मदद में मिली इस छतको आवंटियों ने कमाई का जरिया बना लिया। यहां ब्लॉक एक से 33 तक के 528 घरों की जांच की गई तो 326 घर ऐसे मिले जहां या तो ताला बंद था या फिर लोगों नेइसे किराए पर उठा दिया था। अब इन घरों को खाली कराया जाएगा। इसमें मूल आवंटियों को बसाया जाएगा या फिर दूसरे गरीबों को इसे नए सिरे से दिया जाएगा। रिपोर्ट में कई आवासों को बेचने की भी बात कही गई है।

जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ की जनसुनवाई में प्रतिदिन ऐसे लोग आते हैं, जिनके पास न तो जमीन है और न ही आवास। उनकी स्थिति को देखकर जिलाधिकारी ने एसडीएम सदर अभिषेक कुमार सिंह को राजस्व टीम के साथ कांशीराम आवास योजना का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा था।

पाकिस्तान पर एक और हमले के लिए तैयार था भारत, भीख मांगने लगा पड़ोसी

नई दिल्ली, एजेंसी। 7 मई को हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारत द्वारा आतंकवादी ढांचों को ध्वस्त करने के बाद 10 मई की सुबह भारतीय मिसाइलों ने पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस को निशाना बनाया। इसके तुरंत बाद पाकिस्तान में हड़कंप मच गया और इस्लामाबाद ने अमेरिका से तत्काल हस्तक्षेप की भीख मांगी। भारतीय नौसेना द्वारा कराची नौसैनिक अड्डे पर संभावित हमले की खबरों ने पाकिस्तान की सैन्य व्यवस्था को पूरी तरह झकझोर दिया। इसके बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने 10 मई की सुबह भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से संपर्क करने के लिए आपात प्रयास किए।

अमेरिकी सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान ने अमेरिका को बताया कि वह तत्काल युद्धविराम चाहता है, हालांकि भारत की ओर से साफ कर दिया गया कि किसी भी सैन्य कार्रवाई का निर्णय डीजीएमओ चैनल से ही होगा क्योंकि इस समय सेना ही पूरे अभियान का नेतृत्व कर रही है।

पाकिस्तान के महानिदेशक सैन्य संचालन काशिफ अब्दुल्ला ने सुबह 10:38 बजे भारत के डीजीएमओ को फोन कर कराची पोर्ट पर संभावित ब्रह्मोस मिसाइल हमले की बात कही और प्रतिघात की धमकी दी। हालांकि, भारतीय पक्ष पूरी तरह तैयार था और किसी प्रकार के दबाव में नहीं आया।

भारत की ओर से किसी भी प्रकार की प्रतिक्रिया में संयम और आत्मविश्वास दोनों स्पष्ट नजर आए। पाकिस्तान के विदेश मंत्री और पारंपरिक सहयोगियों द्वारा बार-बार किए गए फोन कॉल्स को भारत ने अनदेखा कर दिया। भारत का साफ मानना था कि अब कोई भी रणनीतिक बातचीत सिर्फ सैन्य माध्यमों से ही होगी।

10 मई के मिसाइल हमले के बाद पाकिस्तान की 11 वायुसेनाओं के ठिकाने निष्क्रिय हो चुके थे और हवाई सुरक्षा प्रणाली पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी थी। भारत की वायुसेना के राफेल विमानों, ब्रह्मोस मिसाइलों, ड्रोन और लूटरिंग म्यूनिशन ने असाधारण प्रदर्शन किया। यहां तक कि चीन से प्राप्त एयर डिफेंस सिस्टम भी या तो नष्ट हो गए या इलेक्ट्रॉनिक जामिंग के कारण निष्क्रिय हो गए।

भारत ने संघर्षविराम क्यों स्वीकारा?

भारतीय रणनीतिकारों ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत ने संघर्षविराम को इसलिए स्वीकार किया क्योंकि मिशन के लक्ष्य पूर्ण रूप से प्राप्त हो चुके थे। पाकिस्तान की ओर से कोई और प्रभावी सैन्य प्रतिक्रिया अब संभव नहीं थी। इसके अलावा, भारत नहीं चाहता था कि पाकिस्तान पश्चिमी देशों के समक्ष पीड़ित देश के रूप में प्रस्तुत हो।

चीनी और तुर्की को लेकर भारत सतर्क

रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान की वायु रणनीति में चीनी और तुर्की सैन्य सलाहकारों की भूमिका रही। इस पर भारत ने संकेत दिए हैं कि भविष्य में ऐसे आतंक समर्थक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई संभव है। भारत अब पारंपरिक युद्ध की जगह स्टैंड-ऑफ वेपंस और ड्रोन युद्ध प्रणाली पर अधिक ध्यान दे रहा है। वर्ष 2028 तक भारत में 31 अमेरिकी 'प्रिडेटर' सशस्त्र ड्रोन आने वाले हैं, साथ ही कम लागत वाले स्वार्म ड्रोन और हाई-एल्टीट्यूड अटैक ड्रोन के स्वदेशी विकास पर तेजी से काम चल रहा है।

सिंधु जल संधि की समाप्ति

अगले महीने भारत के सिंधु जल संधि को निलंबित करने की योजना पाकिस्तान के लिए एक और झटका साबित हो सकती है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंक के खिलाफ लड़ाई में अब आत्मनिर्भरता और निर्णायक सैन्य क्षमता ही उसका मार्गदर्शक सिद्धांत होगा।

विश्व कल्याण के लिए शक्ति आवश्यक, भारत का कर्तव्य धर्म सिखाना : मोहन भागवत

जयपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि दुनिया तभी आपकी बात सुनती है, जब आपके पास शक्ति हो। उन्होंने देश को विश्व का सबसे प्राचीन देश बताते हुए कहा कि भारत की भूमिका बड़े भाई की तरह है, जो विश्व में शांति और सौहार्द स्थापित करने के लिए कार्य कर रहा है। डॉ. भागवत जयपुर के हरमाडा स्थित रविनाथ आश्रम में संत रविनाथ महाराज की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने संत तुकाराम के कथन का उल्लेख करते हुए कहा कि हम बैकुंठ के वासी हैं और इस धरती पर इसलिए आए हैं ताकि संत-महात्माओं के उपदेशों को व्यवहार में लाकर दिखाएं। आज के समय में यह व्यवहार करना हमारी जिम्मेदारी है। समाज को समरस और शक्ति संपन्न जीवन जीने की आवश्यकता है, क्योंकि कमजोर कुछ नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि समाज शक्ति की पूजा करता है, इसलिए साधना के साथ शक्तिशाली जीवन जीना जरूरी है। कार्यक्रम में विनम्रता दिखाते हुए डॉ. भागवत ने कहा कि वे न तो सम्मान के अधिकारी हैं और न ही भाषण देने के। उन्होंने कहा कि आरएसएस की 100 साल पुरानी परंपरा में लाखों कार्यकर्ताओं का परिश्रम शामिल है। अगर यह परंपरा सम्मान योग्य है, तो यह उन कार्यकर्ताओं का सम्मान है। संतों की आज्ञा के कारण ही वे यह सम्मान ग्रहण कर रहे हैं। इस दौरान भावनाथ महाराज ने डॉ. भागवत को सम्मानित किया।

मंगलसूत्र बांधते ही दूल्हे को आया हार्ट अटैक, तुरंत हो गई मौत; मातम में बदला शादी समारोह

बागलकोट , एजेंसी। कर्नाटक के बागलकोट जिले में शनिवार को शादी समारोह के दौरान बेहद दुखद घटना घटी। 25 वर्षीय दूल्हे प्रवीण ने अभी अपनी दुल्हन के गले में मंगलसूत्र बांधकर विवाह की रस्म पूरी की ही थी, अचानक उसके सीने में दर्द होने लगा। इस बारे में शिकायत के तुरंत बाद वह बेहोश होकर गिर पड़ा। यह देखकर उसके परिवार वाले और दोस्त हैरान रह गए। यह घटना बागलकोट के जमखंडी कस्बे की है। शादी समारोह में मौजूद लोगों ने बताया, मंगलसूत्र बांधने के बाद प्रवीण को असहज महसूस हुआ और कुछ ही देर में वह जमीन पर गिर गया। आनन-फानन में उसे नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रवीण की मृत्यु का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है। फिलहाल, शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। इस घटना के चलते पूरे समुदाय के लोग शोक में डुब गए और नवविवाहित दुल्हन के लिए यह पल भारी दुख में बदल गया। गौरतलब है कि यह कोई पहली घटना नहीं है जब ऐसी त्रासदी हुई। जब उत्सव का माहौल मातम में बदल गया। इसी साल फरवरी में मध्य प्रदेश में संगीत समारोह के दौरान ऐसी घटना हुई।

अगर नरक और पाकिस्तान में चुनना हो तो, नरक जाना ज्यादा बेहतर हैं: जावेद अख्तर

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड के दिग्गज लिरिक्स और स्क्रिप्ट राइटर जावेद अख्तर ने एक बुक लॉन्च इवेंट में कहा कि अगर उनके पास पाकिस्तान और जहन्नम (नरक) में किसी एक जगह जाने की चॉइस हो तो वह जहन्नम जाना ज्यादा बेहतर समझेंगे।

जावेद अख्तर शनिवार को मुंबई में आयोजित एक बुक लॉन्च इवेंट में बोल रहे थे जहां उन्होंने बताया कि उन्हें भारत और पाकिस्तान दोनों तरफ से गालियां पड़ती हैं। जावेद अख्तर ने कहा कि उन्हें जो कुछ मिला है वो यहीं से ही मिला है और मुंबई, महाराष्ट्र की कर्मभूमि है जिसने उन्हें आज इतना कुछ दिया है।

भारत-पाक युद्ध के दौरान चर्चा में रहे जावेद

जावेद अख्तर ने कहा कि हुआ यह कि मैं सिर्फ साढ़े उन्नीस साल का था जब मुंबई आया था, आज जो कुछ बना, जो कुछ मुझे मिला, जहां भी पहुंचा, यह सब मुंबई की, महाष्ट्र की कर्मभूमि है। बता दें कि भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान जावेद अख्तर के बयान काफी चर्चा में रहे थे। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाले जावेद अख्तर राजनैतिक और समसामयिक मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखते हैं।

जावेद बोले- मुझे दोनों तरफ से गालियां आती हैं: जावेद अख्तर ने इस बुक लॉन्च इवेंट में कहा, तो नतीजा क्या होता है कि अगर आप एक तरफ से बात कर रहे हैं तो आप कुछ लोगों को नाखुश करेंगे, लेकिन अगर हर तरफ से बात कर रहे हैं तो बहुत ज्यादा लोगों को नाखुश करेंगे।

कभी आप मिलिएगा अलग तो मैं आपको दिखाऊंगा अपना ट्विटर, अपना व्हाट्सऐप... जिसमें मुझे दोनों तरफ से गालियां आती हैं। ऐसा नहीं है कि मैं बहुत थैंकलेस हूं। बहुत से लोग तारीफ भी करते हैं, बहुत से लोग हिम्मत भी बढ़ाते हैं, तारीफ भी करते हैं।

यही चॉइस है तो नरक ही जाना पसंद करूंगा: जावेद अख्तर ने कहा, लेकिन यह भी सच है कि मुझे इधर का एक्सट्रीमर भी गाली देता है और उधर का एक्सट्रीमर भी गाली देता है। यही सही है, अगर इनमें से एक ने गाली देना बंद कर दिया तो मुझे परेशानी हो जाएगी कि मैं क्या गड़बड़ कर रहा हूं। तो ये कहते हैं कि तू तो काफिर है, और जहन्नुम में जाएगा। वो कहते हैं कि जिहादी.. पाकिस्तान चला जा। अब अगर मेरे पास चॉइस सिर्फ पाकिस्तान और जहन्नुम, यानि नरक की है। तो मैं नरक ही जाना पसंद करूंगा। अगर यही बस चॉइस है।

छत्तीसगढ़ में पहचान छुपा रह रहा था बांग्लादेशी कपल; 5 साल पहले भी पकड़ाया, पुलिस ने नहीं भेजा वापस

दुर्ग, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ जारी अभियान के तहत दुर्ग पुलिस ने राज्य में पिछले 8 साल से अवैध रूप से रह रहे एक बांग्लादेशी दंपति को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दोनों आरोपियों ने भारत में रहने के दौरान दो बार फर्जी आधार और पैन कार्ड बनवा लिए थे। पुलिस के मुताबिक आरोपी दंपति को इससे पहले साल 2020 में भी इसी आरोप में गिरफ्तार किया गया था, हालांकि मामला अदालत में होने की वजह से दोनों को वापस बांग्लादेश नहीं भेजा गया था।

कार्रवाई के बारे में जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार 16 मई को पुलिस को जानकारी मिली कि सुपेला थाना क्षेत्र के एक मकान में एक संदिग्ध बांग्लादेशी महिला और उसका पति अपनी मूल पहचान छिपाते हुए गलत नाम से रह रहे हैं। इसके बाद जब पुलिस दल ने आरोपी दंपति से पूछताछ की तो उन्होंने अपना नाम ज्योति और रासेल शेख बताया। दोनों ने बताया कि वह पश्चिम बंगाल के उत्तर-24 परगना जिले के निवासी हैं। पूछताछ के दौरान दंपति ने जानकारी दी कि वह 2009 से 2017 तक नवी मुंबई ठाणे में रहते थे तथा 2017 से वह दुर्ग जिले के भिलाई में रह रहे हैं। इसके बाद जांच के दौरान जब आरोपी दंपति ने अपना आधार कार्ड दिखाया तो पुलिस को वह संदेहास्पद लगा। फिर जब उनसे सख्ती से पूछताछ की गई तो उन्होंने खुद के बांग्लादेशी होने की बात मान ली। इस दौरान महिला ने अपना असली नाम शाहिदा खातून (35) और उसके पति ने अपना नाम मोहम्मद रासेल शेख (36) बताया। साथ ही कहा कि वे बांग्लादेश के जेस्सोर जिले के निवासी हैं।

भारत में घुसने के बारे में बताते हुए शाहिदा खातून ने कहा कि उसने साल 2009 में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय बोंगा बॉर्डर के जरिए अवैध तरीके से पश्चिम बंगाल में प्रवेश किया था, इसके बाद वह वहां से हावड़ा होते हुए मुंबई पहुंच गई और वहां मजदूरी करने लगी। उसने बताया कि मुंबई में उसका परिचय बांग्लादेश के ही रहने वाले मोहम्मद रासेल से हुआ और फिर दोनों मुंबई से वापस बांग्लादेश चले गए। बांग्लादेश पहुंचने के बाद शाहिदा खातून ने अपना नाम बदलकर ज्योति रख लिया और रासेल से शादी कर ली। शादी के बाद दोनों ने 2017 में पासपोर्ट और भारतीय वीजा पर भारत में प्रवेश किया। हालांकि इनमें से ज्योति रासेल शेख की वीजा अवधि 13 सितंबर 2018 में तथा रासेल शेख की वीजा अवधि 12 अप्रैल 2020 में खत्म हो गई। अधिकारियों ने बताया कि दोनों बांग्लादेशी नागरिकों ने ठाणे में रहने के दौरान फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर जन्मतिथि और अपने वास्तविक नाम को छिपाते हुए ज्योति रासेल शेख और रासेल शेख के नाम से फर्जी आधार कार्ड और पैन कार्ड तैयार कर लिए। बाद में वह भिलाई में आकर रहने लगे।

पुलिस ने बताया कि साल 2020 में बगैर कानूनी दस्तावेज के भारत में रहते हुए पाए जाने के बाद पुलिस ने महिला और उसके पति के खिलाफ मामला दर्ज किया था। हालांकि यह मामला अदालत में चल रहा है इसलिए दोनों को वापस बांग्लादेश नहीं भेजा गया था।

उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भिलाई में फर्जी पैन कार्ड, मतदाता परिचय पत्र बनवाया और विभिन्न बैंकों में खाता भी खुलवाया। साल 2018 में रासेल शेख के खिलाफ जिले के छावनी थाना क्षेत्र में लूट का मामला भी दर्ज किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ अवैध रूप से भारत में रहने तथा बांग्लादेशी नागरिक की मूल पहचान को छिपाते हुए स्वयं को भारतीय नागरिक सिद्ध करने के आरोप में विदेशी विषयक अधिनियम 1946, पासपोर्ट अधिनियम 1967, पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम 1920 और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

हनुमान बेनीवाल के बयान पर भड़की करणी सेना

नागौर, एजेंसी। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी सुप्रीमो व राजस्थान की नागौर लोकसभा सीट से सांसद हनुमान बेनीवाल के दिए एक बयान को लेकर करणी सेना भड़क गई है। जिसके बाद नाराज करणी सेना ने सांसद को आक्रामक जवाब देने की धमकी देते हुए इसके लिए करणी सैनिकों को तैयार रहने के लिए कहा है। दरअसल बेनीवाल ने हाल ही में मीडिया से बात करते हुए राजस्थान के राजा-रजवाड़ों को लेकर कुछ आपत्तिजनक बातें कही थीं। उन्होंने कहा था कि एक-दो राजाओं को छोड़कर राजस्थान के किसी राजा ने मुगलों से लड़ाई नहीं लड़ी, बल्कि वे तो युद्ध क्षेत्र से 70 किलोमीटर पहले ही अपनी बेटी लेकर पहुंच जाते थे और उनके सामने पेश कर देते थे। इसी बयान को लेकर करणी सेना भड़क गई है। बेनीवाल के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए क्षत्रिय करणी सेना के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राज शेखावत ने कहा, हमारे पूर्वजों एवं क्षत्राणियों पर एकबार फिर अभद्र टिप्पणी की गई है, और वह भी जननायक द्वारा। राजस्थान के सांसद हनुमान बेनीवाल द्वारा यह अभद्र टिप्पणी की गई है, शीघ्र ही घोषणा की जाएगी इसका मुंहतोड़ जवाब देने के लिए। सभी करणी सैनिक तैयार रहें, जय क्षात्र धर्म। इससे पहले अपने जवाब की शुरुआत उन्होंने जय क्षात्र धर्म, वीर भोग्या वसुंधरा और धर्मो रक्षति रक्षित: जैसे वाक्यों के साथ की।

इस बारे में वीडियो जारी करते हुए राज शेखावत ने सोशल मीडिया पर लिखा, जल्द ही राजस्थान सांसद हनुमान बेनीवाल को आक्रामक जवाब दिया जाएगा। तारीख, समय और स्थल घोषित किया जाएगा। सभी करणी सैनिक तैयार रहें। जय क्षात्र धर्म।

राजे-रजवाड़ों पर क्या बोले हनुमान बेनीवाल

श्रीनगर में आतंकियों के सहयोगियों पर एक्शन, 23 के खिलाफ पीएसए के तहत केस दर्ज

जम्मू-कश्मीर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर में आतंकवादियों के 23 सहयोगियों और उपद्रवियों पर बड़ा ऐक्शन लिया है। इनके खिलाफ कड़े सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपियों को हिरासत में लेकर पुंछ, उधमपुर के जिला कारागार और जम्मू की कोट भलवाल जेल में रखा गया है। उन्होंने कहा, राष्ट्र की सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था के लिए नुकसानदेह व आपराधिक तत्वों के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई की गई। इसके तहत, श्रीनगर पुलिस ने विध्वंसक गतिविधियों में शामिल प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के 23 सहयोगियों और सार्वजनिक अशांति में शामिल बदमाशों के खिलाफ पीएसए के तहत मामला दर्ज किया। श्रीनगर पुलिस की ओर से तैयार किए गए दस्तावेज के आधार पर जिला मजिस्ट्रेट के कार्यालय से हिरासत का आदेश मिलने के बाद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि इन व्यक्तियों के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज किए गए है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा, उन्होंने अदालतों से जमानत मिलने के बाद भी अपने तरीके नहीं सुधारे। वे सार्वजनिक व्यवस्था को भंग करने, आपराधिक और राष्ट्र के खिलाफ विध्वंसक गतिविधियों में बेशर्मी से शामिल थे। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर शहर में ऐसे राष्ट्र-विरोधी और असामाजिक गुटों को निशाना बनाया है। उन्हें ध्वस्त करके इन तत्वों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

मैं पाकिस्तान का दुल्हा भाई बन गया हूं, असदुद्दीन ओवैसी बोले- उसके दिमाग में भूसा भरा है

नईदिल्ली, एजेंसी। कश्मीर में पहलगाम हमले के बाद एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी लगातार पाकिस्तान को लताड़ रहे हैं। उन्होंने भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर का भी खुलकर समर्थन किया। वहीं पाकिस्तान के समर्थकों की तरफ से उनपर हो रहे अटैक को लेकर जब सवाल किया गया तो ओवैसी ने कहा, हम पाकिस्तान के दुल्हे भाई हो गए हैं आजकल। अब कोई नहीं रहा वहां पर। हम ही रह गए हैं। इतना बेबाक और हैंडसम कोई रह ही नहीं गया। अब हम ही रह गए हैं। देखते रहो प्यारे मेरे को। थोड़ा सुनते रहो, इससे ज्ञान बढ़ेगा। तुम्हारे दिमाग में जो भूसा भरा हुआ है वह साफ हो जाएगा।

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, भारतीय सेना को धन्यवाद कहता हूं कि उन्होंने पहलगाम के हमले के बाद आतंकियों के ठिकानों को नेस्तनाबूत कर दिया गया। उन्होंने विदेश जाने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को लेकर कहा, यह हमारे लिए अच्छी बात है कि हमारे मुल्क में जो आतंकवादी वाकयात हो रहे हैं, उनके बारे में सभी देशों को बताना पड़ेगा। भारत का स्टैंड हमेशा आतंकवाद के खिलाफ रहा है। खास तौर पर पड़ोसी मुल्क बार-बार हमारे देश में दहशतगर्दी को प्रमोट करता है। इसलिए दुनिया के सामने बेनकाब करना महत्वपूर्ण काम है।

ओवैसी ने कहा, अटल बिहारी वाजपेयी के जमाने में भी एक डेलिगेशन गया था। इसके बाद 2008 में 26/11 हमले के बाद भी डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार ने एक डेलिगेशन भिजवाया था। उन्होंने कहा, पाकिस्तान झूठ की बुनियाद पर बना है। वे झूठ बोलेंगे डराने की कोशिश करेंगे कि हमारे पास न्यूक्लियर बम है। ईरान और इजरायल के पास भी न्यूक्लियर बम है तो क्या वे लोग रुक रहे हैं। एक दूसरे को मार रहे हैं।

औवैसी ने कहा, हम लोग अपने देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। हम किसी पार्टी से हैं जरूर लेकिन हम अपने मुल्क के लिए काम कर रहे हैं। सांसद दूसरे देशों में जाकर बताएंगे कि पाकिस्तान किस तरह से इस देश को परेशान करना चाहता है। पूरी दुनिया को देखना है कि हमारी पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अगर यहां पर कोई भी डिस्टर्ब होगा तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असर पड़ेगा। भारत कोई मामूली देश तो है नहीं। उन्होंने कहा, पुंछ में छोटे चार मासूम बच्चे मर गए। इसमें दो जुड़वा थे। आर्मी के पांच लोग मारे गए। 21 आम लोग मारे गए। घरों को नुकसान हुआ। ये सारी बातें दुनिया के सामने रखनी हैं। हम बोलेंगे कि क्या ये ठीक है।

ओवैसी ने कहा, ईरान में जो पोर्ट बन रहा है इससे हम पाकिस्तान को बाइपास करके अफगानिस्तान जाएंगे। तालिबान ने तुरंत पहलगाम की निंदा की। ओवैसी ने कहा, टर्की को समझना चाहिए कि उसके देश में भारत के कितने ऑफिस हैं। टर्की को समझना चाहिए कि भारत में करोड़ों मुसलमान रहते हैं। टर्की खुद आतंकवाद का भुक्तभोगी रहा है। उसे आतंकवाद की समस्या को समझना चाहिए।

सीजफायर के ऐलान को लेकर ओवैसी ने कहा कि युद्धविराम का ऐलान हमारे देश के प्रधानमंत्री को करना चाहिए था। किसी और देश को राष्ट्रपति को नहीं करना चाहिए था। वह (ट्रंप) बार-बार कह रहे हैं कि ट्रेड कर लेंगे, ट्रेड कर लेंगे। पाकिस्तान से यूएस का केवल 10 बिलियन का ट्रेड होता है। भारत का यूएस से ट्रेड 150 बिलियन से ज्यादा होता है। क्या मजाक है यह। क्या हम ट्रेड के लिए खामोश बैठ जाएंगे। क्या अमेरिका गारंटी ले रहा है कि पाकिस्तान फिर आतंकी हमले नहीं करेगा। पाकिस्तान की सेना हमेशा हमें तंग करने वाली है। हमें अपनी सरकार से मतलब है। किसी दूसरी सरकार से मतलब नहीं है। पाकिस्तान के लोग भिखमंगे हैं। अभी वे 2 बिलियन डॉलर आईएमएफ से लेकर आए हैं। वे क्या ट्रेड करेंगे। यूएस को टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित करना चाहिए। हमारी सरकार को भी अमेरिका को यह बात बतानी चाहिए। टीआरएफ पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी संगठन है।